सुप्रभात
रांची, मंगलवार
31.10.2023
* नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net कार्तिक, कृष्ण पक्ष, तृतीया संवत 2080 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 109 06

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

पलामू प्रमण्डलीय
रोज़गार मेला
(ऑफर लेटर वितरण)

लगभग **5132** युवाओं को मिलेगा ऑफर लेटर

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री आलमगीर आलम
माननीय मंत्री, संसदीय कार्य, ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड

श्री सत्यानंद भोक्ता
माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड

श्री मिथिलेश कुमार ठाकुर
माननीय मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड

श्री सुनील कुमार सिंह
माननीय सांसद, चतरा

श्री विष्णु दयाल राम
माननीय सांसद, पलामू

सम्मानित अतिथि

श्री आलोक कुमार चौरसिया
माननीय विधायक, डालटनगंज

श्री रामचन्द्र सिंह
माननीय विधायक, मनिका

श्री वैद्यनाथ राम
माननीय विधायक, लातेहार

श्री कुशवाहा शशि भूषण मेहता
माननीय विधायक, पांकी

श्री रामचन्द्र चन्द्रवंशी
माननीय विधायक, विश्रामपुर

श्रीमती पुष्पा देवी
माननीय विधायक, छत्तरपुर

श्री कमलेश कुमार सिंह
माननीय विधायक, हुसैनाबाद

श्री भानु प्रताप शाही
माननीय विधायक, भवनाथपुर

दिनांक : 31.10.2023 | समय : अपराह्न 1 बजे
स्थान : पुलिस लाईन मैदान, डालटनगंज (पलामू)

PRNO 310213 (Labour Employment and Training) IPRD 23-24

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार

चांडिल डैम के विस्थापितों का धैर्य टूटा, अनशन करने फिर पहुंचे रांची, कहा

हमारी समस्याएं सुलझाने में राजभवन करे पहल, विस्थापन आयोग का शीघ्र हो गठन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। अपनी 10 सूत्री मांगों को लेकर चांडिल डैम के 84 मौजा के विस्थापितों का धैर्य टूटता जा रहा है। अखिल झारखंड विस्थापित अधिकार मंच के तत्वावधान में विस्थापित लोग सोमवार को आमरण अनशन करने फिर राजभवन पहुंचे। सभी चांडिल से नामकुम रेलवे स्टेशन पहुंचे। वहां से राजभवन तक अधिकार पदयात्रा निकाली। विस्थापितों ने जाकिर हुसैन पार्क के पास अनिश्चितकालीन आमरण अनशन करने का निर्णय लिया है। बता दें कि 17 अक्टूबर को इन्होंने राजभवन को ज्ञापन सौंपा था। इससे पहले गत 3 अक्टूबर को चांडिल से पदयात्रा करते हुए ये लोग राजभवन पहुंचे थे। एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन के दौरान राजभवन की ओर से कहा गया था कि चार दिन के बाद राज्यपाल विस्थापितों की समस्या सुनेंगे। परंतु 28 दिन बीत जाने के बाद भी कोई सूचना नहीं मिलने पर ये विस्थापित फिर राजभवन पहुंचे हैं।

122 दिनों तक चांडिल में दे चुके हैं धरना

मंच के अध्यक्ष राकेश रंजन महतो ने कहा कि चांडिल डैम के 84 मौजा के 116 गांवों के विस्थापित 16 जून 2023 से चांडिल डैम स्थित पुराना अधीक्षक कार्यालय परिसर में 122 दिनों से अधिक दिनों तक अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे थे। परंतु अभी तक विस्थापितों की मांगों को लेकर विभाग एवं सरकार ने कोई सकारात्मक पहल नहीं की। वहीं नवोदय जनतांत्रिक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन महतो ने कहा कि झारखंड के लिए सबसे अहम मुद्दा विस्थापन नीति है। यहां के लोग विस्थापित हो जाते हैं, लेकिन उन्हें उनका मुआवजा नहीं मिलता है। पार्टी चाहती है कि झारखंड में स्पष्ट विस्थापन नीति और स्थानीय नीति बने।

झारखंड के लिए विस्थापन नीति एक ज्वलंत मुद्दा

नवोदय जनतांत्रिक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन महतो और जितेन्द्र कुमार ने कहा कि झारखंड के लिए सबसे अहम मुद्दा विस्थापन नीति है। यहां के लोग विस्थापित हो जाते हैं। लेकिन उन्हें उनका मुआवजा नहीं मिलता है। आज हम चांडिल डैम की बात करें तो आज तक डैम के विस्थापित अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। आप सोच सकते हैं कि भाखड़ा नांगल परियोजना की समस्या समाप्त हो सकती है तो चांडिल डैम का क्यों नहीं। एक छोटी सी परियोजना है इससे साफ है कि इन समस्याओं का समाधान करने की इच्छा शक्ति सरकार में नहीं है। इसीलिए नवोदय जनतांत्रिक पार्टी चाहती है कि झारखंड में स्पष्ट विस्थापन नीति और स्पष्ट स्थानीय नीति बने और विस्थापन आयोग का गठन हो।

आंदोलनरत मनरेगा कर्मियों से मिले मंत्री आलमगीर आलम

मांगें पूरी करने का दिया आश्वासन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। वर्ष 2007 से रोजगार गारंटी योजना मनरेगा में सेवा दे रहे राज्यभर के करीब 5600 मनरेगा कर्मी अपनी मांगों के समर्थन में ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम का आवास घेराव किया। चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा के अनुसार सोमवार को मंत्री आवास घेरने पहुंचे मनरेगाकर्मियों के बीच जाकर ग्रामीण विकास मंत्री और कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने उनकी मांगों की जानकारी ली और आश्वासन दिया कि सरकार मनरेगाकर्मियों की मांग पर सकारात्मक सोच रखती है।

मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि जल्द ही झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों और मनरेगा आयुक्त के साथ बैठक की जायेगी। उन्होंने कहा कि सरकार दो राज्यों राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में मनरेगा मजदूरों को मिल रही सुविधाओं की भी जानकारी लेगी। उन्होंने कहा कि मनरेगा मजदूरों को भी जल्द ही सामाजिक सुरक्षा योजना से जोड़ा जायेगा। राज्य की वर्तमान सरकार के दौरान ही मनरेगा कर्मियों का मानदेय बढ़ाया गया और आगे भी सरकार उनकी बेहतरी के लिए काम करेगी।

आगे की रणनीति पर जल्द लेंगे फैसला : ग्रामीण विकास मंत्री से वार्ता के बाद संघ के अध्यक्ष जॉन पीटर बागे ने कहा कि विभागीय मंत्री ने उनकी मांगों को लेकर सकारात्मक बात कही है। ऐसे में आगे के लिए आंदोलन की क्या रणनीति होगी, इस पर संघ के पदाधिकारी मिल बैठकर जल्द फैसला लेंगे।

खबर एक नजर में

रिम्स में अनुबंध पर रिसर्च असिस्टेंट की होगी नियुक्ति, 10 नवंबर को साक्षात्कार

रांची। रिम्स के वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लैबोरेट्रीज डिपार्टमेंट ऑफ माइक्रोबायोलॉजी में एक साल के अनुबंध अथवा परियोजना कार्य तक के लिए रिसर्च असिस्टेंट की नियुक्ति को लेकर विज्ञापन का प्रकाशन किया गया है। 10 नवंबर की सुबह 9.30 बजे से 11 बजे तक रिम्स निदेशक कार्यालय में साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थियों को शामिल होने का निर्देश दिया गया है। चयनित उम्मीदवारों को प्रतिमाह 35 हजार रुपए का भुगतान किया जाएगा। आवेदक के पास मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एमएससी इन मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, वायरोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, मॉलेक्युलर बायोलॉजी या लाइफ साइंस डिग्री होनी चाहिये। साथ ही कंप्यूटर की जानकारी के साथ डाटा मैनेजमेंट की जानकारी भी होनी चाहिये।

रिम्स के स्थायी निदेशक के लिए विज्ञापन जारी, 17 नवंबर तक कर सकते हैं आवेदन

रांची। स्वास्थ्य शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने रिम्स के स्थायी निदेशक पद के लिए विज्ञापन जारी किया है। इसके लिए विभाग ने 17 नवंबर तक विज्ञापन आमंत्रित किए हैं। तीन साल की अवधि के लिए स्थायी निदेशक की बहाली की जाएगी। अधिकतम 67 साल के आयुवर्ग के चिकित्सक इस पद के लिए आवेदन कर सकेंगे। इस पद पर आवेदन करने के लिए मेडिसिन, सर्जरी या पब्लिक हेल्थ और उनके विभागों में पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री के अलावा टीचिंग या रिसर्च के क्षेत्र में दस साल का अनुभव होना अनिवार्य है। बताते चलें कि पूर्व निदेशक डॉ कामेश्वर प्रसाद के पद छोड़ने के बाद छह जून को नेत्र विभाग के एचओडी डॉ राजीव कुमार गुप्ता को रिम्स का प्रभारी निदेशक बनाया गया है।

चुनाव नजदीक आया तो विदेश की जगह देश की यात्रा करने लगे प्रधानमंत्री: राजेश ठाकुर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 नवंबर को झारखंड दौरे पर आ रहे हैं। अपने दौरे के दौरान प्रधानमंत्री भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली खूंटी के उलिहातू जाएंगे। पीएम मोदी के संभावित कार्यक्रम को लेकर राज्य में सियासी बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कांग्रेस भवन में मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेश दौरा बंद कर देश का दौरा करना शुरू कर दिया है। पीएम मोदी को इस बात का एहसास हो गया है कि पहले पांच राज्यों में और फिर लोकसभा के चुनाव होने हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 15 नवंबर को संभावित झारखंड यात्रा को राजनीतिक यात्रा बताते हुए राजेश ठाकुर ने कहा कि चुनाव

नजदीक है। इसलिए पीएम मोदी धरती आबा बिरसा मुंडा और बाबा कार्तिक उरांव को भी याद करेंगे। प्रधानमंत्री को झारखंड और झारखंड की जनता से कोई भावनात्मक लगाव नहीं है। प्रदेश कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और राज्य के सभी वर्गों के योग्य युवाओं में नेतृत्व की गुणवत्ता विकसित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का जिक्र करते हुए पीसीसी झारखंड अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि पार्टी लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रही है और यह भविष्य में भी जारी रहेगा।

इडी और आइटी भाजपा के चुनावी हथियार

झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, वहां परिवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग भारतीय जनता पार्टी के चुनावी हथियार के रूप में काम कर रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि अभी झारखंड में चुनाव नहीं हो रहे हैं। वरना ईडी और आईटी की कुछ टीमें यहां भी पहुंच जातीं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि देश और प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी और उसके नेताओं को पहचान चुकी है। आने वाले चुनाव में जनता भाजपा को उसके झूठे चुनावी वादों का हिसाब लेगी।

झारखंड आंदोलनकारियों को दिवाली से पहले मिलेगी सम्मान राशि

रांची। झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मान राशि देने के लिए 4.41 करोड़ आवंटित किया गया है। इसका भुगतान दिवाली से पहले किया जायेगा। पूर्वी सिंहभूम को 67.35 लाख, दुमका को 50.98 लाख, बोकारो को 22.81 लाख, प. सिंहभूम को 6.82 लाख, चतरा को 10.84 लाख, देवघर को 7.70 लाख, धनबाद को 32.71 लाख, गिरिडीह को 31.71 लाख, गोड्डा को 15 लाख, गुमला को 7.92 लाख, हजारीबाग को 40.10 लाख, जामताड़ा को 11 लाख, कोडरमा को 30.40 लाख, लातेहार को एक लाख, लोहरदगा को 24.41 लाख, पाकुड़ को 3 लाख, पलामू को 1.50 लाख, रामगढ़ और रामगढ़ को 22.50-22.50 लाख, साहिबगंज को 1.74 लाख, सरायकेला को 14.28 लाख, सिमडेगा को 4.30 लाख और खूंटी को 10.85 लाख दिये गये हैं।

दुमका वासियों को बंदरजोरी जैव-विविधता पार्क की मिली सौगात

मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा– पार्क की स्वच्छता और खूबसूरती को बनाये रखने में करें सहयोग

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को दुमका वासियों को बंदरजोरी जैव-विविधता पार्क की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने लोगों से कहा कि यह पार्क आपका है। आप सपरिवार यहां नियमित रूप से आते रहें और पूरा मनोरंजन और आनंद लें लेकिन, स्वच्छता के साथ इसकी खूबसूरती बनी रहे, इसमें पूरा सहयोग करें। आपके सहयोग से ही पार्क का रख-रखाव बेहतर तरीके से संभव हो पायेगा। उन्होंने कहा कि पार्क में जल्द कई और सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेगी। मुख्यमंत्री ने पार्क में बच्चों के साथ सेल्फी भी ली। इस मौके पर कृषि मंत्री बादल, सांसद विजय हांसदा, विधायक नलिन सोरेन, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे और उपायुक्त तथा पुलिस अधीक्षक समेत जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे।

रांची जिला कांग्रेस ओबीसी विभाग ने कमिटी का किया विस्तार

रांची। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर एवं प्रदेश कांग्रेस ओबीसी अध्यक्ष अभिलाष साहु की मौजूदगी में सोमवार को कांग्रेस भवन में रांची जिला ग्रामीण ओबीसी विभाग अध्यक्ष प्रदीप साहू ने जिला कमिटी की घोषणा की। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव राकेश सिन्हा, राजेश चन्द्र राजू, राजेश वर्मा उपस्थित थे। रांची जिला ग्रामीण ओबीसी विभाग अध्यक्ष प्रदीप साहु ने बताया कि जिला कमिटी में उपाध्यक्ष-5, महासचिव-1, सचिव-4 एवं लापूंग, नगड़ी, नामकुम तथा तमाड़ प्रखंड कांग्रेस कमिटी ओबीसी का अध्यक्ष बनाया गया है। कमिटी में उपाध्यक्ष- सुनिल कुमार, अफरोज खान, मो मिराज शेख, पवन राम साहु, गणेश कुमार, महासचिव- रामस्वरूप कुमार, सचिव- विशाल कुमार साहु, तालेश्वर साहु, रामनाथ महतो, इरफान अहमद एवं लापूंग प्रखंड- रामकिशन साहु, नगड़ी- दीलिप महतो, नामकुम- अमृत महतो तथा तमाड़ प्रखंड अध्यक्ष- गौतम कुमार गंझू को बनाया गया है।

अपनी ही सरकार को दलालों से घिरा हुआ बता रहे झामुमो विधायक : प्रतुल शाहदेव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि विपक्ष के बाद अब तो सत्ताधारी दल के विधायक भी उनकी सरकार को भ्रष्ट और दलालों से घिरा हुआ बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो के विधायक लोबिन हेंब्रम ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर युवाओं के सपनों को तोड़ने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि स्थानीयता के नाम पर उन्होंने अर्जुन मुंडा की सरकार से समर्थन वापस लिया था लेकिन 4 वर्ष तक झुनझुना बजाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोबिन हेंब्रम का यह कहना बिल्कुल जायज है कि यह सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है। इससे पहले भी झामुमो की वरिष्ठ विधायिका सीता

सोरेन अपनी सरकार के कार्यकाल में ही संथाल परगना में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में अवैध खनन के रैकेट चलाने का आरोप लगा चुकी है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, जनता के साथ-साथ अब सत्ताधारी दल के विधायकों को भी पता चल रहा है कि इस भ्रष्ट और निक्कमी सरकार का जाना तय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और पूरा झामुमो का लोबिन हेंब्रम के आरोपों पर मौन धारण कर लेना सारी सच्चाई बयां कर रहा है।

मेडिकल हेल्थ बीमा के लिए कर्मियों के साथ आज होगी सरकार की बैठक

रांची। राज्य के कर्मचारियों को मेडिकल हेल्थ बीमा लागू करने के लिए सरकार ने कर्मचारियों के साथ 31 अक्टूबर को बैठक बुलायी है। बैठक नेपाल हाउस सभागार में दोपहर बाद 3.30 बजे से होगी। इसमें मेडिकल बीमा योजना के तहत चिकित्सा पैकेज तैयार करने को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ इस बैठक में स्वास्थ्य बीमा योजना राज्य कर्मियों के हित में लागू करने की मांग करेगा। बैठक में भाग लेने के लिए विभाग के उप सचिव ध्रुव कुमार ने महासंघ को आमंत्रित किया है। बैठक में देव नारायण मुंडा, कुमार साह, कौशल प्रसाद सिन्हा, मुक्तेश्वर लाल, गणेश प्रसाद सिंह, संरक्षक, रंजीत सिन्हा, बिनोद कुमार, अनिल आदि शामिल होंगे।

ग्रामीण विकास विभाग ने सड़कों की मरम्मत के लिए मांगा प्रस्ताव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। ग्रामीण कार्य विभाग ने मुख्यमंत्री ग्राम्य सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के तहत राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में दस वर्ष पूर्व निर्मित वैसी सड़कों का चयन का निर्देश दिया है, जिसका मरम्मत किया जाना अति आवश्यक है। विभाग ने प्राथमिकता के तौर पर इन सड़कों का चयन मरम्मत के लिए करने का निर्देश सभी कार्य प्रमंडलों को दिया है। इन सड़कों के बन जाने के बाद विभाग 9 साल से लेकर 5 साल पूर्व पूर्व निर्मित सड़कों के मेंटेनेंस का काम करेगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष के अंत तक यानी 31 मार्च तक करीब 1200 करोड़ रुपये सिर्फ मरम्मत के कार्य में खर्च किए

जाना है, जिसके अंतर्गत अब तक एक हजार किमी रोड निर्माण का लक्ष्य रख कर स्वीकृति देने का काम किया गया है।

विभाग ने विशेष रूप से प्रखंड मुख्यालय, थाना, सामुदायिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, रेलवे स्टेशन, बस डिपो, कॉलेज, हाट बाजार, मध्य विद्यालय, बैंक-पोस्ट ऑफिस इत्यादि से जुड़ी सड़कों को ठीक करने को प्राथमिकता से लिया है।

बता दें कि लंबे समय से इन सड़कों की मरम्मत नहीं होने की वजह से सड़कें खराब हो गयी थीं, अब इन्हें ठीक किया जा रहा है।

सीएमपीडीआई में सीएमडी ने सतर्कता जागरूकता पर दिलायी शपथ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार सेंट्रल माइनप्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीच्यूट लिमिटेड में 30 अक्टूबर से 5 नवंबर, 2023 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का विषय भ्रष्टाचार का विरोध करें-राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें। इस अवसर पर सोमवार को आयोजित उद्घाटन-सह-शपथ ग्रहण समारोह में सीएमपीडीआई के सीएमडी मनोज कुमार ने मुख्यालय तथा क्षेत्रीय संस्थान-3 के सभी उपस्थित महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष गण सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्य निष्ठा की शपथ दिलायी। इसके अलावा लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म जयंती के अवसर पर संस्थान के सीएमडी मनोज कुमार, निदेशक शंकर नागाचारी, निदेशक अजय कुमार, निदेशक सतीश झा, निदेशक अच्युत घटक, मुख्य सतर्कता अधिकारी सुमित कुमार सिन्हा, महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

मौके पर सीएमपीडीआई के मुख्य सतर्कता अधिकारी सुमित कुमार सिन्हा ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2023 के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त संस्थान के कोयल हॉल में भ्रष्टाचार उन्मूलन में युवाओं की भूमिका विषय पर मुख्यालय, रांची तथा क्षेत्रीय संस्थान-3, रांची के अधिकारी वर्ग के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

दुर्गापूजा के बाद पुनः शुरू हुई कांग्रेस कोटे के मंत्रियों की जन-सुनवाई

मंत्री आलमगीर ने समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। दुर्गापूजा के बाद एकबार फिर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में कांग्रेस कोटे के सभी मंत्रियों की जन-सुनवाई कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इसी कड़ी में सोमवार को कांग्रेस भवन में मंत्री आलमगीर आलम की जनसुनवाई में दो दर्जन से अधिक जन शिकायतें सुनी गयीं। इस जनसुनवाई में अधिकांश मामले भूमि संबंधी थे। मंत्री ने सुनवाई के बाद उसके निराकरण हेतु अधिनस्थ पदाधिकारियों को दूरभाष के माध्यम से निराकरण करने का निर्देश दिया। साथ ही फरियादियों के आवेदनों पर संज्ञान लेते हुए विशेष टिप्पणी के साथ त्वरित लिखित रूप से भी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देने का कार्य किया।

दिव्यांग ने सरकारी मदद की लगायी गुहार

मंत्री आलमगीर आलम की जनसुनवाई में ओरमांझी से दिव्यांग गुलशन भी अपनी शिकायत लेकर पहुंचीं। उन्होंने कहा कि वह दिव्यांग और गरीब हैं, लेकिन उन्हें सरकार की ओर से कोई सुविधा नहीं मिलती है। ऐसे में मंत्री को उनकी मदद करनी चाहिए।

प्रत्येक सोमवार को होती है जनसुनवाई

बता दें कि कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर हर सोमवार को कांग्रेस कोटे के मंत्री जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनते हैं और उनका तुरंत समाधान करने का प्रयास करते हैं। 28 अगस्त 2023 से जनसुनवाई चल रही है। अब बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचने लगे हैं।

इन जिलों से पहुंचे फरियादी : जन-सुनवाई कार्यक्रम में रांची, हजारीबाग, लातेहार, गुमला, गिरिडीह गोड्डा, रामगढ़ जिला के विभिन्न प्रखंडों से लोग जनसुनवाई में अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। जनसमस्या में सड़क निर्माण, भूमि मामले, हैण्ड पम्प, भूमि अधिग्रहण मुआवजा, व्हील चेयर, प्रधानमंत्री आवास योजना, ट्रांस्फारमर लगाने, नाली निर्माण, विधवा को भीम राव अंबेड़कर आवास आवंटन करने, पारिवारिक फैसले के संबंध में घर एवं जमीन, छात्रावास निर्माण, जल मिनार मरम्मत के संदर्भ मंत्री को एक मांग पत्र सौंपा। प्रदेश कांग्रेस महासचिव राकेश सिन्हा ने बताया कि लोगों के आवेदन पर मंत्री ने त्वरित कार्रवाई कर अधीनस्थ विभाग के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिया और समस्याओं के निष्पादन का निर्देश दिया।

सीसीएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह शुरू, दिलायी गयी शपथ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 के अंतर्गत सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस, रांची से जवाहर नगर कॉलोनी, कांके रोड तक सतर्कता जागरूकता मार्च का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीसीएल के सीएमडी डॉ. बी.वीरा रेड्डी, निदेशक तकनीकी राम बाबू प्रसाद, निदेशक हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक तकनीकी बी. साई राम, मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार सहित बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मियों ने भ्रष्टाचार का विरोध करें, राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें के संदेश को प्रदर्शित करते हुए इस जागरूकता मार्च में भाग लिया। सतर्कता मार्च में स्कूली छात्रों ने भी बैंड के साथ भाग लिया। इससे पूर्व सीसीएल के सीएमडी डॉ बी वीरा रेड्डी ने निदेशकगण एवं कर्मियों को मुख्यालय प्रागंण में सत्य-निष्ठा की शपथ दिलायी। उन्होंने कर्मियों को कार्यक्षेत्र में ईमानदारी तथा नियमों का पालन, पारदर्शिता के साथ जनहित में कार्य करने की प्रतिज्ञा दिलायी। इस अवसर पर डॉ. रेड्डी ने कहा कि हमारे देश की आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है। इसके उन्मूलन हेतु हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। कार्यक्रम में स्वागत संबोधन सीवीओ पंकज कुमार ने जीवन में सत्यनिष्ठा तथा ईमानदारी को अपनाने की बात कही। उन्होंने भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण हेतु सबको प्रेरित किया।

सुप्रभात
रांची, मंगलवार
31.10.2023
नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net कार्तिक, कृष्ण पक्ष, तृतीया संवत 2080 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 109 06

एकता की मिसाल, वल्लभ भाई बेमिसाल

न्यूज डायरी

आज ओड़िशा के राज्यपाल पद की शपथ लेंगे रघुवर

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास सोमवार को ओड़िशा पहुंचे। पुरी में जगन्नाथ स्वामी का दर्शन और पूजन किया। उन्होंने महाप्रभु से सभी के कल्याण की कामना की। वह मंगलवार को राज्यपाल पद की शपथ लेंगे। राजभवन में मुख्य न्यायाधीश उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलायेंगे।

कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश में आतंकी ढेर

कुपवाड़ा। जम्मू कश्मीर के माछिल सेक्टर में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी को मौत के घाट भी उतार दिया है। रविवार को उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की एक और कोशिश को नाकाम कर दिया था। जिसके बाद आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी।

पत्नी ने पति को पत्थर से कूच-कूचकर मार डाला

लोहरदगा। कैरो थाना क्षेत्र के खरता में रविवार की रात एक महिला ने अपने पति को पत्थर से कूचकर मार डाला। मृतक के भाई गुंजन उरांव के फर्द बयान के अनुसार खरता के प्रदीप उरांव (34) ने तीन विवाह किया था। दूसरी पत्नी ने पति की बेरहमी से पत्थर से कूच-कूचकर हत्या कर दी और मौके से भाग निकली।

पलामू : दो घंटे में 5000 ऑफर लेटर देंगे सीएम

पलामू। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यक्रम को लेकर मेदिनीनगर शहर के पुलिस लाइन स्टेडियम में तैयारी जोर शोर से चल रही है। उपायुक्त शशि रंजन, एसपी रीष्मा रमेशन, डीडीसी रवि आनंद, एसडीएम अनुराग तिवारी ने सोमवार को कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। मुख्यमंत्री 31 अक्टूबर को पलामू में बेरोजगार युवक-युवतियों को ऑफर लेटर देंगे। प्रमंडल के कौशल विकास के तहत पांच हजार से अधिक युवाओं को ऑफर लेटर सौपेंगे।

सड़क दुर्घटना में डीसी के बॉडीगार्ड की मौत

लोहरदगा। सदर थाना क्षेत्र के पावरगंज चौक के समीप हुई सड़क दुर्घटना में डीसी के बॉडीगार्ड हवलदार मरियानुश किंडो की मौत हो गयी। सोमवार सुबह करीब सात बजे वे ड्यूटी पर जा रहे थे, इसी क्रम में अनियंत्रित स्कूली बस की चपेट में आने से हवलदार की मौके पर ही मौत हो गयी। 2004 बैच के हवलदार मरियानुश अपनी बुलेट बाइक से ड्यूटी जा रहे थे।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	58,000 रु./10 ग्राम
चांदी	:	75,000 रु./प्रति किलो

तीसरी आंख

फरियादी ने मंत्री से कहा, हुजूर हम जिंदा हैं...

कागज में बेऔलाद बता कर हमें मार डाला गया है

- रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड के उचरिंगा गांव के हैं प्रेम नाथ सिंह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कांग्रेस भवन में सोमवार को मंत्री आलमगीर आलम की जनसुनवाई में दो दर्जन से अधिक जन अपनी-अपनी शिकायतें ले कर पहुंचे। मंत्री के सामने पतरातू से एक दिलचस्प मामला आया, जो चर्चा का केंद्र बन गया। दरअसल, रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड के उचरिंगा गांव के लोकनाथ सिंह अपने पुत्र प्रेम नाथ सिंह अपना मामला ले कर पहुंचे। फरियादी ने मंत्री से कहा- हुजूर हमलोग जिंदा है। हमारी जमीन हड़पने के लिए कुछ भू-माफिया ने सरकारी दस्तावेजों में हमें न सिर्फ मृत घोषित कर दिया है, बल्कि हमें निःसंतान भी बता दिया गया है। इसे सुन कर ग्रामीण विकास मंत्री भी सकते में आ गये। उन्होंने पूरे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है।

जिंदा होने की गुहार लगाते थक चुके हैं : न्याय के लिए दर-दर भटक रहे लोकनाथ सिंह ने कहा कि वे अब तक कई जगहों पर वे अपने जिंदा होने की गुहार लगा चुके हैं, लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिला। परिवार के अन्य सदस्यों को भी भू-माफियाओं ने मृत घोषित कर दिया है। लोकनाथ सिंह के बेटे ने बताया कि उनके पिता को निःसंतान और मृत घोषित कर कुछ जमीन बेच दी गयी है। जब उन्होंने इसकी शिकायत अंचल अधिकारी से की तो कोई कार्रवाई नहीं हुई और बेची गयी जमीन का दाखिल-खारिज भी कर दिया गया। लोकनाथ सिंह ने कहा कि जमीन हड़पने के लिए भू-माफियाओं और सीआई-सीओ ने वंशावली में उन्हें मृत और निःसंतान बताया है।

मुख्यमंत्री ने झारखंड का सबसे लंबा पुल जनता को सौंपा, कहा

राज्य में कृषि, पर्यटन, शिक्षा व व्यापार को मिलेगी मजबूती

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा है कि कुमड़ाबाद में मयूराक्षी नदी पर नवनिर्मित राज्य के सबसे लंबे (2.34 किमी) पुल जनता को समर्पित किया। इसके उद्घाटन से बहुआयामी विकास का रास्ता खुलेगा। यह कृषि, पर्यटन, शिक्षा और व्यापार को मजबूती मिलेगी। रोजगार सृजन के साथ क्षेत्र के समग्र विकास में यह निर्माण सहायक होगा। सड़क और पुल विकास की अहम कड़ी होती है। कनेक्टिविटी जितनी बेहतर होगी, उतना ही फायदा होता है। इलाके का सामाजिक, आर्थिक उत्थान होगा और पर्यटन के लिहाज से मील का पत्थर साबित होगा। आवागमन सुलभ और आसान होगा ही, कई गांव का दुमका जिला मुख्यालय से सीधा संपर्क होगा। सीएम ने कहा कि लोगों को उनका हक और अधिकार पूरे मान-सम्मान के साथ देने को सरकार संकल्पित है। समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों को सभी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। (शेष पेज 11 पर)

- पुल से बहुआयामी विकास का खुलेगा रास्ता
- समाज के अंतिम लोगों का उत्थान हमारी प्राथमिकता
- योजनाओं से लोगों को जोड़ने का हो रहा काम

गुरुजी के नाम पर होगा पुल का नामकरण

सीएम ने इस बात पर खुशी जतायी कि यहां की जनता मयूराक्षी नदी पर नवनिर्मित पुल का नामकरण दिशोम गुरु शिबू सोरेन सेतु करने की पक्षधर है। जनमानस की भावनाओं को देखते हुए पुल का नामकरण करने की सरकारी प्रक्रिया जल्द पूरी होगी। इस अवसर पर कृषि मंत्री बादल, सांसद विजय हांसदा, विधायक नलिन सोरेन और सीता सोरेन, जिला परिषद अध्यक्षा जॉयस बेसरा, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, पथ निर्माण सचिव सुनील कुमार, प्रमंडलीय आयुक्त लालचंद दादेल, पुलिस उपमहानिरीक्षक सुदर्शन प्रसाद मंडल और जिले के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक समेत जिला प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद थे।

झारखंड का सबसे लंबा पुल :

नदी का नाम-मयूराक्षी, लागत-198.11 करोड़, पुल की कुल लंबाई-2340 मीटर, एप्रोच सहित लंबाई-2800 मीटर, चौड़ाई-45 स्पैन में 16 मीटर व 7 स्पैन में 30 मीटर, स्पैन की संख्या- 52, पियर्स की संख्या- 51, कार्य आरंभ-12.02.2018, कार्य समाप्ति-31.03.2023, बनवाने वाला विभाग-स्टेट हाइवे ऑथोरिटी ऑफ झारखंड।

जमीन व शराब से जुड़े मामले में 24 ठिकानों पर छापामारी

देवघर और गोड्डा में कई दिग्गजों के ठिकानों पर आइटी की रेड

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। शराब कारोबारी योगेंद्र प्रताप से जुड़ी कड़ी के आधार पर देवघर और गोड्डा में 24 ठिकानों पर छापेमारी की गयी। छापेमारी में इनकम टैक्स पटना और धनबाद की टीम शामिल थी। सोमवार अहले सुबह ही टीम देवघर और गोड्डा के दर्जनों ठिकानों पर एक साथ पहुंची और ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की।

सभी के संपत्तियों का आकलन किया जा रहा है। टीम के अधिकारी बैंक एकाउंट से लेकर जमीनों का आकलन कर रही है। मामला चारु शीला ट्रस्ट और फलेरिया कोठी की जमीन के साथ-साथ शराब कारोबार से जुड़ा है। झामुमो नेता नंदकिशोर दास, देवघर के पूर्व मेयर बबलू खवाड़े के यहां भी छापेमारी की गयी। इन सभी का कनेक्शन चर्चित शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी से भी बताया गया है। गोड्डा के बड़े शराब व्यवसायी मुकेश बजाज के घर पर भी छापेमारी की गयी।

आइटी को कई साक्ष्य मिले : जमीन और शराब कारोबार से जुड़े लोगों के ठिकानों देवघर और गोड्डा में आइटी के अधिकारी सोमवार को तड़के एक साथ अहले सुबह ही पहुंच गये। धनबाद और पटना इनकम टैक्स टीम के नेतृत्व में छापेमारी शुरू हुई। इनकम टैक्स अधिकारियों को जमीन बिक्री में सरकार को स्टांप ड्यूटी में कम रकम दर्शाते हुए अधिक पैसे कमाने का मामला पता चला है। सिलेबल जमीन के साथ-साथ नॉन सिलेबल जमीन खरीदारी में भी अधिक संपत्ति अर्जित करने को लेकर छापेमारी चल रही है।

कौन-कौन आये रडार पर

देवघर निगम के पूर्व मेयर राजनारायण खवाड़े उर्फ बबलू खवाड़े, उनके सहयोगी उमाशंकर सिंह, रियल एस्टेट कारोबार संजय मालवीय, बबलू खवाड़े के होटल, संजय मालवीय का होटल अंजुला मेंशन, देवघर में जमीन कारोबारी बृजेश राय के जसीडीह स्थित तीन ठिकाने सियाराम हॉस्पिटल, संत फ्रांसिस हॉस्पिटल वाली गली स्थित बृजेश राय के आवास और उसके सिमरिया स्थित आवास, गोड्डा के कांट्रैक्टर मुकेश बजाज, झामुमो नेता नंदकिशोर दास के यहां छापेमारी हुई। इसके अलावा कोलकाता में बालानन्द आश्रम से जुड़े 10 ठिकानों के अलावा बालानंद ट्रस्ट के दुगार्पुर स्थित कैंसर हॉस्पिटल में भी एक साथ छापेमारी हुई। कोलकाता के सीए माखन सतनालीवाला के महेश मिश्रा के आवास बंपास टाउन में भी रेड किया गया। जहां-जहां रेड चल रही है, उन जगहों के ऑनर को नोटिस थमा कर पूछताछ की गयी। संजय आनंद झा, देवघर में सुरेशानंद झा का आवास, रामपुर स्थित विनोद वर्मा के ठिकाने, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को जमीन बिक्री में सरकार को स्टांप ड्यूटी में कम रकम दर्शाते हुए अधिक पैसे कमाने का मामला पता चला है। बुल्ली ठाकुर के झा एंड ठाकुर पेट्रोल पंप पर भी छापेमारी की गयी।

भारत ने लगायी जीत की हैट्रिक, चीन को 2-1 से हराया

प्लेयर ऑफ द मैच सलीमा और दीपिका ने दागे गोल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड विमेंस एशिया चैंपियंस ट्रॉफी के तीसरे दिन भारतीय टीम ने लगातार तीसरी जीत दर्ज किया। सोमवार को भारत और चीन के बीच हॉकी का दमदार मुकाबला देखने को मिला। शुरू से ही भारतीय टीम चीन पर हावी रही। प्लेयर ऑफ द मैच मैच झारखंड की सलीमा टेटे को दिया गया। सलीमा और दीपिका ने एक-एक गोल दागे। भारत ने चीन को 2-1 गोल से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इसके साथ ही भारत ने चीन में खेले गये एशियन गेम्स में चीन से मिली हार बदला भी चुका लिया।

हार को देखते हुए चीन की टीम ने आखिरी समय में बिना गोलकीपर के ही मैच खेली, लेकिन टीम जीत नहीं सकी। शुरुआत से ही टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने जोरदार आक्रमण कर चीन की दीवार को तोड़ने का काम किया। पहले क्वार्टर के 15वें मिनट में दीपिका ने गोलकर भारत को एक गोल की बढ़त दिलायी। 26वें मिनट में झारखंड की सलीमा टेटे ने शानदार गोलकर टीम इंडिया की बढ़त 2-0 कर दी।

अंक तालिका में भारत टाप पर

अंकतालिका में भारत टॉप पर है। जापान भी नौ अंक लेकर दूसरे नंबर पर है। कोरिया तीसरे और चीन चौथे नंबर पर है। मलेशिया पांचवें और थाईलैंड छठे नंबर पर है।

चैंपियंस ट्रॉफी : हाथियों की कुल माता को बनाया गया शुभंकर

बेतला की हथिनी जूही बनी इंटरनेशनल आईकॉन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड में हॉकी और हाथियों का क्रेज किसी से छिपा नहीं है। इसी को देख झारखंड में विमेंस एशियन चैंपियंस ट्राफी का शुभंकर राज्य में हाथियों की कुल माता को बनाया है। पलामू के बेतला नेशनल पार्क की इस हथिनी का नाम जूही है। जूही को 1981 में खरीदा गया था, आज जूही 68 साल की है। शुभंकर बनते ही जूही अब इंटरनेशनल फेम बन गयी है। पश्चिम बंगाल के पूर्व सीएम ज्योति बसु, बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव, पूर्व राज्यपाल एआर किदवई जूही की सवारी कर चुके हैं। जूही को शुभंकर बनाने से पलामू टाइगर रिजर्व के बेतला नेशनल पार्क क्षेत्र में काफी उत्साह है। इसे देखने बड़ी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं।

आकर्षण का केंद्र बनी जूही : जूही को पलामू, गढ़वा, लातेहार, गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा और आसपास के हॉकी खिलाड़ियों को दिखाया जा रहा है। जूही को देखने के लिए बड़ी संख्या में हॉकी खिलाड़ी भी पहुंच रहे हैं। सेल्फी लेकर शेयर किया जा रहा है। जूही के महावत इमामुद्दीन पलामू के चैनपुर के रहने वाले हैं जबकि अब्दुल जोहा बरवाडीह के बेतला के रहने वाले हैं। 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने हाथियों के व्यावसायिक इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। उससे पहले सुबह छह से आठ बजे तक पर्यटकों को हाथी पर घुमाया जाता था। पलामू टाइगर रिजर्व के अधिकारियों का कहना है कि जूही का स्वभाव शुरू से ही शांत रहा है। किसी भी हिंसक जंगली जीव के सामने आने पर वह अपनी सूंड हिलाकर उसकी उपलब्धता की जानकारी देती है। जूही बेतला नेशनल पार्क की सबसे उम्र दराज हथिनी है। पलामू टाइगर रिजर्व नॉर्थ जोन के डिप्टी डायरेक्टर प्रजेश जेना ने बताया कि हथिनी जूही का क्रेज इन दिनों काफी बढ़ गया है। सीएम हेमंत सोरेन ने 13 अक्टूबर को चैंपियंस ट्रॉफी के शुभंकर का अनावरण किया था।

केजरीवाल से दो को पूछताछ करेगा इडी, भेजा नोटिस

दिल्ली शराब घोटाला

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की नयी शराब नीति मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (इडी)ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को नोटिस भेजा है। सोमवार को जारी नोटिस में इडी ने अरविंद केजरीवाल को 2 नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है। इससे पहले नयी शराब नीति मामले में सीबीआइ भी अप्रैल महीने में पूछताछ के लिए उन्हें बुला चुकी है।

सिसोदिया रिव्यू पिटीशन दायर करेंगे

दिल्ली के कथित आबकारी नीति घोटाले में आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगने के बाद अब पार्टी आगे की तैयारियों में जुटी है। खबरों के अनुसार सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज होने के बाद अब आप सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन फाइल करने की तैयारी में है। पार्टी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पार्टी सूत्र ने कहा- पार्टी उच्चतम न्यायालय के इस आदेश के खिलाफ समीक्षा याचिका दायर करने की योजना बना रही है।

एचइसी कर्मचारी बायोमैट्रिक्स पंचिंग की बाध्यता से हुए मुक्त

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी के धुर्वा स्थित एचईसी में अव्यवस्था जगजाहिर है। पिछले 20 महीने से वेतन नहीं मिलने की वजह से कर्मियों की माली हालत तो खराब हो गई है। अब एचईसी प्रबंधन के द्वारा बनाए गए पंचिंग बाध्यता नियमों की वजह से भी कर्मचारी परेशान हो रहे हैं। इन नियमों का कर्मचारी विरोध कर रहे हैं। कर्मचारियों के विरोध को देखते हुए प्रबंधन ने बायोमैट्रिक्स पंचिंग की बाध्यता से हुए मुक्त कर दिया हैं।

कर्मियों की समास्या

मालूम हो किएचईसी की माली हालत खराब होने की वजह से एचईसी अपने कर्मचारियों को कैंटीन की सुविधा नहीं दे पा रहा है। ऐसे में कर्मचारियों के लिए सबसे बड़ी परेशानी यह बन रही है कि पंचिंग के बाद भी कार्यालय से नहीं निकल सकते हैं। अब कर्मचारियों को चाय नाश्ता करने के लिए बाहर निकालना पड़ता है तो उन्हें पंच करना ही होगा। जब कैंटीन की सुविधा हुआ करती थी तो परिसर के अंदर में ही कर्मचारी चाय नाश्ता कर लेते थे। जिससे उन्हें बार-बार पंच करने की आवश्यकता नहीं पड़ती थी। कर्मचारी सिर्फ एंट्री और एग्जिट के समय ही पंचिंग करते थे और उनकी पूरी हाजिरी बन जाती थी। अब कर्मचारियों को चाय नाश्ता करने के लिए भी बाहर निकालना पड़ता है, जिसके लिए उन्हें पंच करना होत है। जो कर्मचारी दूर रहते हैं वह लंच टाइम में पंचिंग के समय पर वापस नहीं लौट पाते हैं। इसलिए बायोमैट्रिक्स पंचिंग की बाध्यता को समाप्त करने के लिए एचईसी के कर्मचारियों ने मांग की है। उनका कहना है कि जब तक कर्मचारियों के बकाये वेतन का भुगतान किया जाता तब तक पंचिंग की व्यवस्था को समाप्त कर दिया जाए। जिसके बाद प्रबंधन ने एचईसी के कर्मचारियों की मांग को मानते हुए पंचिंग की बाध्यता को समाप्त कर दिया है। इससे कर्मचारियों ने राहत की सांस ली है।

पत्रकार एएच रिजवी के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

रांची। अविभाजित बिहार के दौरान नब्बे की दशक में उर्दू पत्रकारिता में अहम किरदार निभाने और गंगा जमुनी तहजीब को बरकरार रखने वाले कौमी तंजीम अखबार के स्थानीय संपादक अमीर हुसैन रिजवी (73) का निधन बिते 28 अक्टूबर 2023को हो गया था। जिसकी मिप्ती मंजिल डोरंडा कब्रिस्तान में संपन्न हुआ। जिनकी याद में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन झारखण्ड श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के द्वारा भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के कार्यलय में आयोजित किया गया।

इस मौके पर अमीर हुसैन रिजवी की तस्वीर पर माल्यार्पण, पुष्प अर्पित कर एक मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान श्रमजीवी पत्रकार युनियन के उपाध्यक्ष परवेज कुरैशी ने वरिष्ठ पत्रकार मरहूम अमीर हुसैन रिजवी के जीवन पर संक्षिप्त प्रकाश डालें। श्रद्धांजलि सभा में श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष सुरेंद्र सोरेन, महासचिव सुनील सिंह, उपाध्यक्ष परवेज कुरैशी, संजीत, रेहान, अल्ताफ, प्रदीप, झामुमो नेता जितेंद्र, योगेंद्र, श्यामल, अजहर कासमी, मनोज, अनिरुद्ध, अजय सिंह, इम्तेयाज सहित कई मौजूद थे।

खबर एक नजर में

सर्वधर्म सद्भावना समिति ने प्रशासन का जताया आभार

रांची। सर्वधर्म सदभावना समिति के तत्वावधान में सर्वधर्म सदभावना समिति के अध्यक्ष मो. इसलाम के नेतृत्व में सोमवार को समिति का एक प्रतिनिधिमण्डल उप महानिरीक्षक अनूप बिरथरे से मिला एवं दुर्गा पूजा सहित विभिन्न धार्मिक त्योहारों के आपसी सौहार्द के साथ सफलता पूर्वक सम्पन्न होने पर आभार व्यक्त करते हुए उन्हें चुनरी भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर पुलिस उप महानिरीक्षक ने सर्वधर्म सदभावना समिति की पूरी टीम को बधाई दी एवं कहा कि आपसी सौहार्द का चमन है और यहां अनेकता में एकता हर पर्व त्योहारों में देखने को मिलता है साथ ही साथ साम्प्रदायिक सौहार्द की जड़ यहां बहुत मजबूत है। आने वाले दिनों में इसे और भी मजबूत करना होगा। सर्वधर्म सदभावना समिति के अध्यक्ष मो. इसलाम ने कहा कि छठ के बाद सर्वधर्म सदभावना समिति की ओर से भव्य सम्मान समारोह का आयोजन कर जिला प्रशासन सहित पुलिस प्रशासन के प्रमुख लोगों के साथ साथ सर्वधर्म सदभावना समिति के वैसे तमाम लोग जिनकी सदभावना कायम रखने में अहम भूमिका रही है उन्हें सम्मानित किया जाएगा। प्रतिनिधिमण्डल में मुख्य रूप से मो. इसलाम, फिरोज अंसारी, परवेज आलम, सुहैल खान, शमीम कुरैशी, मो. नौशाद सोनू, मौलाना आजाद कॉलेज के मो. परवेज, मो. शहनवाज, मो. इश्तेयाक शामिल थे।

किसी भी धार्मिक आयोजनो में नगर निगम की उपयोगिता सबसे अधिक : आलोक दूबे

रांची। रांची महानगर काली पूजा समिति का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे एवं अध्यक्ष विनय कुमार सिंह के नेतृत्व में रांची नगर आयुक्त अमित कुमार से मुलाकात की। इस दौरान उनसें काली पूजा आयोजन में सहयोग करने का अनुरोध किया। महानगर काली पूजा समिति के चुनाव के बाद एक औपचारिक मुलाकात में समिति के पदाधिकारियों ने नगर आयुक्त को गुलदस्ता एवं चुनरी भेंट कर दुर्गा पूजा के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया एवं काली पूजा एवं छठ पूजा के आयोजन में प्रशासन की ओर से सहयोग करने का अनुरोध भी किया। आलोक दूबे ने कहा कि दुर्गा पूजा के साथ-साथ काली पूजा भी बड़े धूमधाम से राजधानी में मनाए जाते हैं। लाखों श्रद्धालु इस मौके पर मां काली के दर्शन के लिए पंडालों में निकलते हैं। ग्रामीण इलाकों से भी महिलाएं, बच्चे काली पूजा देखने आते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शौचालय,पानी,साफ सफाई,लाइट एवं गड्ढों को मोरम से भरने का भी प्रयास होना चाहिए। मां काली के विसर्जन के तुरंत ही छठ घाटों की सफाई पर भी नगर निगम को ध्यान देना जरुरी है। प्रतिनिधिमंडल में बबलू बर्मा, अनिकेत कुमार, संजय प्रसाद, करण सिंह, आशीष रजक, मोहित रजक, अर्जुन सिंह, रोहन सिंह, हर्ष सिंह, यश वर्मा, सौरव रजक, आकाश रजक शामिल थे।

मोदी गोल्ड द्वारा रांची में दो दिवसीय सोने और हीरे की गहनों के प्रदर्शनी लगाई गई

रांची। 30 अक्टूबर को होटल कैपिटल हील, रांची में ममता मोदी एवं फ्यूजन फैयर द्वारा मोदी गोल्ड सोने और हीरे की गहनों की विशिष्ट प्रदर्शनी प्रस्तुत की गई। दो दिवसीय प्रदर्शनी में मोदी गोल्ड से आशा जी ने बताई कि कल 31 अक्टूबर को समाप्त हो जायेगी।

क्या है खासियत

मोदी गोल्ड जो ज्वेलरी बनाती है वैसा ज्वेलरी और डिजाइन और कही देखने को नहीं मिलेगी। स्टोन रंग बिरंगे होते है, इसकी यूएसपी ही इसकी खासियत है। इस प्रदर्शनी में सोना, पोलकी, हीरा एवं कीमती बहुमूल्य रत्नों के समागम से बहुत ही खुबसुरती के साथ बनाया जाता है। मोदी गोल्ड इन्हीं गहनों की एक प्रदर्शनी है जिसे सामान्यतः पुरानी तस्वीरों एवं एवं किताबों में ही देखने को मिलती है। बाजार में उपलब्ध अधिकांश ज्वेलरी एक ही डिजाइन के बार बार रूपांतरित कर बनाया जाता है किन्तु ' मोदी गोल्ड ' में विभिन्न प्राचीन सभ्यताओं में मिलने वाले डिजाइन को ध्यान में रखकर बनाया गया है। ट्रेडिशनल डिजाइन ही इसकी खासियत है।

मैं भारत हूं, फाउंडेशन का झारखंड में शीघ्र होगा गठन : विजय जैन

रांची। माहेश्वरी भवन के कार्यालय मे सोमवार को सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला सभा एवं माहेश्वरी युवा संगठन के पदाधिकारियों ने मैं भारत हूं फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार जैन, राष्ट्रीय महामंत्री शोभा सादानी एवं कोषाध्यक्ष निशा को पुष्प गुच्छ, श्रीफल देकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार जैन ने कहा कि फाउंडेशन का लगातार प्रयास रहा है, कि हमारे देश का नाम एक ही रहे भारत, तथा भारत को केवल भारत ही बोला जाना चाहिए, इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए देश के सभी राज्यों में लोगों से संपर्क कर कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। कई राज्यों में मैं भारत हूं फाउंडेशन का गठन भी कर लिया गया है तथा झारखंड में भी फाउंडेशन का शीघ्र ही गठन किया जाएगा। कार्यक्रम मे माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष किशन साबू, सचिव नरेंद्र लखोटिया, किशोर मंत्री, शिव शंकर साबू, मुकेश काबरा, महावीर सोमानी, गोवर्धन भाला, श्याम बियानी, रमन बोढा, वासुदेव भल्ला, पदम चंद्र जैन, संजय सर्राफ, परेश गठानी, दीपक मारू व अन्य मौजूद थें।

इंटर कॉलेज वॉलीबॉल प्रतियोगिता में सेंट जेवियर्स बना विजेता

रांची। इंटर कॉलेज वॉलीबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला सोमवार को सेंट जेवियर्य कॉलेज मैदान में हुआ। फाइनल मैच सेंट जेवियर्स कॉलेज बनाम गोस्सनर कॉलेज के बीच खेला गया। सेंट जेवियर्स कॉलेज ने यह मैच 3-0 (25-17, 25-20, 25-13) से जीत लिया। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी शशि कुमार (एसएक्ससी, रांची) और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अनिकेत टोप्पो, (एसएक्ससी रांची) थे।

फाइनल मैच के मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के कुलपति अजीत कुमार सिन्हा थे ने खिलाड़ीयों को सम्मानित किया। इस मौके पर सम्मानित अतिथि दयानंद कुमार, इंस्पेक्टर, लोअर बाजार थाना डॉ. फादर. नबोर लकड़ा प्रिंसिपल, सेंट जेवियर्स कॉलेज, डॉ. फादर। रॉबर्ट प्रदीप कुजूर उप-प्रिंसिपल, सेंट जेवियर्स कॉलेज, डॉ. फादर। अजय मिंज उप-प्रिंसिपल इवनिंग सेक्शन, सेंट जेवियर्स कॉलेज, बी.के. सिन्हा (परीक्षा नियंत्रक, एसएक्ससी, राम मुर्मू और कॉलेज के छात्र उपस्थित थे।

प्रोन्नति संबंधी सचिव के मार्गदर्शन को लेकर आंदोलन की राह पर शिक्षक

मुख्यमंत्री से 15 नवंबर तक समाधान करने की गुजारिश, अन्यथा करेंगे घेराव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता सचिव के रवि कुमार के प्रोन्नति संबंधी मार्गदर्शन को लेकर राज्य के स्कूली शिक्षक आंदोलन की राह पर हैं। राज्य के शिक्षकों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर 15 नवंबर तक समाधान करने की गुजारिश की है। समाधान नहीं होने पर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की धमकी दी है। इस आशय की जानकारी शिक्षकों की ओर से मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव, मुख्य सचिव और शिक्षा सचिव को भी दी गई है।

अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के पदधारियों ने बताया कि शिक्षा सचिव के रवि कुमार ने 5 अक्टूबर को प्रोन्नति के लिए विभागीय मार्गदर्शन जारी किया है। इसे लेकर राज्य के शिक्षकों में रोष चरम पर है। इसमें सुप्रीम कोर्ट से अच्छादित एक न्यायनिर्णाय के अनुपालन में निर्गत 2021 के विभागीय आदेश के विपरीत पद रिक्ति की तिथि से प्रोन्नति नहीं देने की बात कही गई है। यहां तक कि सितंबर, 2023 में झारखंड हाई कोर्ट के फैसले की भी शिक्षा सचिव ने इस मार्गदर्शन में धज्जी उड़ा दी है। संघ के अनुसार इससे राज्य के लगभग 35 हजार शिक्षक प्रोन्नति के अपने जायज अधिकार को खो देने का खामियाजा भुगतेंगे।

संघ ने यह भी कहा कि आरटीई के मानकों के विपरीत विभाग सरप्लस शिक्षकों के स्थानांतरण की तैयारी में जुटा है। इस मामले में विभाग शिक्षकों की आपत्तियों को सुनने को तैयार ही नहीं है। एनजीओ के हवाले कर पूरी स्थानांतरण प्रक्रिया को दोषपूर्ण बना दिया गया है। इन दोषपूर्ण विषयों को लेकर राज्य के शिक्षक आक्रोशित हैं। संघ ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर पूरे मामले का 15 नवंबर तक समाधान करने की मांग की है। संघ ने कहा है कि 15 नवंबर तक मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो हजारों की संख्या में शिक्षक सीएम का घेराव करेंगे। संघ का कहना है कि शिक्षा विभाग मुख्यमंत्री के ही पास है। इतनी विसंगतियां उत्पन्न हो रही है। ऐसे में उन्हें समाधान के लिए पहल करनी चाहिए। संघ के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष अनूप केसरी, महासचिव राम मूर्ति ठाकुर, प्रवक्ता नसीम अहमद, संतोष कुमार, राकेश कुमार, सलीम सहाय तिग्गा, हरे कृष्ण चौधरी, अजय ज्ञानी आदि ने कहा है संघ राज्य स्थापना दिवस तक मुख्यमंत्री की पहल का इंतजार करेगा। इसके बाद शिक्षक सड़क पर उतरेंगे।

डोरंडा कॉलेज के प्राचार्य से मिला अभाविप , सौंपा मांग पत्र

रांची। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) डोरंडा कॉलेज इकाई ने सोमवार को कॉलेज प्रशासन को मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा। इसका नेतृत्व महाविद्यालय अध्यक्ष गोपाल चौहान ने किया। मौके पर मौजूद रांची महानगर मंत्री रोहित शेखर ने कहा कि छात्रों कि समस्या पर अभाविप मुखर रहा है। उन्होंने कहा कि कॉलेज प्रशासन ने अगर जल्द से जल्द उनकी समस्या का समाधान नहीं निकाला तो छात्र खुद झाड़ू लगाने से लेकर शौचालय साफ करने में भी नहीं हिचकेंगे।

छात्रों की क्या है मांगें

एनसीसी को स्थापित करना, शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना, पर्याप्त शिक्षकों की कमी को दूर करना, नियमित रूप से कक्षाएं शुरू कराना, शैक्षणिक भवन का दुरुस्त न होना, महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ, खेल प्रकोष्ठ, नामांकन प्रकोष्ठ, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ एवं अन्य सभी प्रकोष्ठों में छात्रों का प्रतिनिधित्व भी सुनिश्चित किया जाये। साथ ही विभागों की पुस्तकालय एवं नई शिक्षा नीति के तहत पुस्तक एवं उचित बैठने की व्यवस्था, असामाजिक तत्वों के प्रवेश पर सख्त कार्रवाई करना।

वेटनरी कॉलेज में तीन दिवसीय वेट उत्सव का समापन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय में आयोजित तीनदिवसीय वेट उत्सव सोमवार को संपन्न हो गया। बड़ी संख्या में छात्र- छात्राओं ने उत्साह पूर्वक विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लिया। बीएयू के कुलसचिव डॉ एमएस मलिक तथा निदेशक छात्र कल्याण डॉ बीके अग्रवाल ने विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक और खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया। अध्यक्षता पशु चिकित्सा संकाय के डीन डॉ सुशील प्रसाद ने की। कार्यक्रम का समन्वयन कॉलेज के वार्डन डॉ प्रवीण कुमार ने किया। क्विज प्रतियोगिता में विंकल, अंजना कुमारी, अंशिका सिसोदिया तथा सरफराज उस्मानी की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंशु कुणाल, मो जाहिद उल हक, शशांक कुमार शिवम तथा सचिन कुमार की टीम द्वितीय स्थान पर रही। जबकि गौरव रंजन, प्रियांशु कुमार, जय किशन और सुखदेव कुमार की टीम तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पोस्टर मेकिंग एंड फोटोग्राफी- निशा रवानी, प्रथम, अदिति वर्मा- द्वितीय, अनन्या कुमारी-तृतीय तथा सत्यजीत प्रसाद और हर्ष दर्शन सांत्वना पुरस्कार। रंगोली- रिमिल एंड ग्रुप प्रथम, दीप्ति गाड़ी एंड ग्रुप द्वितीय तथा नम्रता एंड ग्रुप तृतीय। एकल गायन- अंकिता गुप्ता प्रथम, आकांक्षा कुमारी द्वितीय तथा गौरव तृतीय। एकल नृत्य- ममता प्रथम, सोनल द्वितीय तथा एवेंजेलिन तृतीय। बैडमिंटन- पुरुष युगल- मो आरिफ अली और बिश्वास बिरुली विजेता तथा विवेक कुमार मेहता एवं शीतल उरांव रनर। बैडमिंटनरू मिश्रित युगल- आकांक्षा श्रीवास्तव एवं अमर चंद विजेता तथा विवेक कुमार मेहता और श्रुति मिश्र रनर। टग ऑफ वार में बैच 2021 के विद्यार्थी प्रथम 2022 के द्वितीय तथा 2023 के विद्यार्थी तृतीय स्थान पर रहे। आयोजन की सफलता में विभिन्न समितियों से जुड़े शिक्षकों और छात्र.छात्राओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आदिवासियों की संस्कृति और संवैधानिक अधिकार बचाने के लिए महिला सशक्तिकरण जरूरी : प्रेमशाही

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आदिवासियों की संस्कृति और संवैधानिक अधिकार को बचाने के लिए महिला सशक्तिकरण करना आवश्यक है। ये बातें सोमवार धूमकुडिया करमटोली में आदिवासी जन परिषद महिला मोर्चा महानगर कमेटी द्वारा आयोजित एक दिवसीय आदिवासी महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए आदिवासी जन परिषद के केन्द्रीय अध्यक्ष प्रेमशाही मुंडा ने कही। उन्होंने कहा कि आने वाला समय महिलाओं का होगा इसलिए संगठित होकर राजनीति शक्ति प्राप्त करना आवश्यक है ताकि महिलाओं के अधिकारों के लिए कि 55 वार्ड में आदिवासियों महिलाओं को संगठित करें साथ ही दलित पिछड़े महिलाओं को भी संगठन से जोड़ें।

इस मौके पर महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष सेलीना लकड़ा महासचिव प्रकाश मंडा,रांची जिला अध्यक्ष सावना मुंडा, संगीता टोप्पो, पुष्पा टोप्पो, सेलिना लकड़ा रेणु खलखो, चांदनी टोप्पो ललित तिर्की, संगीता तिर्की, लखविंदर देवी, विभव मिंज मंजुला सुरीन, पंकज तिर्की, ललित तिर्की, ज्योति कुजूर आदि मौजूद थी।

कानून बनाया जा सके। इस सम्मेलन में आदिवासी जन परिषद महिला मोर्चा रांची महानगर प्रभारी के रूप में संगीता तिर्की को सर्व समिति से चुना गया और कहा गया

ब्राउन शुगर की खरीदी बिक्री कर रहे तीन व्यक्ति गिरफ्तार

रांची। रांची पुलिस ने ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री कर रहे तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम मनोज कुमार, राज नारायण गोस्वामी और अभिषेक कुमार है। गिरफ्तार सभी व्यक्ति रांची जिले के रहने वाले हैं। रांची पुलिस को जानकारी मिली थी कि डोरंडा इलाके में ब्राउन शुगर की खरीदी बिक्री हो रही है, जिसके बाद एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने छापेमारी कर ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री कर रहे लोगों को गिरफ्तार किया।

किराए पर ट्रैक्टर लेकर फरारी मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

रांची। ट्रैक्टर चोरी करने के मामले में रांची पुलिस ने चार आरोपियों की गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम रॉबिन, करन, गोविंद और रंथु है। यह मामला ओरमांझी थाना क्षेत्र का है। ओरमांझी थाने की पुलिस को जानकारी मिली थी कि ट्रैक्टर को भाड़े पर लिया उसके बाद ट्रैक्टर को लेकर फरार हो गया। मामले की जानकारी मिलने के बाद एक टीम का गठन किया गया, जिसके बाद ट्रैक्टर चोरी करने के मामले में सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

जेवियर कॉलेज का अंगदान जागरूकता अभियान

रांची। आईक्यूएसी के तहत 1/3 कंपनी सेंट जेवियर्स कॉलेज एनसीसी रांची ने सोमवार को अंगदान जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में एओ कर्नल राघवेंद्र शरण के अलावा फादर प्रिंसिपल नाबोर लकड़ा और दो पीआई स्टाफ उपस्थित थे। इस दौरान कुल 34 कैडेट्स और 50 छात्रों ने कार्यक्रम में उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान अंगदान और अंगदान के लिए पोर्टल में पंजीकरण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी साझा की गई। मौके पर लेफ्टिनेंट डॉ. प्रिया श्रीवास्तव की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

संत जेवियर कॉलेज आयोजित करेगा नॉवेल मैटेरियल्स टुवर्ड्स सस्टेनेबल फ्यूचर पर प्रथम अंतराष्ट्रीय सम्मेलन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। संत जेवियर कॉलेज एडवांस इन नॉवेल मैटेरियल्स टुवर्ड्स सस्टेनेबल फ्यूचर पर प्रथम अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है। यह सम्मेलन संत जेवियर कॉलेज के भौतिकी विभाग एवं कंडेंस्ड मैटर रिसर्च सोसाइटी के साझा प्रयास से आयोजित किया जाएगा। यह तीन दिवसीय सम्मेलन 20 जनवरीसे 22 जनवरी तक चलेगा जिसमें देश विदेश से भौतिकी और संबधित विज्ञान के क्षेत्र से जुड़े प्रख्यात शिक्षाविद अपनी उपस्थिति सुनिश्ति कराएंगे। ये जानकारी सोमवार को आयोजित प्रेस वार्त्ता में अपनी बातों को साझा करते हुए बताया कि रांची यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. अजीत कुमार सिन्हा इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक होंगे और विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार डे इस संगोष्ठी के सह संरक्षक होंगे। इस सम्मेलन में शिरकत करने वाले प्रमुख वक्ताओं में अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रो. राजीव सिंह एवं प्रो. प्रभात रंजन, कुलपति डी. वाई. पाटिल अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय पुणे शामिल होंगे। भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु से जाने माने प्रो. अभिषेक सिंह 'स्मार्ट मटेरियल' पर अपना विमर्श प्रस्तुत करेंगे।

आईआईटी धनबाद के इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. मुकुलदास, बीआईटी मेसरा के भौतिकी विभाग से डॉ. दिलीप कुमार सिंह और झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के ऊर्जा इंजिनियरिंग विभाग के डॉ. बासुदेव प्रधान ऊर्जा सामग्री पर प्रकाश डालेंगे। डॉ. सुब्रता मुखर्जी, अनुसंधान एवं विकास, टाटास्टील, जमशेदपुर व्यवहारिक अनुसंधान के आलोक में अपने विचार साझा करेंगे। युवा वैज्ञानिक डॉ. रफिया अहमद और मोहम्मद बाबर, किंग अब्दुल्लाह यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, जेदाह, सऊदी से इस सम्मेलन में भाग लेंगे और ऊर्जा संरक्षण के उपायों और नॉवेल मैटेरियल्स के विकास के बारे में जानकारी देंगे। सफल आयोजन के लिए चार सदस्य कमेटी का गठन किया गया है। इस सम्मेलन में लगभग 300 अनुसंधानकर्ता और विद्यार्थी हिस्सा लेगें।

ब्रदर्स एकेडमी की ग्रैंड स्कॉलरशिप एडमिशन टेस्ट 5 नवंबर-2023 को

रांची। ब्रदर्स एकेडमी की ग्रैंड - स्कॉलरशिप एडमिशन टेस्ट (जीसैट-23) 5 नवंबर-2023 को नए सत्र के लिए ऑफलाइन मोड में आयोजित की जाएगी। नए सत्र के लिए 9 अप्रैल -24 से बैच शुरू होंगे।

जी-सैट बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि ये परीक्षा ही आईआईटी-जी और नीट कोचिंग के लिए ब्रदर्स ऐकेडमी में नामांकन कराने का एकमात्र तरीका हैं। जी-सैट के सभी प्रतिभागियों को हम पाठ्यक्रम शुल्क पर न्यूनतम 40% छात्रवृत्ति देंगे और प्रत्येक पाठ्यक्रम में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को पूर्ण 100% छात्रवृत्ति से पुरस्कृत किया जाएगा। वर्तमान में कक्षा 7, 8, 9 और 10 में पढ़ रहे छात्र नियमित स्कूली अध्ययन के साथ आईआईटी-जेईई और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं के लिए ओलंपियाड और बेसिक्स फाउंडेशन का लक्ष्य मानते हुए एक साल / 3 साल / 4 साल / 5 सालः फाउंडेशन कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। वर्तमान में कक्षा 10 में पढ़ने वाले और कक्षा 11 में जाने वाले छात्र आईआईटी-जेईई/नीट (मेडिकल) के लिए 2 साल के पाठ्यक्रमह्व में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें उन्हें कक्षा 10 पास करने के बाद 2 साल के लिए इन प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सघन प्रशिक्षण के साथ कक्षा 11 और 12 के अपने नियमित स्कूल सिलेबस को भी पढ़ाया जाएगा।

रेजिडेंट डॉक्टरों की तर्ज पर की 139 पीजी डॉक्टरों की पोस्टिंग

रांची। झारखंड में स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सकों की कमी को दूर करने के प्रयास में जुटी है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विभाग ने झारखंड में रेजिडेंट डॉक्टर की तर्ज पर पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) डॉक्टरों की पोस्टिंग कर दी है। बताते चलें कि राज्य के अलग-अलग अस्पतालों में मेडिकल कॉलेज में पीजी छात्रों की पोस्टिंग हुई है। इसके तहत 139 पीजी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं की पोस्टिंग की गई है।

छठ पूजा नजदीक, गंदगी से भरे पड़े हैं तालाब

अबतक शुरू नहीं हुई साफ-सफाई की पहल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। छठ महापर्व का अनुष्ठान 17 नवंबर से शुरू हो जायेगा। छठ व्रत करने वाली महिलाएं 19 नवंबर को नदी एवं तालाबों के घाट पर पूजा-अर्चना कर सूर्य को अर्घ्य देंगी। छठ पूजा को लेकर शहर में भी तैयारी शुरू हो गई है लेकिन, पूजा स्थल की साफ-सफाई को लेकर जिला प्रशासन और रांची नगर निगम प्रशासन उदासीन बना है। शहर का बड़ा तालाब, चडरी तालाब, करम टोली तालाब, मोराबादी तालाब, बटन तालाब, जगरनाथपुर तालाब एवं स्वणीखा नदी जहां महिलाएं छठ पूजा के लिए जाती हैं, उसके घाट गंदगी से सराबोर है। वहीं कई पूजा समितियों की ओर से भी अबतक स्वच्छता को लेकर पहल शुरू नहीं की गयी है। इससे महापर्व शुरू होने के समय आनन-फानन में कई छठ तालाबों की बेहतर साफ सफाई होने में नहीं हो पायेगी।

भू-अर्जन संबंधी परियोजनाओं में तेजी लाने का दिया निर्देश

भू-अधिग्रहण के कारण कोई भी परियोजना न लटके : उपायुक्त

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने सोमवार को भू-अर्जन से संबंधित मामलों की समीक्षा की। इसमें उन्होंने कहा कि भू-अर्जन के कारण कोई भी परियोजना लटकनी नहीं चाहिए।

रामपुर विकास विद्यालय बाईपास परियोजना : रामपुर-विकास विद्यालय बाईपास परियोजना के अंतर्गत मौजा-चतरा में रैयतों का मुआवजा भुगतान नहीं करने पर कार्य बाधित है। परियोजना निदेशक ने उपायुक्त रांची को जानकारी दी कि अभिलेख तैयार है, जिसपर उपायुक्त ने जल्द से जल्द मुआवजा भुगतान करने के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देश दिया।

एनएच-75 परियोजना : नेशनल हाईवे-75 की समीक्षा करते हुए सोस (चान्हो) में 18 डिसमिल. अधिग्रहित भूमि का सत्यापन प्रतिवेदन अंचल अधिकारी चान्हो से प्राप्त नहीं है। जिसपर चान्हो के अंचल अधिकारी ने उपायुक्त को बताया कि ग्राम प्रधान के द्वारा वंशावली का सत्यापन नहीं किया जा रहा है। उपायुक्त द्वारा अंचल अधिकारी चान्हो को जल्द से जल्द सत्यापन प्रतिवेदन भेजने का निर्देश दिया एवं पंडरी के बची हुई संरचना का भुगतान करने के लिए जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रांची को निर्देश दिया गया।

भारत माला परियोजना ओरमांझी गोला सेक्सन : उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने भारत माला परियोजना (ओरमांझी-गोला सेक्सन) की समीक्षा करते हुए अंचल अधिकारी ओरमांझी को 20 नवम्बर 2023 तक रोलागुटू एवं तापे इत्यादि ग्रामों में अवस्थित संरचना की राशि लगभग 10 करोड़ रुपए एवं भूमि के एवज में तैयार 10 करोड़ का भुगतान जल्द से जल्द कराने का निर्देश दिया।

सिरम टोली फलाईओवर : उपायुक्त ने रांची के अरगोड़ा-कटहल मोड़ सड़क चौड़ीकरण परियोजना, बड़गाईं-बोड़ेया सड़क चौड़ीकरण (नया निर्माण भी) और एवं शहर में चल रही सभी परियोजनाओं में मुआवजा भुगतान ससमय करने का निर्देश संबंधित अधिकारी को दिया। सिरम टोली फलाई ओवर की समीक्षा क्रम में शेष मुआवजा का भुगतान और दूसरे चरण का अवार्ड निर्गत करने के लिए जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को निर्देश दिया।

बैठक में अपर समाहर्ता राजेश कुमार बरवार, परियोजना निदेशक एनएचएआई गुमला राजीव रंजन, अंचल अधिकारी, ओरमांझी, बेड़ो, जिला भू-अर्जन कार्यालय सुधांशु पाठक सभी परियोजना से सम्बंधित कानूनगो एवं सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

डोरंडा काली पूजा को लेकर हुआ भूमि पूजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री डोरंडा बाजार काली पूजा समिति के द्वारा आयोजित माँ काली की 73वीं पूजा के निमित्त सोमवार को पूजा पंडाल का निर्माण भूमि पूजन अनुष्ठान के साथ प्रारंभ हुआ। आचार्य दिनेश गांगुली और पंडित जयराम पाठक के सान्निध्य में विधि विधान के साथ यजमान राजू चौरसिया ने भूमि पूजन किया। इस अवसर पर सचिव जयदेव घोष, निर्मल गुप्ता, अशोक घोष, संजय घोष, श्यामल घोष, सुरेन्द्र मालाकार, मुकेश ठाकुर, विवेक सहाय, प्रदीप पांडेय, डबलू पंडित, कुंदन सिन्हा, अभिजीत ठाकुर, प्रकाश मामा, संजय सिंह, राहुल चौरसिया, विजय सिन्हा, सुनील सिन्हा, रतन सिंह, राकेश पाल, मधुसूदन मुखर्जी, अजय ठाकुर, विश्वनाथ राम, प्रदीप घोष, मनोज वर्मा आदि थे।

शाहदेव नगर में श्री श्री दक्षिणकाली पूजा महोत्सव 12 को, तैयारी प्रारंभ

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री श्री दक्षिणकाली पूजनोत्सव शाहदेव नगर की ओर से 12 नवंबर को काली पूजा का आयोजन किया गया है। यह जानकारी श्री श्री दक्षिणकाली पूजनोत्सव के तंत्र धारक सनत मुखर्जी ने दी। उन्होंने बताया कि बंगला पंचांग के अनुसार 12 नवंबर की दोपहर 2:07 बजे से अमावस्या शुरू होगा और 13 नवंबर को 2:33 तक रहेगा। इसलिए काली पूजा का आयोजन 12 नवंबर को होगा। इस पूजा में आचार्य के रूप में पश्चिम बंगाल तारापीठ के आचार्य विद्युत चक्रवर्ती और पुरोहित के रूप में लोहरदगा के मृत्युंजय चक्रवर्ती उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि पूरा पूजा विधि विधान शास्त्रीय विधि विधान से होगा। सनत मुखर्जी ने बताया कि 12 नवंबर की रात 8:00 बजे से श्री श्री दक्षिणकाली पूजा प्रारंभ होगी। इसके तहत कलश स्थापना, प्राण प्रतिष्ठा, अधिवास, दीपदान, बलिदान, भोग निवेदन, योगिनी पूजा और पुष्पांजलि समेत सभी शास्त्रीय पूजा के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं 13 नवंबर की सुबह 8 बजे पूजा आरंभ होगी। नौ बजे पुष्पांजलि एवं आरती और 2:33 के बाद मांत्रगीक विसर्जन किया जाएगा। उन्होंने कहा है कि 13 नवंबर की ढाई बजे से चुमावन, खोईंछा भराई और सिंदूर खेला एवं प्रतिमा विसर्जन का आयोजन होगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा है कि पुष्पांजलि के लिए फूल एवं बेलपत्र स्वयं लेकर आयें। मूर्ति कलश अथवा पूजा की अन्य सामानों को मांत्रगीक विसर्जन से पहले न छुएं। उन्होंने कहा कि भोग वितरण 13 नवंबर की सुबह 6:00 बजे से 9:00 तक किया जाएगा।

सांकेतिक तस्वीर

गांव को सड़क से जोड़ने और नि:शुल्क बस सेवा शुरू करने की है योजना

'मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना' को लेकर उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारियों से ली तैयारी की जानकारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जिले की गांवों को सड़क से जोड़ने और नि:शुल्क बस सेवा शुरू करने की योजना को गति देने के लिए सोमवार को रांची जिले के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने जिले के सभी प्रखंडों के बीडीओ के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक की। डीसी ने झारखंड मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना 2022 के कार्यान्वयन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के मार्गों का चयन को लेकर सभी संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों से कहा कि राज्य के ग्रामीण और सुदूर जनजातीय क्षेत्रों में सड़क परिवहन और आवागमन व्यवस्था को बेहतर बनाने पर सरकार का विशेष जोर है। इस कड़ी में ग्रामीण क्षेत्रों को प्रखंड, अनुमंडल और जिला मुख्यालय से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना शुरू किया जाना है ताकि, दूर दराज के गांव में रहने वाले लोगों को सुलभ परिवहन व्यवस्था उपलब्ध हो सके। इसके लिए अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, हाट, स्थानीय बाजार और रेलवे स्टेशन, ग्रामीण क्षेत्र एवं सार्वजनिक स्थलों को ध्यान में रखकर रूट बनाने का को कहा गया।

सिटीजन मॉनिटरिंग हमेशा होती रहे : डीसी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना उपयोगिता बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि इस योजना के तहत संचालित बसों के सिटीजन मॉनिटरिंग की पुख्ता व्यवस्था हो, ताकि कोई भी वाहन संचालक इसका नाजायज लाभ नहीं ले सके ।

सार्वजनिक उपयोगिता वाले स्थलों का चयन करने के निर्देश : डीसी ने निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के रूट निर्धारण में सार्वजनिक उपयोगिता वाले स्थलों का विशेष ध्यान रखें ताकि इस योजना के तहत बसों के संचालन के लिए इस तरह रूट निर्धारित करें ताकि ग्रामीणों को आवागमन में काफी सहूलियत हो और इस योजना की उपयोगिता बनी रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में नि:शुल्क बस सेवा

इस योजना के पहले चरण में 250 बसों को संचालित करने की योजना है। इस योजना के तहत सभी वरिष्ठ नागरिक, विद्यालय और महाविद्यालय के विद्यार्थी, दिव्यांग, एचआईवी पॉजिटिव, विधवा और झारखंड आंदोलनकारी को बसों में नि :शुल्क यात्रा की सुविधा होगी। इस योजना के तहत निर्धारित रूटों पर बस संचालित करने वाले बस संचालकों को वाहन खरीद पर सब्सिडी दी जाएगी। इसके अलावा परमिट और फिटनेस शुल्क माफ कर दिया जाएगा। डीसी ने कहा कि इस योजना के शुरू हो जाने से राज्य के ग्रामीण और सुदूर जनजातीय क्षेत्रों में सड़क परिवहन और आवागमन में ग्रामीणों को सहूलियत होगी। इस योजना के तहत वित्तीय प्रोत्साहन के तहत मात्र 1 रुपए के शुल्क में मार्ग कर, परमिट शुल्क, वाहन निबंधन शुल्क देना होगा।

योजना की दी गयी जानकारी

बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी प्रवीण प्रकाश ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये इस योजना संबंधित कई जानकारी देते हुए कहा कि सभी इसके लिए जल्द से जल्द रूट निर्धारित करें ताकि 15 नवम्बर 2023 को यह योजना शुरू हो सके। आपको जानकारी हो की मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना में नई गाड़ियों का परिचालन होना हैं जिसमें 07- सीटर एवं 42 सीटर वाहन हो सकते है। जिसमें राज्य सरकार के तरफ से नई गाड़ी की खरीद पर सब्सिडी एवं पंजीयन में डल्ली टाइम छूस दी जाएगी। रूट पर नियमित रूप से वाहनों/बसों का परिचालन करने पर विशेष वित्तीय सहायता बसों/वाहनों के परिचालन में दी जाएगी।

कार्यालय जिला परिषद, कोडरमा।

Expression of Interest (EoI)

शुद्धिपत्र

इस कार्यालय के ज्ञापांक 699/जि0प0 दिनांक 17.10.2023 एवं PR सं0 309359 द्वारा प्रकाशित Expression of Interest (EoI) से संबधित सूचना में अपरिहार्य कारणवश निम्नवत् संशोधन किया जाता है।

क्र0	विवरणी	पूर्व में प्रकाशित तिथि	संशोधित तिथि
1	Expression of Interest (EoI) प्राप्ति की अंतिम तिथि	04.11.2023	09.11.2023

निविदा से संबंधित शेष सभी सूचनाएं एवं शर्तें यथावत रहेंगी।

उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद् कोडरमा।

PR 310128 Panchayati Raj(23-24)D

कार्यालय नगर परिषद्, रामगढ़

(आम सूचना)

एतद् द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय-शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) योजना के शहरी फुटपाथ विकेताओं हेतु सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत घुटुवा वार्ड सं0 20 नवनिर्मित वेंडिंग जोन का आवंटन शहरी फुटपाथ विकेताओं के बीच किया जाना है। इसके लिए रामगढ नगर परिषद द्वारा सर्वेक्षण सूची में शामिल वैसे शहरी फुटपाथ विकेता, जिन्हें नगर परिषद, रामगढ द्वारा निबंधित पथ विकेता का प्रमाण पत्र दिया गया है, निम्न दस्तावेजों के साथ दिनांक 03.11.2023 से 10.11.2023 तक कार्यविधि के दौरान, रामगढ़ नगर परिषद के कार्यालय के DAY-NULM कोषांग में विहित आवेदन पत्र में आवेदन समर्पित कर सकते हैं।उक्त वेंडिंग जोन में फुटपाथ पथ विकेताओं को "पहले आओ -पहले पाओ" के आधार पर या अधिक आवेदन प्राप्त होने पर लॉटरी के माध्यम से स्थल आंवटित किया जायगा। वार्ड सं0 20 एवं 21 के वेंडिंग कार्ड प्राप्त करने वाले पथ विकेता को प्राथमिकता दी जायगी। किसी भी परिस्थिति में रजिस्ट्रेशन शुल्क वापस नहीं की जायगी तथा आपकी पात्रता के जांचोपरांत ही लॉटरी में भाग लिया जा सकता है।

व्यवसाय हेतु वेंडिंग जोन स्थल	व्यवसाय हेतु बैठने की कुल व्यवस्था	रजिस्ट्रेशन शुल्क	मसिक शुल्क
घुटुवा नवनिर्मित वेंडिंग जोन, रामगढ	18	300	300

वांछित दस्तावेज:

1. नगर परिषद् रामगढ द्वारा प्रदत निबंधन कार्ड
2. एक पासपोर्ट साइज फोटो, एवं
3. आधार कार्ड की छाया प्रति संलग्न करें।

ह0/-
कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, रामगढ़

PR 310224 District(23-24)#D

झारखण्ड सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

email – eedwsd.ranchiwest@gmail.com

(छठा कॉल)

जिसका **PR No. 300027 (Drinking Water and Sanitaion)** 2023-24 है।

निविदा सूचना संख्या – **DWSD/RW/SR-20/2023-24** दिनांक:– 30.10.2023

1. Name of Work :- Relocation of T/W by Drilling 125/115 mm dia drilled Tube-Well in all kinds of soil rock for installation of hand pump with D.T.H Rig machine all complete including supplying all materials, labours, tools, drilling, rigs, air compressor and equipments as well as fuel lubricant for making 125/115 mm dia boring etc and cost of transporting rig machine and other vehicle up to site work "TurnKey Basis" Under D. W. & S. Division, Ranchi West, Ranchi for the Year 2023-24

ग्रुप संख्या	नलकूपों की संख्या	प्राक्कलित राशि लगभग (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
SR/RW-III	33 nos.	28.09290	56200.00	5,000.00	02 माह

2. वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय :– 01/11/2023 / 04.00 बजे अपराहन तक।
3. बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 07/11/2023 / 04.00 बजे अपराहन तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 08/11/2023 / 05.00 बजे अपराहन में।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉंची पश्चिम, रॉंची।
6. निविदा खोलने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉंची पश्चिम, रॉंची।
7. ई-प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन नं0 :– 0651-2491247
8. निविदा की प्राक्कलित राशि घट-बढ़ सकती है, तत्पश्चात अग्रधन की राशि देय मान्य होगा।
9. कार्य की मात्रा आवश्यकतानुसार घट-बढ़ सकती है।
10. विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉंची पश्चिम, रॉंची।

PR 310145 (Drinking Water and Sanitation) 23-24 (D)

कार्यालय जिला परिषद, हजारीबाग

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या :– 29/2023-24

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं नाम :– जिला अभियंता, जिला परिषद, हजारीबाग।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि :– दिनांक 07.11.23 को 10:00 पूर्वाह्न से 2:00 बजे अपराह्न तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक 08.11.23 को 3:00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 08.11.23 को 4:00 बजे अपराह्न से
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– जिला अभियंता, जिला परिषद, हजारीबाग।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :– नियंत्रण कक्ष, हजारीबाग एवं जिला परिषद, हजारीबाग।
7. निविदा खोलने का स्थान :– जिला परिषद कार्यालय, हजारीबाग।
8. मद का नाम :– **जिला परिषद, निधि।**

क्र0 स0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	योजना पूर्ण करने की तिथि
1	सदर	सुशील कॉलोनी नं0-02 के आवास सं0-02 की आवश्यक मरम्मति कार्य।	592000.00	1250.00	11900.00	दो माह
2	सदर	सुशील कॉलोनी नं0-02 के आवास सं0-08 की आवश्यक मरम्मति कार्य।	438200.00	750.00	8800.00	दो माह

नोट :-1. अद्यतन UCAN प्रमाण पत्र निविदा के साथ समर्पित करना अनिवार्य है अन्यथा कार्य आवंटित नहीं किया जायेगा।
2. निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता, जिला परिषद, हजारीबाग

PR 310167 District(23-24).D

उपायुक्त का कार्यालय, हजारीबाग
(स्थापना शाखा)

प्रेस विज्ञप्ति

राजस्व पर्षद, झारखण्ड, रांची के पत्रांक – 1064/रा. प्र., दिनांक 26.10.2023 के द्वारा जिला अनुमण्डल एवं अन्य मुफस्सिल कार्यालयों (कार्य विभाग सहित) के लिपिकों की **द्वितीय अर्द्धवार्षिक लेखा परीक्षा-2023** का आयोजन **दिनांक 25.11.2023 एवं 26.11.2023** को निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुसार निर्धारित की गई है।

परीक्षा कार्यक्रम

1. दिनांक 25.11.2023 (शनिवार) – प्रथम पत्र 9 बजे पूर्वा. से 12 बजे मध्याह्न तक।
2. दिनांक 25.11.2023 (शनिवार) – द्वितीय पत्र 2 बजे अप. से 5 बजे अपराहन तक।
3. दिनांक 26.11.2023 (रविवार) – तृतीय पत्र, चतुर्थ पत्र एवं पंचम पत्र 9 बजे पूर्वा. से 12 बजे मध्याहन् तक।

1. परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु आवेदकों द्वारा अपना आवेदन प्रपत्र ई-मेल के माध्यम से इस **acexamjhar 2.2023.21.hzb@gmail.com** ई-मेल आई. डी. पर प्रेशित करेंगे। इस मेल आई. डी. में आवेदन पत्र प्रेशित करने की **अन्तिम तिथि दिनांक- 17.11.2023 (शुक्रवार) को संध्या 5.00 बजे तक** निर्धारित की जाती है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदकों द्वारा अपना आवेदन प्रपत्र पूर्ण रूप से भर कर नियंत्री पदाधिकारी से अग्रसारित कराकर उसे **Scan** कर ई-मेल किया जायेगा।
2. सभी परीक्षार्थी (लिपिक) अपने पदस्थापन के स्थान से संबंधित जिला में मुख्यालय में परीक्षा में शामिल होंगे।
3. तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम पत्र की परीक्षा दूसरे दिन प्रथम पाली में आयोजित होगी। तीनों पत्र क्रमशः वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड(वन प्रभाग), राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, झारखण्ड(निबंधन प्रभाग) तथा कार्य विभाग(जल संसाधन विभाग एवं पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड, रॉंची) के लिपिकों के लिए अतिरिक्त पत्र के रूप में चिन्हित है।
4. परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को निदेशित है कि वे अपना पुरा नाम, पदनाम एवं पता सही-सही भरें।
5. अनुसूचित जाति/जनजाति कोटि के परीक्षार्थियों को निदेशित है कि अपने कोटि का उल्लेख अवश्य करें जिससे इस वर्ग विशेष के लिए अनुमान्य लाभ उन्हें दिया जा सके।

आदेशानुसार
उपायुक्त, हजारीबाग

PR 310189 District(23-24)#D

खबर मन्त्र

रांची. मंगलवार .31 अक्टूबर 2023

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

सोशल मीडिया का नशा

देश में कई ऐसे मामले खबरों की सुर्खियां बने हैं जब सोशल मीडिया के लत से रोकने वाले अभिभावकों पर किशोरों द्वारा प्राणघातक हमले किये गये। दरअसल सोशल मीडिया के नशे को नियंत्रित करने व बड़ी तकनीकी कंपनियों को जवाबदेह बनाने की मांग भारत समेत पूरी दुनिया में उठती रही है। अब सोशल मीडिया के स्रोत संयुक्त राज्य अमेरिका के दर्जनों राज्यों ने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को कथित रूप से नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाकर फेसबुक व इंस्टाग्राम की स्वामित्व वाली कंपनी मेटा पर मुकदमें दर्ज कराये हैं। शिकायतकताओं ने आरोप लगाया है कि एक नशे की लत के रूप में सोशल मीडिया को प्रोत्साहित करके मोटा मुनाफा कमाने वाली कंपनियां अपने सामाजिक दायित्वों से बच रही हैं। साथ ही जोड़-तोड़ की कोशिशों से अपने मंसूबों को विस्तार दे रही हैं। निस्संदेह, दुनिया भर में अभिभावक, शिक्षक, देखभाल करने वाले व नीति निमार्ता वर्षों से सोशल मीडिया से बच्चों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभावों के बारे में चेताते रहे हैं। कई शोधों के निष्कर्ष हैं कि सोशल मीडिया पर लंबा समय बिताने के चलते किशोरों में अवसाद, चिंता, अनिद्रा व खान-पान संबंधी विकार सामने आए हैं। वहीं मेटा के अधिकारियों की दलील है कि उसने किशोरों व परिजनों को सुरक्षित सुविधा प्रदान करने के लिये कई कारगर विकल्प पेश किये हैं। कानूनी प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन रहने के दौरान युवाओं पर पड़ने वाले प्रभावों का जिक्र किया गया है। आरोप है कि इस लत के आदी युवाओं में संवेदनशीलता कम हो रही है। उनमें आत्मबोध से विमुख होने व कल्याण की भावना के प्रति उदासीन होने जैसे भाव उपजते हैं। उल्लेखनीय है कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों द्वारा गैरजिम्मेदार व्यवहार के चलते कई नामचीन कंपनियों मेटा, टिकटॉक व यूट्यूब पर अमेरिका में पहले ही सैकड़ों मुकदमे चल रहे हैं।

कूटनीतिक चुनौती

कतर मामले में मोदी सरकार की अग्नि परीक्षा होगी क्योंकि कतर के साथ भारत के रिश्ते उतने मधुर नहीं हैं जितने यूएई व सऊदी अरब के साथ हैं। फलतः भारत के लिये यह बड़ी डिप्लोमैटिक चुनौती बन गई है। दरअसल, जिन आठ लोगों को कतर में फांसी की सजा दी गई है, वे सभी भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी हैं और एक डिफेंस सर्विसेज देने वाली ओमान की कंपनी के लिये काम कर रहे थे। जिन्हें गत वर्ष 30 अगस्त को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, कतर सरकार ने सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट नहीं किया है कि इन्हें किस अपराध में गिरफ्तार करके फांसी की सजा दी गई है। इनके परिवारों को भी लगाये गए आरोपों की जानकारी नहीं दी गई है। दरअसल, नौसेना कर्मियों पर इस साल मार्च में मुकदमा शुरू हुआ था और कतर स्थित भारतीय दूतावास इस मामले में कार्रवाई करता रहा है। बहरहाल, अब मामले में केंद्र सरकार से तुरंत हस्तक्षेप करने का दबाव पीड़ितों के परिजनों की तरफ से बढ़ रहा है। पीड़ितों के परिजन सरकार से गुहार लगा रहे हैं कि केंद्र अपने राजनयिक व राजनीतिक प्रभाव से पूर्व नौसेना कर्मियों को राहत दिलाने का प्रयास करे। उसे सऊदी अरब व यूएई से बेहतर होते भारत के रिश्ते रास नहीं आते। वहीं दूसरी ओर वह ईरान व तुर्की के प्रभाव में अधिक बताया जाता है। उल्लेखनीय है कि ये पूर्व नौसेना कर्मी एक ओमानी नागरिक की कंपनी दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजिज एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज के लिये कतर में सेवाएं दे रहे थे। कतर के मामले में विदेश मंत्री जयशंकर भी अपने प्रयास जारी कर दिये हैं और उम्मीद की जा रही है एक बेहतर हल निकल सकेगा। वैसे कई समझौता के आधार पर कतर इस प्रकार का एकतरफा कार्रवाई करने की स्थिति में नहीं है। वर्तमान बदले हुए माहौल में यह मामला किस ओर जायेगा यह कहना कठिन है।

एकता की मिसाल, वल्लभ भाई बेमिसाल

सरदार पटेल जयंती/31 अक्टूबर/विशेष)

गुजरात के खेड़ा जिले के नाडियाड में 31 अक्टूबर, 1875 को किसान परिवार में जन्मे सरदार वल्लभ भाई पटेल को एकता की मिसाल कहा जाता है। देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार पटेल ने राष्ट्र की एकता को सर्वोपरि मानते हुए देश को एकजुट करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर मजबूत और एकीकृत भारत के निर्माण में उनके योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। जिस समय देश आजाद हुआ, तब वह कई छोटी-छोटी रियासतों में बंटा था, जिन्हें एकजुट करना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य था। आजाद भारत को एकजुट करने का श्रेय पटेल की राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता को ही दिया जाता है। भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए सरदार पटेल के इसी अविस्मरणीय योगदान को चिरस्थायी बनाए रखने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 31 अक्टूबर, 2014 से उनकी जयंती को ह्यराष्ट्रीय एकता दिवसह्न के रूप में मनाए जाने की घोषणा की गई थी। तभी से सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को ह्यराष्ट्रीय एकता दिवसह्न के रूप में मनाया जाता है।

देश की आजादी के उपरांत 500 से भी ज्यादा देशी रियासतों का एकीकरण किया जाना सबसे बड़ी समस्या थी। दरअसल अंग्रेज भारत से जाते-जाते कुटिल चाल चलते हुए करीब 550 देशी रियासतों को खुद ही अपने भविष्य के निर्णय का अधिकार दे गए थे। उसके पीछे उनका उद्देश्य था कि इतनी बड़ी संख्या में रियासतों के स्वायत्त रहते भारत के लिए स्वयं को एकजुट रख पाना बेहद मुश्किल होगा। सरदार पटेल ने अपने लौहपुरुष व्यक्तित्व का परिचय देते हुए इस गंभीर चुनौती को न केवल स्वीकार किया बल्कि बहुत ही कम समय में बड़ी कुशलता से इतनी सारी रियासतों के एकीकरण का कार्य सम्पन्न कराने में सफल भी हुए। उन्होंने आजादी के ठीक पहले पीवी मेनन के साथ मिलकर कई देशी रियासतों को भारत में मिलाने का कार्य आरंभ कर दिया था। उस समय देशभर में सैकड़ों ऐसी देशी रियासतें थी, जो स्वयं में सम्प्रभुत्ता प्राप्त थी, जिनका अपना अलग झंडा और अलग शासक था। दोनों ने देशी रियासतों के शासकों को समझाया कि उन्हें स्वायत्तता देना संभव नहीं होगा। इसका असर यह हुआ कि केवल तीन रियासतों को छोड़कर बाकी सभी रियासतों-राजवाडों ने अपनी मर्जी से भारत में विलय का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। हैदराबाद के निजाम ने जब भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण कराया। बहुत विरोध होने पर जूनागढ़ का नवाब भागकर पाकिस्तान चला गया और तब जूनागढ़ भारत में मिला लिया गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत की विभिन्न बिखरी हुई रियासतों और भू-भागों के एकीकरण में सरदार पटेल के उल्लेखनीय योगदान के कारण ही उन्हें भारत का बिस्मार्क (जर्मन साम्राज्य का प्रथम चांसलर) भी कहा जाता है।

देश की आजादी के बाद पटेल स्वतंत्र भारत के पहले गृहमंत्री और पहले उप-प्रधानमंत्री बने। उनका व्यक्तित्व बचपन से ही प्रभावशाली था। हालांकि पढ़ाई-लिखाई में वे औसत हुआ करते थे। उन्होंने दसवीं कक्षा की परीक्षा 22 साल की उम्र में उत्तीर्ण की थी। हाईस्कूल की पढ़ाई के बाद परिवार में आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने कॉलेज जाने के बजाय आगे की शिक्षा स्वाध्याय से ही प्राप्त की। बैरिस्टर की पढ़ाई उन्होंने लंदन जाकर पूरी की और कॉलेज जाने का अनुभव नहीं होने के बावजूद अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय देते हुए 36 साल की उम्र में लंदन के मिडिल टेंपल इन में बैरिस्टरी का 36 माह का कोर्स सिर्फ 30 माह में ही पूरा कर लिया और वापस आकर अहमदाबाद में वकालत करने लगे। महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने बारडोली सत्याग्रह का नेतृत्व करते हुए उसमें सफलता हासिल की थी, जिससे प्रसन्न होकर वहां की महिलाओं ने ही वल्लभ भाई पटेल को ह्यसरदारह्न की उपाधि प्रदान की थी।

भारतीय संविधान के निर्माण में भी पटेल का महत्वपूर्ण योगदान था। वे मूल अधिकारों पर बनी समिति के अध्यक्ष थे और उन्होंने अधिकारों को दो भागों (मूलाधिकार तथा नीति-निर्देशक तत्व) में रखने का सुझाव दिया था। आज जहां देश में हर तरफ भाई-भतीजावाद की राजनीति का बोलबाला है, वहीं देश का यह लौहपुरुष राजनीति में भाई-भतीजावाद के सख्त खिलाफ था और इसका सबसे बड़ा उदाहरण उन्होंने खुद अपने बेटे को राजनीति से दूर रखते हुए दिया भी। इस बात का स्पष्ट उल्लेख मिलता है कि उन्होंने अपने पुत्र दहयाभाई को तब तक यथासंभव दिल्ली से दूर रहने को कहा था, जब तक कि वह स्वयं दिल्ली में रहें। उनके हृदय में ईमानदारी की भावना किस कदर कूट-कूटकर भरी थी, इसका इससे बेहतर बेमिसाल उदाहरण नहीं हो सकता कि उनके निधन के बाद खोजबीन किए जाने पर उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था।

बगैर लाग-लपेट, सीधा-स्पष्ट, कड़ा और खरा बोलने के लिए विख्यात रहे पटेल ने अपने जीवन में आई तमाम कठिनाइयों से पार पाते हुए सदैव उन पर सफलता हासिल की, इसीलिए उन्हें ह्यलौहपुरुषह्न के रूप में जाना जाता है। सरदार पटेल का जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व सदैव देशवसियों को प्रेरित करता रहेगा। लौहपुरुष ने 15 दिसम्बर 1950 को आखिरी सांस ली।

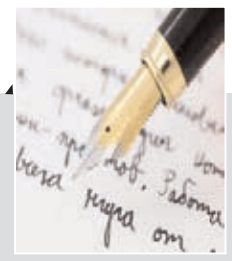

- योगेश गोयल

देश की आजादी के उपरांत 500 से भी ज्यादा देशी रियासतों का एकीकरण किया जाना सबसे बड़ी समस्या थी। दरअसल अंग्रेज भारत से जाते-जाते कुटिल चाल चलते हुए करीब 550 देशी रियासतों को खुद ही अपने भविष्य के निर्णय का अधिकार दे गए थे। उसके पीछे उनका उद्देश्य था कि इतनी बड़ी संख्या में रियासतों के स्वायत्त रहते भारत के लिए स्वयं को एकजुट रख पाना बेहद मुश्किल होगा।

खास बात

खामोश सरकार

सहीराम

वज्रपात करने के लिए सरकार क्या कम थी जी, जो रामजी भी वज्रपात करने लगे। वैसे तो जी, सरकार भी भगवान ही होती है, लेकिन भगवानजी को तो सरकार नहीं होना चाहिए। बेशक वो भी माई-बाप हैं, ये भी माई-बाप हैं। पर फर्क है जी, सरकार का डंडा धमाधम चलता है, जबकि ऊपर वाले की लाठी कहते हैं बड़ी खामोशी से चलती है और सरकार के डंडे की तरह अंधाधुंध तो नहीं ही चलती। इसीलिए सरकार पर तो चाहे भरोसा टूटता रहता हो, पर भगवान पर भरोसा हमेशा कायम रहता है। बल्कि जब सरकार की आलोचना करनी होती है, तब भी लोग यही कहते हैं कि वह भगवान भरोसे ही चल रही है।

लेकिन समझ नहीं आता कि भगवानजी अब यह फर्क मिटाते क्यों जा रहे हैं। अब देखिए, सरकार तो महंगाई का वज्रपात कर ही रही है। रोज तेल के दाम बढ़ रहे हैं और ज्ञानीजन कहते हैं कि तेल के दाम बढ़ेंगे तो सब चीजों के दाम बढ़ेंगे। अर्थात महंगाई की जड़ तेल ही है। सरकार भी अगर यह मान ले तो वह भी महंगाई बढ़ाने के आरोप से बच सकती है। खैर, यह सरकार की मर्जी है। लेकिन यह भगवान की तो मर्जी नहीं होनी चाहिए कि वह भी सरकार की तरह ही जनता पर वज्रपात करने लगे। मतलब उसे थोड़ा तो सरकार से अलग दिखना ही चाहिए।

अब देखिए, सरकार ने ऑक्सीजन नहीं दी, लेकिन भगवानजी ने नहीं रोकी। तो यह फर्क अब क्यों नहीं। अब सरकार की तो चाहे जनता पर नजरे इनायत न हो, चाहे वह नौकरी न दे, चाहे वह महंगाई बढ़ती रहे, पर भगवानजी को तो झमाझम बारिश कर देनी चाहिए न। यार, मॉनसून का मौसम है आखिर तो। पर जैसे सरकार आंदोलनकारी किसानों को कुछ नहीं दे रही, वैसे भी भगवान भी किसानों को बारिश नहीं दे रहे हैं। हालांकि, बारिश कोई किसान को अकेले थोड़े ही चाहिए। गर्मी से तो सभी बेहाल हैं। पानी तो दिल्ली वालों को भी नहीं मिल रहा। भगवानजी को गर्मी से बिलबिलाते लोगों पर जरा भी दया नहीं आ रही, जैसे सरकार को महंगाई से त्रस्त जनता पर दया नहीं आ रही। ऊपर से भगवानजी भी अब बिजली ज्यादा गिराने लगे हैं,

गुरु आदेश

धर्म-प्रवाह

स्वामी सत्यानंदजी परमहंस

जहां भरत जी गये वहीं शत्रुध्न जी गये। कहां राम है, कहां लक्ष्मण हैं उनके कोई मतलब नहीं था। लखन जी को जब गुरु वशिष्ठ जी ने नियत कर दिया तो जब श्री राम वनवास जा रहे हैं तो वे बोले मैं भी चलूंगा। श्री राम बोले क्यों? वनगमन तो केवल मेरा हुआ है, आप क्यों चलेंगे। लक्ष्मण जी बोले बात सही है लेकिन गुरु महाराज जी की आज्ञा है कि मैं शरीर का सेवक हूं, तो जहां शरीर वहीं मैं। लक्ष्मण जी मां से आज्ञा लेकर वनगमन किये।

प्रसंग का अध्यात्म

यह सृष्टि परा और अपरा दोनों के मेल से बनी हुई है। अपरा जगत दृष्टिगोचर होता है जिससे यह जगत चलता है। धर्म का कार्य जप, तप, योग,यज्ञ मनुष्य को अपरा जगत से परा की ओर उन्मुख करता है। जब संसार में कोई ऐसा व्यक्ति हो जाता है जो अपरा जगत की सारी सिद्धियों को कर लेता है। वह बलवान हो जाता है। अगर अहंकारी होकर धर्म के कार्यो को अवरूद्ध कर देता है तो उसके व ध के लिये अवतार होता है। अवतार परा शक्ति संपन्न होता है।

इसलिए वह अपरा जगत की सारी सिद्धियां से संपन्न व्यक्ति का बध करने में समर्थ होता है। इस तरह की स्थिति तब पैदा हो गयी थी जब राक्षस राज रावण अधर्मी हो गया था। उसने जप, योग और तप इत्यादि बंद करा दिया था।

रावण जानता था कि मेरी लड़ाई सदा देवताओं से है। देवताओं के पास जो कुछ भी उत्तम भोग है, स्वर्ग के इस भोग को मुझे लंका में लाना है ।

(ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम)

आपके ट्वीट

अडानी के कोयले का दाम,
अडानी के अनाज गोदामह्न

ये गरीब की जेब काटने और कृषि की रीढ़ तोड़ने के हथियार हैं।

- राहुल गांधी

साइंस एंड रिसर्च के समाधानों से अब मिलेट्स एवं अन्य अनाजों को और विकसित करना जरूरी है। मकसद ये कि देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग जरूरतों के हिसाब से इन्हें उगाया जा सके...

- नरेन्द्र मोदी

झारखंड की नौकरियां बेचने नहीं देंगे !
युवा विरोधी लूट और झूठ की झारखंड सरकार का संगठित कुकृत्य एक बार पुनः आया सामने ! नगर पालिका परीक्षा में बड़ी गड़बड़ी की सूचना है, छात्रों का कहना है कि कई केंद्रों पर सील टूटे पेपर मिले।

-अमर बाउरी, विधायक, भाजपा

कैश फॉर क्वेरी केस, संसद क्या कार्रवाई कर सकती है?

खेल

15 अक्टूबर 2023 को झारखंड के गोड्डा से सांसद ने निशिकांत दुबे ने लोकसभा सांसद ओम बिरला को एक शिकायती पत्र लिखा। दूबे ने आरोप लगाया कि महुआ मोइत्रा ने संसद में अडानी समूह के खिलाफ सवाल पूछने के लिए पैसे लेती हैं।

महुआ पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर से लोकसभा सांसद अपने भाषणों के जरिए मोदी सरकार पर हमलावर नजर आती हैं। पैसे लेने का नाम भी बिजनेसमैन हीरानंदानी के रूप में सामने आया। जिसके बाद मीडिया में एक चिट्ठी हीरानंदानी के नाम से आई जिसमें इन आरोपों को सही बताया गया। मामला संसद की एथिक्स कमेटी के पास भी जा चुका है।

कैसे हुई पूरे विवाद की शुरूआत

15 अक्टूबर 2023 को झारखंड के गोड्डा से सांसद ने निशिकांत दुबे ने लोकसभा सांसद ओम बिरला को एक शिकायती पत्र लिखा। दूबे ने आरोप लगाया कि महुआ मोइत्रा ने संसद में अडानी समूह के खिलाफ सवाल पूछने के लिए पैसे लेती हैं। लिहाजा उन्हें लोकसभा से संस्पेंड कर दिया जाए और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच हो। निशिकांत दुबे ने कहा कि हीरानंदानी समूह को अडानी ग्रुप की वजह से एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ा एक बड़ा कांट्रैक्ट नहीं मिल पाया। यानी दोनों समूहों में तगड़ा कंपटीशन है। हीरानंदानी समूह ने खार खाकर महुआ मोइत्रा को पैसे देकर अडानी समूह को लेकर सवाल पूछने के लिए कहा।

कितना गंभीर है निशिकांत दुबे का आरोप?

मूलतः, सवाल यह है कि क्या कोई सांसद कुछ प्रतिफल के बदले में प्रश्न पूछ रहा है। अगर यह बात प्रमाणित होती है तो यह गंभीर मामला है। यदि किसी सांसद ने प्रश्न पूछा है और किसी ऐसे व्यक्ति की ओर से अन्य संसदीय कार्य किया है जिसने विचार किया है, तो यह वास्तव में विशेषाधिकार समिति के पास आना चाहिए क्योंकि यह विशेषाधिकार का गंभीर उल्लंघन और सदन की अवमानना है। ऐसी स्थिति में संसद सदस्य को सदन से निष्कासित करने के अपने अधिकार का प्रयोग कर सकती है।

क्या एथिक्स कमेटी इस तरह के मामले के लिए सही फोरम है?

इसे विशेषाधिकार समिति को भेजा जाना चाहिए था, जो विशेषाधिकार के कथित उल्लंघन और सदन की अवमानना की जांच करने वाली एकमात्र समिति है। आचार समिति केवल औचित्य आदि के कुछ प्रश्नों से निपट रही है, उन मामलों के साथ नहीं जहां विशेषाधिकार का कथित उल्लंघन होता है। उदाहरण के लिए, एक ऐसा मामला था जिसमें एक व्यक्ति अपनी मालकिन या प्रेमिका को यह कहकर आधिकारिक दौरे पर ले गया कि वह उसकी पत्नी है और आचार समिति ने इस पर गौर किया। लेकिन एक और उदाहरण था जिसमें एक आदमी अपनी पत्नी और बच्चे के पासपोर्ट पर एक महिला और एक लड़के को विदेश ले गया। ये एक गंभीर मामला बनता और पासपोर्ट अधिनियम का उल्लंघन भी। इसकी जांच के लिए एक विशेष समिति गठित की गई और उन्हें सदन से निष्कासित कर दिया गया। इसलिए, गंभीर मामलों के लिए, या तो विशेषाधिकार समिति होती है या उस विशेष उद्देश्य के लिए सदन द्वारा नियुक्त एक विशेष समिति होती है। लोकसभा के नियमों के अनुसार, एक सदस्य को अपनी पहचान संख्या के साथ हस्ताक्षरित एक विशेष फॉर्म में एक प्रश्न प्रस्तुत करना होता है। प्रश्न सदस्य की ओर से किसी के द्वारा दिया जा सकता है, लेकिन इस पर सदस्य के हस्ताक्षर होने चाहिए। हस्ताक्षर सत्यापित किया जाता है और फिर प्रश्न पर कार्रवाई की जाती है। संसद सदस्यों अपना लॉगिन-पासवर्ड किसी को शेयर किया जा सकता है ?अभी तक ऐसा कोई नियम नहीं है।

कार्टून वर्ल्ड

युद्ध का दिमाग...

साभार कार्टून मूवमेंट

लेटर टू एडीटर

अंकुश लगे

वर्तमान समय में जब तकनीक का युग है, जहां आज हर कार्यक्रम की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग हो रही हो तो ऐसे में नेताओं द्वारा अपने भाषण में अमर्यादित शब्दों का प्रयोग अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। इस वजह से राजनीति का स्तर इतना नीचे गिर चुका है कि मयार्दा पसंद लोग राजनीति में कदम रखने से पहले कतराने लगे हैं। इस पर जल्द से जल्द अंकुश लगना चाहिए।

-विजय महाजन, हजारीबाग

शिक्षा का संकट

कोरोना की वजह से बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा का सहारा लेना पड़ रहा है। इसका बच्चों की शिक्षा पर बुरा असर पड़ चुका है। शहरी बच्चे तो ऑनलाइन शिक्षा से पढ़ पा रहे हैं लेकिन ग्रामीण बच्चों की हालत ठीक नहीं है। शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है। ऑनलाइन शिक्षा से अभिभावकों और बच्चों की बदली आदत से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

- राघव जैन, रांची

हांगकांग : बच्चे पैदा करने पर दंपति को मिलेगी आर्थिक सहायता

रितिका कमठान

हांगकांग के मुख्य कार्यकारी जॉन ली का-चिउ ने बुधवार को अपने वार्षिक नीति संबोधन के दौरान घोषणा की है। उन्होंने कहा कि शहर की स्थिति को ऊपर उठाने के प्रयास में अब से 2026 तक जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे के माता-पिता को एचके $20,000 ($2,556) की सहायता दी जाएगी।

हांगकांग में इन दिनों जन्म दर काफी गिर रही है। हांग कांग में लगातार परिवार में बच्चों की संख्या में गिरावट देखने को मिल रही है। यहां पर युवक युवतियां या पति-पत्नी बच्चों के लिए इच्छुक नहीं दिख रहे है। ऐसे में हांग कांग की सरकार ने खास योजना को तैयार किया है।

कुछ समय पहले हांग कांग की परिवार नियोजन एसोसिएशन ने जानकारी दी थी कि इस विशेष चीन प्रशासित क्षेत्र में ऐसी महिलाओं की संख्या पांच साल में दोगुनी होकर 2022 में 43.2 फीसदी हो गयी, जिनके पास एक भी बच्चा नहीं है। वहीं हांग कांग में ऐसे जोड़ों की संख्या भी कम हुई है जिनके पास एक या दो बच्चे हैं। इससे साफ है कि हांगकांग की जन्म दर गिर रही है। हांगकांग में ऐसी परिस्थिति को देखते हुए सरकार ने खास कदम उठाए है। इस सिलसिले में अब हांग कांग में सराकर ने नए माता-पिता को 2,500 डॉलर की नकद सहायता देने का निर्णय लिया है। हालांकि सरकार की इस नई स्कीम से भी युवाओं और जोड़ों में माता-पिता बनने को लेकर कोई खास जोश देखने को नहीं मिल रहा है।

दरअसल 2500 डॉलर की राशि हांगकांग में महज 500 वर्ग फुट के घर का मासिक किराया भर ही है। ऐसे में जोड़ों के लिए ये राशि काफी कम है, जिससे वो बच्चे करने के लिए प्रेरित हो सके। गौरतलब है कि हांग कांग बेहद महंगा शहर है जहां 2500 डॉलर में एक महीने का किराया भी मुश्किल से निकलता है। देखना ये है कि ये राशि युवाओं के लिए कितना अधिक लाभदायक सिद्ध हो सकती है।

इस संबंध में हांगकांग के मुख्य कार्यकारी जॉन ली का-चिउ ने अपने वार्षिक नीति संबोधन के दौरान इस कदम की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि शहर की स्थिति को ऊपर उठाने के प्रयास में अब से 2026 तक जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे के माता-पिता को एचके $20,000 ($2,556) की सहायता दी जाएगी। ली ने इस योजना का ऐलान करते हुए कहा, बच्चा पैदा करना एक प्रमुख जीवन निर्णय है जिसमें कई विचार शामिल हैं। इसमें घर खरीदारों के स्टांप शुल्क को 15% से घटाकर 7.5% करने का कदम भी शामिल है।

यह नए माता-पिता के लिए मौजूदा कर प्रोत्साहनों के शीर्ष पर आता है, जो नवजात शिशुओं के लिए अतिरिक्त कटौती के साथ प्रत्येक बच्चे के लिए वार्षिक कटौती प्राप्त करते हैं। सीएनएन से बात करने वाले अधिकांश माता-पिता ने महसूस किया कि नए उपाय उन्हें अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे, उन्होंने उस शहर में रहने की उच्च लागत की ओर इशारा किया जो अक्सर एशिया के सबसे महंगे स्थानों की सूची में सबसे ऊपर है।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

संपादक
अविनाश ठाकुर*

फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज

हेमंत सरकार की योजनाओं से ग्रामीण हो रहे हैं लाभान्वित : संजय सिंह

बड़कागांव। गोंदलपूरा पंचायत भवन में झामुमो का पंचायत स्तरीय बैठक किया गया। जिसकी अध्यक्षता कृष्ण राणा एवं संचालन 20 सूत्री सदस्य गिरजा भुईयां ने किया। बैठक में झामुमो को मजबूत करने को लेकर कमेटी का विस्तार किया गया। जिसमें अध्यक्ष फलेंद्र गंझू ,उपाध्यक्ष बिंदु गोप,प्रभु भुईयां,विजय करमाली, सचिव विजय भुईयां,संयुक्त सचिव पूनम देवी,शारदा देवी,अनूप गंझु,संगठन सचिव गिरजा भुईयां,कोषाध्यक्ष कुलदीप यादव कार्यकारिणी सदस्य बादल गंझु रीना देवी सुनीता देवी पूनम देवी प्रभु भुईयां इत्यादि को बनाया गया।मौके पर मुख्य अतिथि संयोजक संजय सिंह ने कहा कि हेमंत सरकार की योजनाओं से ग्रामीण लाभान्वित हो रहे हैं हेमंत सरकार जनहित में बेहतर कार्य कर रही है वही पुनः सत्ता पर काबिज होगी।

न्यू बैरक सरना स्थल के चाहरदिवारी निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

शिलान्यास के अवसर पर उपस्थित लोग

भुरकुंडा (रामगढ़)। न्यू बैरक भुरकुंडा स्थित सरना स्थल के चाहरदिवारी निर्माण कार्य का सोमवार को शिलान्यास किया गया। इसका शिलान्यास पुर्व पार्षद दर्शन गंझू, भुरकुंडा पंचायत के मुखिया अजय पासवान, सरना समिति के संरक्षक मिथलेश टुडू और रीतिका भोगता ने संयुक्त रूप से पुजा अर्चना कर किया। इस अवसर पर पुर्व पार्षद दर्शन गंझू ने बताया कि उक्त चाहरदिवारी का निर्माण सीसीएल बरका सयाल प्रबंधन के द्वारा कराया जा रहा है। मौके पर जगरनाथ पासवान, आजाद भुईयां, किशुन नायक, राजकुमार गौंड, राजन करमाली, संतोष उरांव, विक्रम करमाली, शिवशंकर भुईयां, मनोज करमाली, राजेंद्र करमाली, सुरेश रजवार, पुर्व पार्षद झरी मुंडा, रामदास बेदिया, अरविंद करमाली, विजय सोनी सहित आदि मौजुद थें।

विधायक ने पुल का किया शिलान्यास

शिलान्यास करते विधायक

बरकट्ठा। प्रखंड के सलैया पंचायत के मनसिंघा स्थित बरसोती नदी पर पुल निर्माण का शिलान्यास विधायक अमित कुमार यादव ने जिप सदस्य कुमकुम देवी, प्रमुख रेणु देवी, मुखिया इंद्रदेव प्रसाद के उपस्थिति में की। पुल का निर्माण मुख्यमंत्री सेतु योजना के तहत दो करोड़ 55 लाख के लागत से बनेगा। इस मौके पर आयोजित शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि पुल निर्माण होने से सलैया, गंगपाचो समेत दर्जनों गांव सीधे जीटी रोड जुड़ जाएगा। पुल और सड़क के निर्माण से क्षेत्र का चहुंमुखी विकास होता है। वहीं कुमकुम देवी ने कहा कि लंबे समय से लोगों का सपना पुल निर्माण का सच हुआ। समारोह में मुखिया इंद्रदेव प्रसाद, समन ठाकुर, टुकलाल नायक, भोला प्रसाद, छोटेलाल मेहता, टिंकू प्रसाद, रीतलाल प्रसाद, मो खलील अंसारी, जीवन यादव, विजय यादव, राजकुमार मंडल, मिथलेश भारती समेत आदि लोग मौजूद थे।

बच्चों के बीच किया स्कूली किट का वितरण

जीप सदस्या, मुखिया सहित अन्य लोग

बरही। प्रखंड अंतर्गत बसरिया पंचमाधव पंचायत के जरहिया उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के बीच स्कूली किट का वितरण किया गया। वितरण कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्या प्रति कुमारी, मुखिया नीलम देवी मुख्य रूप से मौजूद रही। जीप सदस्या प्रीति कुमारी ने बच्चों को बाल विवाह और बाल अपराध को लेकर शपथ दिलाई। जीप सदस्या ने कहा कि देश में बाल विवाह को लेकर काफी सख्त कानून बनाए गए है, मगर इसके बावजूद कई जगहों पर लोग आज भी बाल विवाह बदस्तूर जारी है।उन्होने इसे अधिक दहेज का मामला बताया है। खासकर छोटे गांव के लोगों में आज भी इसको लेकर जागरूकता नहीं आई है। उन्होंने बच्चों से भी आग्रह किया कि वह भी अपने अभिभावकों को जागरूक करें। वही मुखिया नीलम देवी ने अभिभावकों से अपील किया कि वह अपने बच्चों को विद्यालय अवश्य भेजें, बच्चें पढ़ेंगे तभी देश आगे बढ़ेगा। मौके पर समाजसेवी नागेश्वर कुमार, स्कूल के बच्चे एवं शिक्षिका सकुन्तला देवी, ज्योति लक्ष्मी, अंगावाडी सेविका निशु कुमारी, बच्चों के अभिभावक मौजूद थे।

बालीडीह बना विजेता व बहेरा उपविजेता

चरही। चुरचू प्रखंड के तहत चरही पंचायत के टोला कसियाडीह सिद्धू-कान्हू फुटबाल मैदान में युवा महोत्सव सह तीन दिवसीय फुटबॉल टूनामेंट का फाइनल मैच खेला गया। जिसके मुख्यातिथि झारखंड राज्य समन्वय समिति के सदस्य सह दर्जा प्राप्त मंत्री फागु बेसरा व विशिष्ट अतिथि चुरचू पूर्व जिप अग्नेसिया सांडी पूर्ति,चरही मुखिया संझली मुर्मू, झारखंड आदिवासी दलित मंच के संयोजक महालाल हांसदा,चरही के पूर्व मुखिया महादेव सोरेन ने संयुक्त रूप से फुटबॉल को किक मारकर फाइनल मैच का शुभारंभ किया। फाइनल मैच बालीडीह बनाम बहेरा के बीच खेला गया। जिसमें बालीडीह ने बहेरा टीम को पेनाल्टी किक में 3- 1 से पराजित किया। मैच में क्षेत्र के कुल 16 टीमों ने भाग लिया था। अतिथियों ने विजेता टीम बालीडीह को बड़ा खस्सी व उपविजेता टीम बहेरा को छोटा खस्सी देकर सम्मानित किया गया। मौके पर झारखंड आदिवासी कल्याण क्लब कासियाडीह और बिराखाप के द्वारा गांव के मांझी हाड़ाम,जोगवा ,नायके को हरा गमछा देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर चरही पंचायत के पूर्व मुखिया महादेव सोरेन,पूर्व जिला सचिव नीलकंठ महतो, बुद्धिजीवी और खेल प्रेमी और उपस्थित थे।

जिले में जारी है जुए की खेल, पुलिस नहीं कस पा रही नकेल

कई मुहल्लों में चल रहा लाल-काला, कई लोगों का निकला दिवाला

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। जिले के कई मुहल्लों में जुए का खेल अनवरत जारी है। जुआरी रोज एक नियत समय पर बिना किसी के भय के जुए अड्डे पर पहुंच रहे हैं और अपनी गाढी कमाई को लुटा रहे हैं। सरेआम गरीबों का खून चूसने का चल रहा खेल पुलिसिया सिस्टम के फेल होने का प्रमाण है। गरीबों को शिकार बना रही इन अवैध जुए की खेल को देखकर ऐसा कहना गलत नहीं होगा कि चंद पैसों के लालच में हमारी सिस्टम ने लोगों को खुद लूट जाने का लाइसैंस दे रखा है। पहले जब भी कभी पुलिस ने इन जुआरियों पर क र्रवाई की है इन जुआरियों पर पत्ते खेलने का भूत उतर जाता है लेकिन इधर कुछ दिनों से प्रशासन की सुस्ती ने जुआरियों की मौज कर दी है। सूचना देने पर यदा-कदा छापेमारी होती है लेकिन फिर उसी स्थान पर जुए का धंधा शुरू हो जाता है। इससे जुआ खेलाने वाले दलालों का नेटवर्क का अंदाजा लगाया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार सदर थाना क्षेत्र के भुईयां टोली, कोर्रा हेट टोला, जबरा श्मसान घाट के पास, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लाखें-चानों खेत का बार्डर, लोहिसंघना के पेलावल, रोमी, शिवपूरी, रामनगर, सदर थाना क्षेत्र के ओकनी, बड़ा बाजार इन सभी जगहो पर जुए का खेल धड़ल्ले से जारी है। लोगों का कहना है कि इन जगहों पर जुआ क ाफी समय से चलता आ रहा है। इस कारण स्थानीय लोगों को क ाफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

दहशत के कारण जुआरियों ने किया शहर का रूख

जहां एक ओर शहर में जुआरियों की मौज है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में जुआरियों में नकाबपोश व लूटेरा गिरोह को लेकर खौफ है। एकांत इलाके के खेतों व मैदानों में जुए का खेल खेलने वालों को नकाबपोश गिरोह ने तीन-चार बार लूटा है। जिससे इनमें दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि चूंकी शहरी इलाके भीड़-भाड़ वाले होते हैं इसलिए यहां नकाबपोश गिरोह का आतंक नहीं है।

इसलिए यहां जुआरी सेफ हैं। गांव में निवास करने वाले जुआरी अब दांव लगाने के लिए शाम होते ही शहर का रूख कर रहे हैं।

वरिष्ठ कांग्रेसियों का विशाल एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित, सुबोधकांत सहाय ने कहा

2024 के चुनाव में मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने का किया जाएगा कार्य

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। रांची रोड स्थित होटअल ओम पैलेस में सोमवार को जिला के वरिष्ठ कांग्रेसियों के एक दिवसीय विशाल सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरूण कुमार सिन्हा, मंजू जोशी, ब्रजकिशोर गांधी, भीम साव, आनंद सिंह, प्रमोद सिंह, पिंकी देवी, डीएन गिरी मौजूद थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी सरकार को उखाड़ फेकने का किया जाएगा कार्य जिला के वरिष्ठ कांग्रेसियों के सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल पूर्व केंद्रीय मंत्री सुंबोधकांत सहाय ने रामगढ़ जिला के वरिष्ठ कांग्रेसियों की बात सुनने के बाद कहा की आप जिला में पार्टी के रीढ़ हैं। कहा की आपके बगैर जिला में पार्टी संगठन अधूरा है। क्योंकि आपलोगों ने जिला में पार्टी के आधार को मजबूत करने का कार्य किया है। श्री सहाय ने कहा की कांग्रेस पार्टी एक ऐसी पार्टी है जो हमेशा सभी को साथ लेकर चलने में यकीन करती है। कहा की मैं पार्टी नेतृत्व के समक्ष आपकी मांगों को रखुंगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा की आप लोगों द्वारा जिला में किये गए कार्यों की वजह से 2029 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी यहां से विजय हुई थी। इसलिए आप सभी निश्चिंत रहे आपको पूर्व की तरह ही पार्टी में सम्मान मिलेगा। पूर्व केंदीय मंत्री ने कहा राज्य की हमने गोला गोली कांड,बड़कागांव की घटना और खूंटी की घटना के बाद जो संघर्ष का रास्ता अपनाया। उसका लाभ 2019 के विधानसभा चुनाव में हमारी गठबंधन को हुआ और ट्रायबल क्षेत्र की 28 में से 26 सीटों पर हमारी गठबंधन ने विजय का पताका लहराया था। वहीं, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा की भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जो जनहित के कार्य बिलकुल भी नही करती। वह केवल लोगों के बीच नफरत का बीज बोकर अपनी राजनीतिक रोटी सेकने का कार्य करती है। कहा की भारतीय जनता पार्टी पिछले 10 वर्ष से केंद्र की सत्ता में है। इस दौरान देश में बेरोजगारी और महंगाई रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ी है। लेकिन केंद्र सरकार इस ओर बिलकुल भी ध्यान नही दे रही है। कहा की कांग्रेस के नेतृत्व में 2024 के लोकसभा चुनाव में केंद्र की सत्ता से भारतीय जनता पार्टी की सरकार को उखाड़ फेकने का कार्य किया जाएगा।

मंचासीन अतिथि

विदेश नीति में भी असफल है केंद्र सरकार

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा की हमारी देश की पारंपरिक नीति रही है की हमने फिलिस्तीन -इजराइल संघर्ष में हमेशा फिलिस्तीन का साथ दिया है। लेकिन जब यूएनओ में इस मामले में वोटिंग हो रही थी तब भारत ने वोटिंग में हिस्सा नही लिया। कहा की यह फिलिस्तीन को लगातार दिये जाने वाले हमारे समर्थन की नीति के विपरित है।

वन विभाग द्वारा हाथियों को जंगल की ओर भेजने में प्रयासरत : आनंद सरस्वती

घनी आबादी में जंगली हाथी

बरही। प्रखंड अंतर्गत करियातपुर एवं बरसोत के घनी आबादी वाले क्षेत्र व गांव के चौराहे में तीन जंगली हाथियों के आने से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है।ग्रामीणों के अनुसार करियातपुर एवं बरसोत में रविवार शाम नौ एवं दस बजे के बीच तीन जंगली हाथियों को देखा गया।उन्होंने बताया कि सभी हाथी अपनी सामान्य गति से बस्ती में घूमते नजर आये।स्थिति की गंभीरता को समझते हुए ग्रामीणों के द्वारा पटाखे भी छोड़े गए।कई लोगों ने पांच हाथियों के आने की बात कही।परन्तु वनपाल अमर आनंद सरस्वती से पूछे जाने पर बताया कि मुख्यरूप से तीन हाथी जंगल का रास्ता भटक जाने के कारण बस्ती में घुस गए है।जिन्हें वन विभाग की टीम के द्वारा जंगल की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है।इसके लिए यथाशक्ति प्रयास किया जा रहा है। हालांकि अभी तक जानमाल की कोई क्षति होने का समाचार नही मिला है।

Govt. of Jharkhand
Department of Information Technology & e-Governance
Jharkhand Mantralaya, Dhurwa, Ranchi-834004.

NIT
(Tender Ref.:- IT/Call Centre-AYASAD/2023/1)

Department of Information Technology & e-Governance invites online bid through e-Procurement process from eligible firms/agencies for "Hiring of Call Center Services-Aapke Yojna Aapke Sarkar Aapke Dwar" on the basis of scope of work as mentioned in Tender document. The bid shall be downloaded/submitted online from the Website http://jharkhandtenders.gov.in. The bidder(s) should have necessary portal enrolment with their own Digital Signature Certificate:

(a)

S. N.	Name of Work	EMD	Cost of Tender Document	Period of Validity
1	"Hiring of Call Center Services- Aapke Yojna aapke Sarkar Aapke Dwar"	Rs. 4,00,000/- (Rupees Four Lakh only) through online.	Rs. 5,000/- (Rupees Five Thousands through online.	180 Days

(b) Period of availability of tenders online date & time bidding on-line/last date of seeking clarification/date of opening of tender papers are as given below:-

S. N.	Contact Details	Place of Opening and Pre-Bid	Availability tender on-line for bidding			Date & Time of opening of Technical Bid
			Bid Downloading Date	Last date for online Pre-Bid query submission	Date and time of Online Bid Submission	
1	Email id: it.egovdept1@gmail.com	Department of Information Technology & e-Governance, 3rd Floor, Project Building, Dhurwa, Ranchi, Jharkhand	From 31/10/2023 to 20/11/2023 at 05:00 PM	10/11/2023 at 05:00 PM	From 31/10/2023 to 20/11/2023 at 05:00 PM	The scheduled date will be notified two days in advance

Sd/-
Under Secretary
PR 310217 Information Technology(23-24)#D Information Technology & e-Governance Ranchi, Jharkhand

बेहतर शिक्षक बन करें राष्ट्र सेवा: डीइओ

खबर मंत्र संवाददाता

हजारीबाग। गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मुकुंदगंज के विवेकानंद सभागार में सोमवार को दो दिवसीय उमंग कार्यक्रम के अंतिम दिन बीएड सत्र 2023-25 के प्रशिक्षुओं को अनुशासन का पाठ पढ़ाया गया। ओरिएंटेशन कम इंट्रोडक्शन सेरेमनी में प्रशिक्षुओं कॉलेज के गाइडलाइन, कोड ऑफ कंडक्टर, तकनीकी पहलुओं, एनएसएस की गतिविधियों, स्कॉलरशिप समेत कई जानकारियों से अवगत कराया गया। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि डीइओ उपेंद्र नारायण ने किया। मौके पर उन्होंने कॉलेज के अनुशासन और यहां प्रशिक्षुओं को मिलनेवाले गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण समेत विभिन्न गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हर गतिविधियों में सहभागी बन विभिन्न विधाओं में पारंगत बनें। उन्होंने प्रशिक्षुओं से बेहतर शिक्षक बन राष्ट्र की सेवा करने का आह्वान किया। बतौर विशिष्ट अतिथि देव कॉलेज ऑफ एजुकेशन हजारीबाग की प्राचार्या डॉ रीतू कुमारी ने कहा कि शिक्षक के कंधों पर बड़ी और चुनौतीपूर्ण जिम्मेवारी है। उस चुनौती को पार करते हुए शिक्षकों के प्रति समाज में बैठी आम अवधारणा को तोड़ने की जरूरत है। डॉ. एस. राधाकृष्णन टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज लारी रामगढ़ के प्राचार्य डॉ शिव कुमार राणा ने कहा कि प्रशिक्षु समर्पित भाव से प्रशिक्षण लें। शिक्षकों के कर्तव्यों को समझें। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अरविंद कुमार ने ट्रेनिंग के बाद अवसर और इससे मिलनेवाले लाभ से प्रशिक्षुओं को अवगत कराया। मौके पर कोड ऑफ कंडक्ट, एंटी रैगिंग सेल, फैकल्टी, एकेडेमिक, आईसीटी, समेत विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी गई।

गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में दो दिवसीय उमंग कार्यक्रम का समापन

संबोधित करते मुख्य अतिथि

बच्चों को पठन-पाठन में किसी तरह की दिक्कत नहीं होने दी जायेगी: विकाश

भुरकुंडा (रामगढ़)। बुध बाजार चीफ हाउस पंचायत के प्राथमिक विद्यालय नेहरु कॉलोनी रिवर साइड सौन्दा में सोमवार को छात्र-छात्राओं की बीच स्कूल ड्रेस सहित अन्य सामग्रियों का वितरण किया गया। इस दौरान पंचायत के मुखिया विकाश पांडेय ने विद्यालय के कक्षा वन से टू के 11 छात्र-छात्राओं के बीच झारखंड सरकार द्वारा प्राप्त दो-दो सेट शर्ट व पैंट, जुता और बालिकाओं के लिए स्कट व स्वेटर वितरण किया। मौके पर मुखिया विकास पांडेय ने कहा कि ठंड को देखते हुए विद्यार्थियों के बीच स्कूल ड्रेस एवं स्वेटर का वितरण किया गया। ताकि बच्चों को ठं डमें विद्यालय आने में दिक्कत न हो।

दारू ब्लॉक में उत्पादित सब्जियां अंतरराष्ट्रीय बाजारों को कर रही है आकर्षित

खबर मन्त्र संवाददाता

दारू। दारू प्रखंड के अंतर्गत विभिन्न पंचायत में पट्टे पर जमीन लेकर व्यावसायिक रूप से सब्जी पैदा करने वालों का प्रिय स्थल बना हुआ है। दारू,पुनाई ,काबिलासी ,ईरगा सहित अन्य पंचायतों में बहुत बड़े पैमाने पर सब्जियों का उत्पादन किया जा रहा है जिसमें उन्नत किस्म की टमाटर, पत्ते गोभी, फूल गोभी, शिमला मिर्च , तीखा मिर्च,बींस, आलू सहित विभिन्न प्रकार के सब्जियों का उत्पादन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। दारू ब्लॉक पूरे हजारीबाग क्षेत्र के विभिन्न ब्लॉकों के लोगों को बराबर सब्जी का व्यवसाय करने के लिए आकर्षित कर रहा है। व्यवसायी बताते हैं कि उनका उत्पादन किया हुआ सब्जी विभिन्न राज्यों में बराबर सप्लाई किया जाता है जिसमें दिल्ली, बिहार ,पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश इत्यादि और कई राज्य शामिल है। एक ऐसे हि व्यवसाय जिनका नाम विनोद कुमार है जो कि शीला इचाक से दारू ब्लॉक में पेट्टे पर खेती करते हैं। उन्होंने बताया कि हमारा उत्पादन किया हुआ सब्जी केवल राज्यों तक सीमित नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी यहां कि उत्पादित सब्जियां सब्जियां पहुंच रही है। जैसे बांग्लादेश भूटान नेपाल यहां तक की पाकिस्तान तक हमारे इलाके में उपजाई हुई सब्जियां पहुंच रही है आधुनिक उपकरणों और व्यवस्थित संसाधनों के साथ अगर खेती किया जाए तो यह एक बहुत ही लाभकारी और बेहतर व्यवसाय है।

खेतों में लगी सब्जी

कार्यालय जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, हजारीबाग (जिला निर्वाचन शाखा)

मतदाताओं के लिए आम-सूचना

एतद् द्वारा हजारीबाग जिला के नागरिकों को सूचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के पत्रांक 23/2023/ERS(III) दिनांक 29.05.2023 एवं पत्रांक 23/2023/ERS(III) दिनांक 25.09.2023 तथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी–सह–सचिव, मंत्रिमण्डल (निर्वाचन) विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 4090 दिनांक 05.10.2023 के द्वारा दिनांक 01.01.2024 को अर्हता तिथि मानते हुए मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम, 2024 के तहत् मतदाता सूची में पंजीकरण, सुधार आदि करने हेतु निम्नवत् तिथि निर्धारित की गई है :–

क्र0	पुनरीक्षण का कार्यक्रम	निर्धारित अवधि
1	एकीकृत मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन	27.10.2023 (शुक्रवार)
2	मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने, शुद्ध करने तथा स्थानान्तरित करने हेतु दावा एवं आपत्ति प्राप्त करने की अवधि	27.10.2023 (शुक्रवार) से 09.12.2023 (शनिवार) तक
3	विशेष अभियान दिवस	1) दिनांक 28.10.2023 (शनिवार) 2) दिनांक 29.10.2023 (रविवार) 3) दिनांक 04.11.2023 (शनिवार) 4) दिनांक 05.11.2023 (रविवार)
4	दावा एवं आपत्ति का निष्पादन	26.12.2023 (मंगलवार) तक
5	मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन	05.01.2024 (शुक्रवार)

पुनरीक्षण अवधि में आम नागरिक निम्न सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं :–

- दिनांक 01.01.2024, 01.04.2024, 01.07.2024 एवं 01.10.2024 की अर्हता तिथि को मतदाता बनने की योग्यताधारी नागरिक मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करने हेतु प्रपत्र–6 में रंगीन फोटो तथा आयु एवं निवास प्रमाण पत्र के साथ अग्रिम आवेदन कर सकते हैं।
- मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करने हेतु प्रवासी भारतीय प्रपत्र–6क में आवेदन कर सकते हैं।
- मतदाता सूची में नाम विलोपन हेतु प्रपत्र–7 में आवेदन कर सकते हैं।
- मतदाता सूची में प्रविष्टयों का सुधार, EPIC प्रतिस्थापन, दिव्यांगन चिन्हांकित करने, विधानसभा के अन्दर अथवा बाहर निवास स्थानांतरण हेतु प्रपत्र–8 में आवेदन कर सकते हैं।
- दावा एवं आपत्ति आवेदन (विहित प्रपत्र–6, 6क, 7 एवं 8) में आवेदन समर्पित करने की अवधि दिनांक 27.10.2023 से 09.12.2023 तक निर्धारित है, इस दौरान सभी प्रकार के आवेदन BLO/AERO/ERO के कार्यालय में समर्पित किया जा सकता है। सभी प्रपत्र निःशुल्क है।
- दिनांक 28.10.2023, 29.10.2023, 04.11.2023 एवं 05.11.2023 को सभी मतदान केन्द्रों पर विशेष अभियान आयोजित किया जा जायेगा। अभियान दिवस में मतदान केन्द्रों पर बी0एल0ओ0 के द्वारा पंजीकरण/सुधार आदि हेतु दावा एवं आपत्ति प्रपत्र प्राप्त किये जाएंगे।
- विभाग के निदेशानुसार आयोग के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विशेशकर **Transgender, Particularly Vulnerable Tribal Groups (PVTGs), Sex Workers, 80+** आयु वर्ग, दिव्यांगजन, **Homless People,** आश्रय गृहों में निवास करने वाले सभी पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शत–प्रतिशत निबंधन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिनांक 28.11.2023 से 03.12.2023 तक समावेशी सप्ताह (**Inclusive Week**) का आयोजन किया जाएगा।
- सभी प्रपत्रों का Online आवेदन **www.nvsp.in** एवं भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के **Voter Help Line App** एवं **voterportal.eci.gov.in** के माध्यम से किया जा सकता है।
- सभी प्रपत्र भारत निर्वाचन आयोग के वेबसाईट **eci.gov.in** अथवा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखण्ड के वेबसाईट **ceo.jharkhand.gov.in** पर भी उपलब्ध है।
- प्रपत्रों में अपना ईमेल आईडी एवं मोबाईल नं0 अवश्य लिखें ताकि आयोग द्वारा निर्वाचन से संबंधित गतिविधियों से आपको अवगत कराया जा सके।
- मतदाता सूची में नाम निबंधित/सुधार करने एवं इससे संबंधित किसी प्रकार की सहायता एवं जानकारी हेतु **Toll Free No. 1950** पर सम्पर्क कर सकते हैं।
- प्रपत्रों में अपना ईमेल आईडी एवं मोबाईल नं0 अवश्य लिखें ताकि आयोग द्वारा निर्वाचन से संबंधित गतिविधियों से आपको अवगत कराया जा सके।

इस आम सूचना से भी नागरिकों को सूचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुरूप योग्य नागरिक अपने मतदान केन्द्र क्षेत्र के बी0 एल0ओ0/ ए0ई0आर0 ओ0/ई0आर0ओ0 कार्यालय से विहित प्रपत्र प्राप्त कर मतदाता सूची में निबंधन/संशोधन हेतु अपना आवेदन समर्पित करें।

सभी राजनीतिक दल, हजारीबाग जिला के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संस्थान के प्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध नागरिकों से अपील है कि इस कार्यक्रम का अपने स्तर से भी व्यापक प्रचार–प्रसार करेंगे एवं वैसे सभी योग्य नागरिक जो 18+ आयुवर्ग के हैं, का नाम मतदता सूची में निबंधित कराने हेतु अपना अमुल्य सहयोग प्रदान करेंगे।

सभी नागरिकों की भागीदारी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपेक्षित है।

!! आईए हम भी लोकतंत्र में अपनी भागीदारी निभायें, मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करायें !!

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, हजारीबाग।

PR.NO.310181 Election(23-24):D

पोलो भोपाल-पटौदी कप में जिन्दल पैंथर ने अचीवर्स ब्ल्यू को 11-7 से हराया

खबर मन्त्र संवाददाता

बासल (रामगढ़)। अर्जुन पुरस्कार विजेता सिमरन शेरगिल और समीर सुहाग के आक्रामक खेल की बदौलत जिन्दल पैंथर टीम ने सोमवार को बेहद रोमांचकारी मैच में पिछले साल के पोलो चैम्पियन अचीवर्स ब्ल्यू को भोपाल-पटौदी कप के फाइनल मैच में 7 के मुकाबले 11 गोल से हरा दिया। दिल्ली के जयपुर पोलो ग्राउंड में आयोजित इस मैच में दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और दर्शकों को अंत तक अपने कौशल से बांधे रखा। जिन्दल पैंथर की टीम ने अपनी रणनीति में नए आयाम जोड़ते हुए खेल के हर क्षेत्र में अपनी बढ़त बनाए रखी और अचीवर्स ब्ल्यू टीम पर पूरे मैच में हावी रही। जिन्दल पैंथर की ओर से सिमरन शेरगिल ने 4, समीर सुहाग ने 1 और सिद्धांत शर्मा ने 6 गोल किये। जबकि अचीवर्स ब्ल्यू की ओर से डैनियल ऑटमेंडी और रेहत विर्क ने 1-1 और अभिमन्यु पाठक ने 5 गोल किये। ज्ञात हो की इस महीने जिन्दल पैंथर पोलो कप जीतने के बाद टीम जिन्दल पैंथर की यह लगातार चौथी जीत है।

पोलो खेल के लिए भोपाल-पटौदी कप एक प्रतिष्ठित पदक है। टीम जिन्दल पैंथर को यह पदक भारतीय सेना के प्रमुख जनरल मनोज पांडेय ने प्रदान किया। वहीं जानी-मानी फिल्म अभिनेत्री पद्मभूषण शर्मिला टैगोर ने एचीवर्स ब्ल्यू को रनर-अप ट्रॉफी प्रदान कर पुरस्कृत किया।

अतिथियों के साथ विजेता टीम जिन्दल पैंथर के खिलाड़ी

स्पीड न्यूज

आनंद छोंनको टोप्पो के निधन पर शोक

बेड़ो। बेड़ो गुमला रोड निवासी भारत संचार निगम लि. रांची एसआरटीओ के पद से सेवानिवृत्त आनंद छोंनको टोप्पो का रविवार की शाम साढ़े चार बजे इलाज के दौरान निधन हो गया। वे अपने पीछे दो पुत्र अनिल टोप्पो व अनूप टोप्पो तीन पुत्री अनुराधा टोप्पो, अरुणा टोप्पो व अर्चना टोप्पो तथा पत्नी चंद्रमनी देवी समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गए। अंतिम संस्कार सोमवार को बाजार टांड़ स्थित गांव के मसना में सरना रीति-रिवाज के साथ मिट्टी दिया गया। अंतिम यात्रा में राकेश भगत, धनंजय कुमार राय, जुगेश उरांव, शिशिर लकड़ा, सुका उरांव, जगरनाथ भगत, मुखिया सुशांति भगत मनोज लकड़ा, देवनिश तिग्गा, अनिल मिंज, प्रमोद सिंह, बुदा उरांव, मंगा पहान, 21 पड़ाहा राजा महादेव कुजूर, प्रभात टोप्पो, संजय कुमार राय शामिल हुए।

नगड़ी प्रखंड परिसर में जागरूकता कार्यक्रम आज से

पिस्कानगड़ी। नगड़ी प्रखंड परिसर में 31 अक्टूबर से तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में मल्टीमीडिया प्रदर्शनी, केंद्र सरकार की विशेष योजनाओं से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम, लोकगीत एवं नाटक के साथ फोटो प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जायेगा। इसमें झारखंड के स्वतंत्रता सेनानियों के लिए विशेष गैलरी भी बनायी जाएगी। कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय, इग्नू, एड्स सोसायटी इंडिया, ट्राइफेड के स्टॉल लगाए जाएंगे, जिसमें लोगों को जानकारी दी जायेगी। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक करेंगे। वहीं कार्यक्रम में सांसद संजय सेठ, महुआ माजी सहित अपर महानिदेशक निखिल कुमार मिश्रा शामिल होंगे।

काली पूजा को लेकर छोटामुरी में बैठक

मुरी। सिल्ली प्रखंड के छोटा मुरी में रविवार के दिन तरुण संघ काली पूजा कमेटी की ओर से क्लब नंबर 17 के प्रांगण में काली पूजा को लेकर अरविंद पाल की अध्यक्षता में बैठक हुई। संचालन आनंद महतो ने किया। कमेटी के लोगों ने पूजा धूमधाम से मनाने को लेकर विचार किया। विगत वर्ष का लेखाजोख प्रस्तुत करने के बाद नई कमेटी का गठन किया गया। इसमें संरक्षक हेमंत पाल, अध्यक्ष अरविंद कुमार, उपाध्यक्ष राजेश कुमार, सचिव सोनू सिंह, उपसचिव सोनू प्रसाद, कोषाध्यक्ष जितेंद्र महतो, उप कोषाध्यक्ष लखन प्रसाद, संगठन सचिव सुनील प्रसाद को चुना गया।

सीओ ने किया अनुदान राशि का वितरण

बुढ़मू। राजीव गांधी उच्च विद्यालय बुढ़मू में सोमवार को सीओ शंकर कुमार विद्यार्थी द्वारा शिक्षकों एवं विद्यालय के कर्मियों के बीच झारखंड सरकार द्वारा अनुदान में मिली राशि का वितरण किया गया। शिक्षकों के बीच सात लाख बीस हजार रुपए की राशि के चेक का वितरण किया गया। मौके पर सीओ ने कहा कि शिक्षकों को अनुदान मिलने से ग्रामीण क्षेत्र में विद्यार्थियों को कम शुल्क में बेहतर शिक्षा उपलब्ध हो जाती है।

गांव की बेटियों ने दिखाया दमखम, जीता सिल्वर मेडल

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर अखिल भारतीय खोखो प्रतियोगिता

खबर मन्त्र संवाददाता

खोखो प्रतियोगिता में सिल्व मेडल जीतने वाली छात्राएं।

ओरमांझी। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर अखिल भारतीय खोखो खेलकूद प्रतियोगिता में क्षेत्र की सुदूर गांवों की बेटियों ने अपना दमखम दिखाया और इस प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल अपने नाम कर लिया। ये सभी खिलाड़ी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कुल्ही ओरमांझी की छात्रा हैं और कुच्चू, कुल्ही व पतराटोली गांव में रहती हैं। 27 से 30 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के सागर जिला में आयोजित 34वां सरस्वती शिशु विद्या मंदिर अखिल भारतीय खो-खो प्रतियोगिता में बिहार-झारखंड क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने मध्य भारत, पूर्वोतर भारत, पक्षिमी क्षेत्र व उत्तर-पूर्व क्षेत्र को हराकर फाइनल में पहुंची थी। फाइनल में हुई संघर्षपूर्ण मुकाबले में उतर क्षेत्र मेरठ की टीम से हार गई और दूसरा स्थान पर रही।

इसकी जानकारी देते हुए विद्यालय के प्राचार्य जय प्रकाश ने बताया पूरे भारत में 32 हजार सरस्वती शिशु विद्या मंदिर है। 10 क्षेत्र में होता है अखिल भारतीय प्रतियोगिता। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कुल्ही ओरमांझी झारखंड कोडरमा में आयोजित प्रांत स्तरीय में गोल्ड जीतने के बाद बिहार के फारबिसगंज में क्षेत्र स्तरीय खो खो खेलकूद में भी प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड जीत ली थी, जिसके बाद बिहार-झारखंड क्षेत्र से उनका चयन अखिल भारतीय खेलकूद प्रतियोगिता में हुआ था। सिल्वर मेडल जीतने पर राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू, विद्यालय के अध्यक्ष बिरजू महतो, सचिव चन्नू महतो, प्राचार्य जयप्रकाश, उपाध्यक्ष शशि भूषण, सुरेंद्रनाथ महतो, विजय आनंद कालेश्वर महतो, कोशिंदर महतो के साथ कई लोगों छात्राओं को बधाई दी है।

कैसे मिली खिलाड़ियों को सफलता

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कुल्ही की छात्राओं को खो-खो का प्रशिक्षण रामप्रकाश महतो द्वारा दी गई। अप्रैल माह से प्रशिक्षण शुरू हुआ और मात्र छह माह के प्रशिक्षण में ही प्रांत, से क्षेत्र और अब अखिल भारतीय प्रतियोगिता जीत ली है। लौटने पर सभी छात्राओं को स्वागत किया जाएगा। इसकी तैयारी विद्यालय के की जा रही है।

राज्यसभा सदस्य ने की थी मदद

ओरमांझी प्रखंड क्षेत्र की यह इन बेटियों में ज्यादातर गरीब परिवार से हैं। प्रांत में गोल्ड जीतेने के बाद क्षेत्र प्रतियोगिता व अखिल भारत प्रतियोगिता में खेलने जाने की सुविधा नहीं थी। इसकी जानकारी मिलने पर राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू द्वारा जाने आने की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी।

खेल-खिलौने प्रतियोगिता में सोनाहातू की छात्रा अव्वल

खबर मन्त्र संवाददाता

सोनाहातू। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सोनाहातू की छात्रा मीरा पांडेय ने स्थानीय खेल खिलौने प्रतियोगिता पर अपना प्रदर्शन किया, जिसमें पूरे झारखंड से 24 जिलों के प्रतिष्ठित निजी और सरकारी विद्यालयों की छात्राओं ने प्रदर्शन किया था। इस कठिन प्रतियोगिता में मीरा पांडेय ने प्रथम स्थान लाकर अब राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दिल्ली जाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी। मीरा ने एक वर्ष से तीन वर्ष के बच्चों के तीन पहिया चक्का वाले गाड़ी और लड़की का बाजा बनाकर अपना प्रोजेक्ट का प्रदर्शन किया था, जिसमें मार्गदर्शक शिक्षिका सरोजिनी टोप्पो और शशि बाड़ा थी। मीरा के प्रदर्शन पर वार्डन शशि बाड़ा, सरोजिनी टोप्पो, फुलमनी बाड़ा, सौरभ कुमार सिंह और कृष्ण चंद्र महतो ने बधाई दी है और राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने की कामना की है। मीरा पांडेय हेसाहातू निवासी स्व मनोरंजन पांडेय की पुत्री है।

देश का नंबर वन राज्य बनेगा झारखंड : डॉ महुआ माजी

- जेसीआरटी में आयोजित कला उत्सव का समापन 20 को मिला प्रमाण पत्र

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। जेसीआरटी में आयोजित दो दिनी राज्य स्तरीय कला उत्सव समाप्त हो गया। समापन समारोह में राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी बतौर मुख्य अतिथि तथा विधायक नेहा शिल्पी तिर्की व पद्मश्री मधु मंसुरी हंसमुख विशिष्ट अतिथि थे। इन्होंने विभिन्न विधाओं में चयनित 20 प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और ज्यूरी के सदस्यों को प्रतीक चिन्ह भेंट किये। इससे बच्चों के चेहरे खिल उठे। डॉ महुआ माजी ने कहा कि झारखंड कला के क्षेत्र में देश का नंबर वन राज्य बनेगा। उत्सव के दौरान मानवीय संवेदनाओं पर आधारित प्रस्तुति को बेमिसाल बताते हुए उन्होंने भुवनेश्वर में आयोजित होने वाले फाइनल मुकाबले में राष्ट्रीय स्तर पर राज्य को नयी पहचान मिलने का दावा किया।

प्रदर्शनी का किया अवलोकन

प्रदर्शनी का अवलोकन कर अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा को सराहा। साथ ही उन्होंने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। स्वागत भाषण राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग ने दिया। संचालन जय होरो, अभिलाषा और सीडी सिंह ने की, जबकि धन्यवाद ज्ञापन उप निदेशक एम सिंह ने दिया। मौके पर सहायक उप निदेशक बीबी सिंह, कलावती कुमारी, अर्चना सोरेंग, टी जहां व राजीव रंजन मौजूद थे।

ये हैं चयनित प्रतिभागी

शास्त्रीय संगीत के बालक वर्ग में पूर्वी सिंहभूम के कुशल व बालिका में देवघर की अनुरूपा मंडल। लोक संगीत के बालक वर्ग में सिमडेगा के संजीवन और बालिका में हजारीबाग की श्रुति कुमारी। संगीत वादन के बालक वर्ग में हजारीबाग के ओमकार व बालिका में रांची की लक्ष्मी कुमारी। स्वर वाद्य के बालक वर्ग में सिमडेगा के रामा मुंडा व बालिका में बोकारो की नेहा कुमारी। शास्त्रीय नृत्य के बालक वर्ग में रांची के आयुष कुमार व बालिका में जामताड़ा की नूपुर गोराई। लोक नृत्य के बालक वर्ग में पूर्वी सिंहभूम के विकास महली व बालिका में हजारीबाग की पूजा मुर्मू। दृश्य कला के बालक वर्ग में रांची के ऋतुराज व बालिका में पूर्वी सिंहभूम की सपना। दृश्य के बालक वर्ग में रामगढ़ के गोकुल दास व रांची की प्रतिभा कुमारी। स्थानीय खिलौने व खेल में रांची के अचिन व मीरा पांडेय तथा नाटक एकल अभिनव में पूर्वी सिंहभूम जिले के धनराज और कोडरमा की तान्या कुमारी ने उत्सव के एक-एक पल को यादगार बताया।

प्रेरणास्रोत बनेंगे प्रतिभागी : शिल्पी

सुश्री तिर्की ने कहा कि प्रतिभागी, राज्य में बच्चों के लिये प्रेरणास्रोत बनेंगे। उन्होंने सरकार की ओर से सूबे में चल रही कई कल्याणकारी योजनाओं के लिये मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमकर तारीफ की।

पलायन की समस्या चिंतनीय : पद्मश्री

श्री मंसुरी ने खनिज संपदाओं से परिपूर्णता के बावजूद झारखंड में पलायन की समस्या को चिंतनीय बताया। उन्होंने कमियां गिनाते हुये बोरिंग के लिये आंध्रप्रदेश पर निर्भर रहने की आलोचना की और राज्य में मेडिसिन और कागज फैक्ट्री खोले जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन विषयों पर अमल किया जाये तो हमारे झारखंड से पलायन की समस्या दूर हो जाएगी।

धान में झुलसा बीमारी का परीक्षण करने खेत में पहुंचे कृषि विशेषज्ञ

किसानों को हुआ है काफी नुकसान

खबर मन्त्र संवाददाता

सोनाहातू। प्रखंड के चोगा, दिरसीर और ठुगरूडीह गांव में धान फसल पर झुलसा बीमारी फैल रहा था। आपके अपने अखबार खबर मन्त्र ने इसे प्रमुखता से छापा था। झुलसा बीमारी से किसानों को भारी नुकसान होने का अनुमान है। बीमारी के रोकथाम को लेकर जिला कृषि पदाधिकारी के निर्देश पर कृषि विशेषज्ञ की टीम गांव पहुंचकर बीमारी का परीक्षण किया। किसानों को आश्वस्त किया गया कि जल्दी ही बीमारी से निजात दिलाई जाएगी। किसानों को दवा बताई गई और तत्काल छिड़काव करने को कहा गया। ज्ञात हो कि कुछ दिन पहले कई धान के खेत में झुलसा रोग लग गया था। कृषि विशेषज्ञ ने बताया कि इससे धान में लगे ढुलसा बीमारी को एक हद तक रोका जा सकता है। टीम में पौधा संरक्षण निरीक्षक रांची संजीव कुमार सिन्हा, पौधा संरक्षण प्रवेक्षक समीर रंजन, बीएओ सोनाहातू विष्णु खंडित, बीटीएम दीनानाथ भगत आदि शामिल थे।

एनके जीएम ऑफिस के समक्ष संयुक्त मोर्चा का धरना

रखी कई मांगें

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। एनके एरिया में उतपन्न अराजकता के संबध में केंद्रीय श्रम संगठन के प्रतिनिधि ने कहा कि एन के प्रबंधन का मजदूरों के कार्य के प्रति उदासीन रवैया, झूठा आश्वासन एवं यूनियन के बिना सहमति के मनमाने तरीके से कार्य करने के चलते उत्पन्न अराजक स्थिति को देखते हुए क्षेत्र में कार्यरत केंद्रीय श्रम संगठनों की बैठक डकरा में हुआ। बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि संडे एवं पी एच डी में कोई कटौती नहीं किया जायए संडे पूर्व की भांति बिना शर्त चलवाया जाय। मजदूरों के कल्याण एवं अन्य मद में वित्तीय वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में कुल फंड रिविन्यु एवं कैपिटल में आया। वह कहां कहां खर्च हुआ। उसका एक्शन का विवरण उपलब्ध करवाया जाय तथा इसे भी स्पष्ट किया जाय। जिसमे उक्त कार्य के लिए कल्याण समिति की बैठक कर प्राथमिकता तय करेगी। वार्षिक रख रखाव का कार्य पूरे क्षेत्र में कहा चल रहा है। इसकी पूर्ण जानकारी खर्च के विवरण के साथ दिया जाय। मजदूरों के आवास की मरम्मत एवं अन्य आवश्यक कार्य निर्वाध रूप से किया जाय।

योग्य मजदूरों को दी जाये प्रोन्नति

मुख्यालय के निदेर्शानुसार सभी योग्य मजदूरों की पदोन्नति एक नवंबर कोल इंडिया स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर करना सुनिश्चिता किया जाय। एक भी योग्य मजदूर छूटना नही चाहिए। के डी एच पी ओ कार्यालय से होकर मोनेट के सामने से होते हुए रोहिणी एवं पूणार्डीह जाने वाली सड़क को अविलम्ब मरम्मति करवाते हुए प्रदूषण मुक्त करवाया जाये। सयुक्त मोर्चा के द्वारा उपरोक्त मांगो पर अविलम्ब निष्कर्ष निकाला जाय। उक्त मांगो पर विचार कर एक सप्ताह के अंदर समाधान नही किया जाता है तो हम सभी केंद्रीय श्रम संगठन दिनांक 08 नवम्बर को महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना देंगे। इसकी सारी जबाबदेही एन के सीसीएल प्रबंधन की होगी।

एक नजर में

सिमलिया से स्कॉर्पियो की चोरी

रातू। थाना क्षेत्र में अपराधिक गिरोह के आतंक से लोग भयभीत हैं। कोई भी दिन ऐसा नहीं जब चोरी की तीन से चार घटनाएं न होती हो। रविवार की रात सिमलिया हाजी चौक स्थित रिंग रोड किनारे मकान के बाहर खड़ी काले रंग के स्कार्पियों जेएच 01 ईजी 0602 को निशाना बनाया। मामले को लेकर भुक्त भोगी अजीज अंसारी की ओर से थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। पुलिस इसकी जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। घटनास्थल का कॉल डंप भी कराया जायेगा।

कैसे घटी घटना : अजीज अंसारी का चौक के ठीक सामने नर्सरी है। रात के 9 बजे खाना खाने के बाद वह सो गये। रोज की तरह घर के आंगन में गाड़ी खड़ी थी। एक बजे पुत्र असलम अंसारी शौच के लिये उठाए तब स्कार्पियो खड़ी थी। सुबह जब लोग उठे, तो गाड़ी को गायब पाकर उनके होश उड़ गये। इसके बाद थाने को सूचना दी गयी।

तमाड़ : लखटकिया फुटबॉल टूर्नामेंट में आठ टीमों ने लिया हिस्सा

तमाड़। प्रखंड क्षेत्र के बिरडीह हाई स्कूल मैदानमें सोमवार को एक दिवसीय लखटकिया फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों ने हिस्सा लिया वहीं मेले में अतिथि आजसू गोमिया विधायक लंबोधर महतो, आजसू केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत, हरेलाल महतो, रामदुर्लभ सिंह मुंडा, विजय सिंह मानकी, प्रखंड अध्यक्ष जगदीश गुप्ता, श्याम महतो राजकिशोर कुशवाहा आदि शामिल हुए। अपने संबोधन में अतिथियों ने कहा खेल को खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलना चाहिए। खेल का उद्घाटन मैच एफसी आर्यभट और आरआर स्पोर्टिंग क्लब के बीच खेला गया। तथा फाइनल मैच मुंबई सिटी एफसी और तमाड़ परिषद तमाड़ के बीच हुआ। जिसमें ट्राईब्रेकर में मुंबई सिटी एफसी विजेता की टीम विजेता बनी। अतिथियों ने विजेता टीम को एक लाख एक रुपए तथा उपविजेता टीम को अस्सी हजार एक रुपए देकर सम्मानित किया।

माकपा लोकल कमेटी की बैठक

सिल्ली। सिल्ली मुरी लोकल कमेटी के बैठक सोमवार के दिन बड़ामुरी सीपीआईएम कार्यालय में संपन्न हुई हुई। इस बैठक की अध्यक्षता कामरेड संतोष कुम्हार ने किया‌ए उन्होंने कहा की आगामी दिनांक 17 नवंबर 2023 को बुंडू में हो रही विशाल रैली के विषय में बातें बताई।

खेल युवाओं को सहयोग का देता है संदेश

- सीसीएल अंतर क्षेत्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू

खबर मंत्र संवाददाता

खलारी। सीसीएल मुख्यालय रांची की ओर से एनके एरिया क्षेत्र में आयोजित नौ दिवसीय अंतर क्षेत्रीय 20-20 क्रिकेट टूर्नामेंट सोमवार को डकरा स्टेडियम में समारोह पूर्वक किया गया। एरिया के उप महाप्रबंधक केके झा ने झंडोत्तोलन कर व खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। इसके पूर्व उपमहाप्रबंधक एवं सीसीएल के खेल अधिकारी आदिल हुसैन को क्षेत्र के कार्मिक अधिकारी नवनीत शेखर ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। उद्घाटन समारोह में कंपनी के कारपोरेट गीत के साथ सतर्कता जागरूकता का शपथ लेकर भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने संकल्प लिया गया। इस मौके पर उप प्रबंधक केके झा ने कहा कि खेल युवाओं को सहयोगए समर्पणएअनुशासन व मैत्री भाव का संदेश देते हैं। खेलों से समूह में कार्य करने की भावना विकसित होती हैए जो व्यक्ति के जीवन पर्यंत काम आती है। इस दौरान उन्होंने कहा खेल को खेल भावना से खेला जाना चाहिए खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा हो लेकिन खेल के प्रतिद्वंदियों में कटुता की भावना नहीं होनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन अशोक कुमार एवं एए रशीद उर्फ पिंटू ने संयुक्त रूप से किया।

मौके पर थे मौजूद

मौके पर पीओ जितेंद्र कुमार सिंह अनुज कुमार अनिल कुमार सिंहए एफएम मिथिलेश कुमार के अलावे लोकनाथ राणा, सुजीत रंजनए नवनीत शेखर, आलोक जोजोवर, निखिल अखौरी, ओमप्रकाश शर्मा, सुनील प्रजापति आदि मौजूद थे। प्रतियोगिता में कुल चार मैच खेले गए। एनके, हजारीबाग, रांची मुख्यालय और आम्रपाली ने अपने अपने मैच जीते।

ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ ने की गेट मीटिंग

मुरी। मुरी रेलवे जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या दो पर लॉबी के समीप ऑल इंडिया लोगो रनिंग स्टाफ के केंद्रीय कार्यकारिणी के निदेर्शानुसार सोमवार के दिन रेलवे बोर्ड के द्वारा निर्गत पत्र के मौलिक तथ्यों को गलत तरीके से निर्गत कर लागू करने के आदेश के विरोध में प्रातरू 10 बजे से 12 बजे तक शांतिपूर्ण तथा लोकतांत्रिक तरीके से एवं रेल परिचालन को बिना बाधित किए हुए ।प्स्रै। के सदस्यों द्वारा गेट मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग के दौरान रनिंग कर्मचारियों ने बताया कि आरबीआई के पत्र में सीभीभीआरएस भी लागू करने का आदेश है जो रनिंग कर्मचारियों के निजता का हनन है। कर्मचारियों ने बताया कि 104 घंटे प्रति एसपेल में ड्यूटी कराया जाता था जो नए नियम के तहत 125 घंटा कर दिया गया है। 36 घंटा में मुख्यालय लौटते थे जो अब 72 घंटा का कर दिया गया हैए ड्यूटी 9 घंटा के बदले 11 घंटा कर दिया गया हैए लोको का सीट और कैब में सुधार नहीं किया जा रहा है जबकि सीसीभी आरएस लगाकर कर्मचारियों को अनावश्यक तरीके से परेशान किया जा रहा है।

परंपरा और संस्कृति से है आदिवासियों की पहचान : बाबूलाल मरांडी

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर। राज्य में यदि भाजपा की सरकार बनी तो मैं यहां पहुंचने वाले सभी श्रद्धालुओं को आश्वस्त करता हूं कि यह जो आदिवासियों का मिलन स्थल ऐतिहासिक है इसके विकास के लिए मैं पूरा ध्यान दूंगा। उक्त बातें राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मुख्य अतिथि के तौर पर दो दिवसीय ऐतिहासिक मुड़मा जतरा के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की पहचान उनकी परंपरा और संस्कृति ही है। यदि हम आने वाली पीढ़ी को इस सहेज कर नहीं सौंपेंगे तो आदिवासी की बातें बस किताबों में ही सिमट कर रह जाएगी। जतरा स्थल तक पहुंचने वाले हम सभी लोगों की यह जिम्मेवारी है कि हम अपनी संस्कृति और परंपरा को आने वाली पीढियां को सौंपें। इस दौरान धर्म गुरु बंधन तिग्गा ने यहां के जर्जर संस्कृतिक भवन को दिखाते हुए एक नए भवन की मांग की पर अभी राज्य में हमारी सरकार नहीं है फिर भी यह हमारी कोशिश होगी कि केंद्र सरकार के द्वारा तत्काल यहां एक भवन का निर्माण कराया जाए। वहीं दूसरी ओर असम के कोकर झाड़ से पहुंचे सांसद नव कुमार सारनिया ने कहा आदिवासियों की पहचान ही उनकी संस्कृति है साथ ही संस्कृति के साथ-साथ सरना कोड भी आदिवासियों की पहचान है। मौके पर धर्मगुरु बंधन तिग्गा ने इस जतरा की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह शक्ति खूंटा मुंडा और उरांव का मिलन स्थल है। यह प्राचीन काल में प्रचलित आदिवासियों की पड़हा व्यवस्था का एक प्रतीक को दशार्ता है। इससे पूर्व मुड़मा स्थित पुराने पड़हा भवन में 40 पड़हा के पहान, महतो, पुजार, कोटवार, पंवारिया एकत्रित हुए और वहां से शक्ति खूंटा पहुंचे। शक्ति खूटा की परिक्रमा करने के बाद विधिपूर्वक चालीसा पड़हा के पहांन द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। इसके बाद जतारा का उद्घाटन किया गया।

ड्रोन कैमरे से प्रशासन की रहेगी नजर

जतरा की सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं जतरा का संचालन सफलता पूर्वक हो इसके लिए प्रशासन की ओर से 1500 अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। वहीं जतरा संचालन समिति की ओर से 1000 स्वयंसेवक भी तैनात हैं। पूरे जतरा परिसर में 15 वाच टावर लगाए गए हैं। साथ ही सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे से भी जतरा स्थल के चप्पे चप्पे पर प्रशासन की नजर रहेगी। डीएसपी अंकिता राय तथा डीएसपी राजत मणि बकाला के नेतृत्व में प्रशासन के लोग लगातार जतरा स्थल के सफल संचालन में लगे हुए हैं।

कार्यक्रम में थे मौजूद

मौके पर स्थानीय सांसद सुदर्शन भगतए हटिया विधायक नवीन जायसवाल भजापा युवा नेता सन्नी टोप्पो नेपाल से किसू उरांव प्रदेश अध्यक्ष रावी तिग्गा राष्ट्रीय महासचिव विद्या सागर केरकेट्टा बंगाल से भगवान दास मुंडा अंडमाननिकोबार से प्रदीप कुमार एक्का सूर्य देव उरांवए बीसू उरांव प्रदेश अध्यक्ष राम किशन उरांव अध्यक्ष जगराम उरांव चारो उरांव 21 पडहा के राजा बंदे उरांव मनोज उरांव प्रवक्ता संजय पहन एस अली साकिर इस्लाही आबिद अंसारी बाबू पाठक मुखिया बंधन उरांव कमले उरांव राम किशुन उरांव राबुल अंसारी सहित अन्य मौजूद थे।

विचार और चिंतन

देश रत्न पटेल ने कहा था.....

मेरी एक ही इच्छा है कि भारत एक अच्छा उत्पादक हो और इस देश में कोई भूखा ना हो ,अन्न के लिए आंसू बहाता हुआ।

शक्ति के अभाव में विश्वास किसी काम का नहीं है। विश्वास और शक्ति , दोनों किसी महान काम को करने के लिए अनिवार्य हैं।

एकता के बिना जनशक्ति शक्ति नहीं है जबतक उसे ठीक तरह से सामंजस्य में ना लाया जाए और एकजुट ना किया जाए, और तब यह आध्यात्मिक शक्ति बन जाती है।

यहां तक कि यदि हम हजारों की दौलत भी गवां दें,और हमारा जीवन बलिदान हो जाए , हमें मुस्कुराते रहना चाहिए और ईश्वर एवं सत्य में विश्वास रखकर प्रसन्न रहना चाहिए।

बेशक कर्म पूजा है किन्तु हास्य जीवन है। जो कोई भी अपना जीवन बहुत गंभीरता से लेता है उसे एक तुच्छ जीवन के लिए तैयार रहना चाहिए। जो कोई भी सुख और दुख: का समान रूप से स्वागत करता है वास्तव में वही सबसे अच्छी तरह से जीता है।

अक्सर मैं ऐसे बच्चे जो मुझे अपना साथ दे सकते हैं, के साथ हंसी-मजाक करता हूँ। जब तक एक इंसान अपने अन्दर के बच्चे को बचाए रख सकता है तभी तक जीवन उस अंधकारमयी छाया से दूर रह सकता है जो इंसान के माथे पर चिता की रेखाएं छोड़ जाती है।

यह हर एक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह यह अनुभव करे की उसका देश स्वतंत्र है और उसकी स्वतंत्रता की रक्षा करना उसका कर्तव्य है। हर एक भारतीय को अब यह भूल जाना चाहिए कि वह एक राजपूत है, एक सिख या जाट है। उसे यह याद होना चाहिए कि वह एक भारतीय है और उसे इस देश में हर अधिकार है पर कुछ जिम्मेदारियां भी हैं।

देश को एकजुट करने वाले लौह पुरुष पटेल

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को वैचारिक और क्रियात्मक रूप में एक नयी दिशा देने के कारण सरदार पटेल (31 अक्टूबर 1875, मृत्यु- 15 दिसंबर 1950) ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। वास्तव में वे आधुनिक भारत के शिल्पी थे। उनके कठोर व्यक्तित्व में विस्मार्क जैसी संगठन कुशलता, कौटिल्य जैसी राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अब्राहम लिंकन जैसी अटूट निष्ठा थी। जिस अदम्य उत्साह असीम शक्ति से उन्होंने नवजात गणराज्य की प्रारंभिक कठिनाइयों का समाधान किया, उसके कारण विश्व के राजनीतिक मानचित्र में उन्होंने अमिट स्थान बना लिया। पटेल को 'सरदार' नाम गुजरात के बारदोली तालुका के लोगों ने दिया था। इस तरह वह सरदार वल्लभ भाई पटेल कहलाने लगे। पंद्रह अगस्त 1947 को भारत जब आजाद हुआ तो पटेल के ऊपर 565 अर्ध स्वायत्त रियासतों और ब्रिटिश युग के उपनिवेशीय प्रांतों को भारत में मिलाने की जिम्मेदारी आ गयी। नीतिगत दृढ़ता के लिए 'राष्ट्रपिता' ने उन्हें सरदार और 'लौह पुरुष' की उपाधि दी। 1991 में मरणोपरांत इन्हें भारत रत्न मिला।

जन्म दिन 31 अक्टूबर पर विशेष

बारदोली आंदोलन की व्यापक तैयारी की

यह जरूरी समझा गया है कि कांग्रेस के प्रस्तावों के पालन हेतु कोई भी प्रत्यक्ष काररवाई, चाहे वह करों का न भुगतान करना, शराब की दुकानों पर धरना देना या अन्य प्रकार से कोई कार्य और युवा संघों का कोई सक्रिय आंदोलन आदि हो, तो उसका तुरंत मुकाबला किया जाए और उसे रोका जाए। चाहे वह २६ जनवरी के पहले हो या उसके बाद। ऐसे कृत्यों के संबंध में साधारण क्रिमिनल लॉ के अंतर्गत मुकदमा चलाए जाने पर यह सरकार पर्याप्त भरोसा नहीं करती; क्योंकि यह बहुत कम ही संभव या सफल हो पाता है और लगभग हमेशा ही यह अनैतिकता को प्रश्रय देनेवाला होता है तथा ऐसे आंदोलनों के लिए शक्ति जुटाने अथवा लोगों को खुलेआम जनता के बीच क्रांतिकारी प्रचार करने की छूट दिए जाने से हुई प्रतिष्ठा की क्षति को पुनः प्राप्त करने में इस कानून के कारण काफी विलंब होता है। एक सविनय अवज्ञा आंदोलन या टैक्स न देने संबंधी अभियान गुजरात के किसी भी भाग में प्रारंभ किया जा सकता है, जहां कांग्रेस के कार्यकर्ता वर्षों से आधार तैयार करने में लगे हुए हैं और अब कारवाई करने के लिए तैयार हैं। इस प्रकार के अभियान के वर्तमान संकेत 'माटार' में मिलते हैं और वल्लभभाई पटेल कुछ शिकायतों को प्रारक्षित रखने में सदैव ही सतर्क रहे हैं, ताकि एक नया सत्याग्रह अभियान, जब भी राजनीतिक रूप से सुविधाजनक हो, बारदोली में शुरू किया जा सके। इसलिए बंबई की सरकार यह जरूरी समझती है कि काररवाई की एक योजना तैयार कर ली जाए, ताकि ज्यों ही ऐसी कोई स्थिति कहीं भी उत्पन्न होती है तो तत्काल काररवाई की जा सके।

नेहरूजी, गांधीजी और सरदार पटेल

सरदार पटेल स्वतंत्रता संग्राम में कई बार जेल के गये। हालांकि जिस चीज के लिए इतिहासकार हमेशा सरदार वल्लभ भाई पटेल के बारे में जानने के लिए इच्छुक रहते हैं, वह थी उनकी और जवाहरलाल नेहरू की प्रतिस्पर्द्धा। 1929 के लाहौर अधिवेशन में सरदार पटेल ही गांधी जी के बाद दूसरे सबसे प्रबल दावेदार थे, लेकिन मुस्लिमों के प्रति सरदार पटेल की हठधर्मिता की वजह से गांधीजी ने उनसे उनका नाम वापस दिलवा दिया। 1945-1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए भी पटेल एक प्रमुख उम्मीदवार थे, लेकिन इस बार भी गांधीजी के नेहरू प्रेम ने उन्हें अध्यक्ष नहीं बनने दिया। कई इतिहासकार यहां तक मानते हैं कि यदि सरदार पटेल को प्रधानमंत्री बनने दिया गया होता तो चीन और पाकिस्तान के युद्ध में भारत को पूर्ण विजय मिलती, लेकिन गांधीजी के जगजाहिर नेहरू प्रेम ने उन्हें प्रधानमंत्री बनने से रोक दिया

गांधीजी के प्रति श्रद्धा: महात्मा गांधी के प्रति सरदार पटेल की अटूट श्रद्धा थी। गांधीजी की हत्या से कुछ क्षण पहले निजी रूप से उनसे बात करने वाले पटेल अंतिम व्यक्ति थे। उन्होंने सुरक्षा में चूक को गृह मंत्री होने के नाते अपनी गलती माना। उनकी हत्या के सदमे से वे उबर नहीं पाये। गांधीजी की मृत्यु के दो महीने के भीतर ही पटेल को दिल का दौरा पड़ा था।

विभाजन के बाद अल्पसंख्यकों को लेकर सरदार पटेल ने कहा था कि :-

'अब देश का विभाजन पूरा हो चुका है और आप कहते है कि हमें इसे पुनः लाना चाहिए और दूसरा विभाजन करना चाहिए। इस प्यार के तरीके को मैं समझ नहीं पाता हूं। यदि वह तरीका जो अपनाया गया और जिसके परिणामस्वरूप देश का विभाजन हुआ, अगर इसे दुहराना है तो मैं कहता हूं कि जो उस तरह की चीजे चाहते हैं उनके लिए पाकिस्तान में जगह है, यहां नहीं। यहां हम एक राष्ट्र का निर्माण कर रहे हैं, हम एक राष्ट्र की नींव रख रहे हैं और जो पुनः विभाजन चुनने वाले हैं तथा बिखराव के बीज बोना चाहते हैं उनके लिए कोई जगह नहीं होगी, न ही कोई कोना है। मैं बिलकुल पूरी तरह से स्पष्ट कर देना चाहता हूं। जब मैं बीते दिन की बात भूल जाने को कहता हूं तो मैं यह बात मन से कहता हूं। आपके प्रति कोई अन्याय नहीं होगा। आपके प्रति उदारता रहेगी किन्तु प्रत्युत्तर निश्चित रूप से होनी चाहिए। अगर यह नहीं रहा तो आप मेरी ओर से यह ले लीजिए कि कोमलतम शब्द भी आपको शब्दों के पीछे क्या उसे छिपा नहीं पायेगा। इसलिए मैं एक बार फिर बडी सादगी से और मजबूती से आपसे निवेदन करता हूं कि हम भूल जाए और एक राष्ट्र बन जाएं।'

सरदार पटेल का योगदान

● देशी राज्यों के एकीकरण की समस्या को पटेल ने बिना खून-खराबे के बड़ी खूबी से हल किया, देशी राज्यों में राजकोट, जूनागढ़, वहालपुर, बड़ौदा, कश्मीर, हैदराबाद को भारतीय महासंघ में सम्मिलित करना में सरदार को कई कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण भारत को चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की 40 हजार वर्ग गज भूमि पर कब्जा कर लिया।

● सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य सदैव स्मरण किये जाते रहेंगे। उनके मन में गोआ को भी भारत में विलय करने की इच्छा कितनी बलवती थी, इसका उदाहरण ही काफी है। जब एक बार वे भारतीय युद्धपोत द्वारा बंबई से बाहर यात्रा पर था तो गोआ के निकट पहुंचने पर उन्होंने कमांडिंग अफसरों से पूछा इस युद्धपोत पर तुम्हारे कितने सैनिक हैं जब कप्तान ने उनकी संख्या बतायी, तो पटेल ने फिर पूछा क्या वह गोआ पर अधिकार करने के लिए पर्याप्त है। सकारात्मक उत्तर मिलने पर पटेल बोले- अच्छा चलो जब तक हम यहां हैं गोआ पर अधिकार कर लो। किंकर्तव्यविमूढ़ कप्तान ने उनसे लिखित आदेश देने की विनती की तब तक पटेल चौंके फिर कुछ सोचकर बोले-ठीक है चलो हमें वापस लौटना होगा।

● लक्षद्वीप समूह को भारत के साथ मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख वे वापस कराची चले गये।

...और पटेल समझ गये कच्ची- पक्की रसोई में फर्क

सरदार पटेल एक बार संत विनोबा जी के आश्रम गये, जहां उन्हें भोजन ग्रहण करना था। वहां की रसोई में उत्तर भारत के किसी गांव से आया कोई साधक भोजन व्यवस्था से जुड़ा था। पटेल को आश्रम का विशिष्ठ अतिथि जानकर उनके सम्मान में साधक ने सरदार जी से पूछा लिये कि आप के लिये रसोई पक्की अथवा कच्ची। सरदार पटेल इसका अर्थ न समझ सके तो साधक से इसका अभिप्राय पूछा तो साधक ने अपने आशय को कुछ और स्पष्ठ करते हुए कहा कि वे कच्चा खाना खायेगे अथवा पक्का यह सुनकर सरदार जी ने तपाक से उत्तर दिया कि कच्चा क्यों खायेंगे पक्का ही खायेंगे। खाना बनने के बाद जब पटेल जी की थाली में पूरी कचौरी जैसी चीजें आयीं तो सरदार पटेल ने सादी रोटी और दाल मांगी तो वह साधक उनके सामने आकर खड़ा हो गया और उन्हें बताया गया कि उन्हीं के निर्देशन पर ही तो पक्की रसोई बनायी गयी थी। इस घटना के बाद पटेल उत्तर भारत की कच्ची और पक्की

उत्तर भारत में आज भी किसी आगंतुक के आने पर अतिथि के सम्मान में पूरी कचौरी आदि विशेष भोजन बनाया जाता है। इसे आम बोलचाल में पक्की रसोई कहा जाता

सार्वभौमिक रूप

1917 में मोहनदास करमचंद गांधी से प्रभावित होने के बाद पटेल ने पाया कि उनके जीवन की दिशा बदल गयी है। पटेल गांधी के सत्याग्रह (अंहिसा की नीति) के साथ तब तक जुड़े रहे, जब तक वह अंग्रेजों के खिलाफ भारतीयों के संघर्ष में कारगर रहा। लेकिन उन्होंने कभी भी खुद को गांधी के नैतिक विश्वासों व आदर्शों के साथ नहीं जोड़ा। उनका मानना था कि उन्हें सार्वभौमिक रूप से लागू करने का गांधी का आग्रह, भारत के तत्कालीन राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक परिप्रेक्ष्य में अप्रासंगिक है। फिर भी गांधीजी के समर्थन का संकल्प करने के बाद पटेल ने अपनी शैली और वेशभूषा में परिवर्तन कर लिया। उन्होंने गुजरात क्लब छोड़ दिया, भारतीय किसानों के समान सफेद वस्त्र पहनने लगे और उन्होंने भारतीय खान-पान को अपना लिया।

एकीकरण में पटेल की भूमिका

5 जुलाई 1947 को सरदार पटेल ने रियासतों के प्रति नीति को स्पष्ट करते हुए कहा कि 'रियासतों को तीन विषयों - सुरक्षा, विदेश तथा संचार व्यवस्था के आधार पर भारतीय संघ में शामिल किया जायेगा।' धीरे धीरे बहुत सी देशी रियासतों के शासक भोपाल के नवाब से अलग हो गये और इस तरह नवस्थापित रियासती विभाग की योजना को सफलता मिली। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया था जो स्वयं में संप्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के ठीक पूर्व पी.वी. मेनन के साथ मिलकर कई देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिए कार्य आरंभ कर दिया था। पटेल और मेनन ने देशी राजाओं को बहुत समझाया कि उन्हें स्वायत्तता देना संभव नहीं होगा। इसके परिणामस्वरूप तीन को छोड़कर शेष सभी राजवाड़ों ने स्वेच्छा से भारत में विलय का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोड़कर शेष भारतीय रियासतें 'भारत संघ' में सम्मिलित हो गयीं। जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब बहुत विरोध हुआ तो वह भागकर पाकिस्तान चले गये और जूनागढ़ भी भारत में मिल गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। 'ऑपरेशन पोलो' नाम का यह सैन्य अभियान पूरी तरह सफल रहा और इस तरह हैदराबाद भारत का हिस्सा बन गया। जूनागढ़ के लिए सरदार पटेल एक सच्चे देशभक्त थे। जिनका सपना एक चमकते और खुशहाल भारत का था जिसका विश्व में डंका बजे।

भारतीय निगम आयुक्त के रूप में सरदार पटेल की भूमिका

1917 से 1924 तक पटेल ने अहमदनगर के पहले भारतीय निगम आयुक्त के रूप में सेवा प्रदान की और 1924 से 1928 तक वह इसके निर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष रहे। 1918 में पटेल ने अपनी पहली छाप छोड़ी, जब भारी वर्षा से फसल तबाह होने के बावजूद बम्बई सरकार द्वारा पूरा सालाना लगान वसूलने के फैसले के विरुद्ध उन्होंने गुजरात के कैरा जिले में किसानों और काश्तकारों के जनांदोलन की रूपरेखा बनायी।

जंमीदारों के खिलाफ बारदोली आंदोलन

1928 में पटेल ने बढ़े हुए करों के खिलाफ बारदोली के भूमिपतियों के संघर्ष का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया। बारदोली आंदोलन के कुशल नेतृत्व के कारण उन्हें सरदार की उपाधि मिली और उसके बाद देश भर में राष्ट्रवादी नेता के रूप में उनकी पहचान बन गयी। उन्हें व्यावहारिक, निर्णायक और यहां तक कि कठोर भी माना जाता था तथा अंग्रेज उन्हें एक खतरनाक शत्रु मानते थे।

सोमनाथ मंदिर बनवाया

सोमनाथ स्थित मंदिर को लेकर हिंदू- मुस्लिम समुदाय में लगातार विवाद चल रहा था। वहां एक निमार्ण को मुस्लिम अपना बता रहे थे। पटेल ने दोनों सुमदाय को एक राय करके वहां एक विशाल शिव मंदिर का निमार्ण करा दिया जो शिव के देश में स्थित12 शिवलिंगों में एक माना जाता है। आज के राम मंदिर निमार्ण को लेकर देश के बड़ा वर्ग यह मानता है कि अगर पटेल जिंदा होते तो अयोध्या, काशी, मथुरा के मंदिरों को विवाद चुटकी में हल होता और देश में वैमनस्य का नामोनिशान नहीं रहता।

आज पटेल की विश्व में सबसे उंची मूर्ति बनाकर हम उनके एक राष्ट्र के निर्माण क प्रयासों को सम्मानित कर रहे हैं। पटेल आज देश की एकता के सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित करने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है।

...जब मतभेद भुलाने को पटेल-नेहरू ने एक दूजे को लिखा पत्र

नेहरू ने अपने और सरदार पटेल के बीच बढ़ते मतभेदों को दूर करने के लिए गांधीजी के साथ एक बैठक करने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन गांधीजी के उपवास के कारण उसे टालना पड़ा। गांधीजी की हत्या से एक घंटे पूर्व सरदार पटेल ने उनसे मिलकर लंबी बातचीत की थी। गांधीजी ने इस संबंध में माउंटबेटन से भी विचार विमर्श किया था। माउंटबेटन ने दृढ़ता पूर्वक अपनी राय प्रकट की थी कि मौजूदा परिस्थितियों में नेहरू या पटेल में से किसी का भी मंत्रिमंडल से बाहर होना देश के हित में नहीं होगा। महात्मा गांधी दोनों- पटेल और नेहरू के लिए शक्ति का स्रोत थे। उनकी हत्या के बाद स्थितियां पूरी तरह बदल गईं। 3 फरवरी 1948 को नेहरू ने सरदार पटेल को एक अत्यंत भावपूर्ण पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने सरदार पटेल से आपसी मतभेदों को भुलाकर साथ-साथ कार्य करने का आग्रह किया था, पत्र में उन्होंने लिखा था-

'बापू के निधन के बाद अब सबकुछ बदल गया है और अब हमें पहले से भी कठिन स्थितियों का सामना करना है। पुराने विवादों और मतभेदों का अब कोई महत्त्व नहीं रहा और मुझे लगता है कि हमें एक साथ मिलकर कार्य करना चाहिए, यही समय की मांग है, इसके अतिरिक्त कोई और रास्ता नहीं है। ....मैं तुमसे मिलकर ढ़ेर-सारी बातें करना चाहता था, लेकिन अत्यधिक व्यस्तता के कारण लंबे समय तक हम एक-दूसरे से व्यक्तिगत रूप से मिल भी नहीं पा रहे थे। मुझे आशा है, हम जल्दी ही मिलकर आपसी मदभेदों और गलतफहमियों को दूर कर लेंगे।

पत्र के उत्तर में सरदार पटेल ने भी कुछ इसी तरह के भाव प्रकट किए थे-

...मैं आपकी इस बात से सहमत हूं कि हमें आपसी बातचीत के लिए समय निकालना होगा, ताकि हम अपने दृष्टिकोण से एक-दूसरे को अवगत करा सकें और मतभेदों को दूर कर सकें।

अफगानी पठान के आगे ढेर हुए श्रीलंकाई शेर

श्रीलंका को 7 विकेट से हरा कर प्वाइंट टेबल में 5वां स्थान पर पहुंचा अफगास्तिान

एजेंसी

पुणे। आइसीसी वनडे विश्व कप 2023 के 30वें मैच में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम श्रीलंका को 7 विकेट हरा दिया। अफगानिस्तान की इस जीत के साथ ही सेमीफाइनल की रेस अब रोमांचक हो गई। मैच में अफगानिस्तान ने टॉस जीतने के बाद श्रीलंका को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया था। अफगानी गेंदबाजों के खिलाफ श्रीलंका की टीम सिर्फ 241 रन के स्कोर पर सिमट गई थी। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने सिर्फ 45.2 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान के लिए शुरूआत कुछ खास नहीं रही थी। टीम का पहला विकेट स्कोरबोर्ड पर बिना किसी रन के गिर गया था। हालांकि इसके बाद के बल्लेबाजों ने संभल कर खेलते हुए महत्वपूर्ण साझेदारी करते हुए टीम को जीत की तरफ धीरे-धीरे आगे बढ़ाया। अफगानिस्तान की इस जीत में रहमत शाह ने दमदार खेल दिखाया। रहमत शाह ने 74 गेंद में 62 रनों की दमदार पारी खेली। इसके अलावा कप्तान हश्मतुल्लाह ने 58 और अजमतुल्लाल ने 63 गेंद में नाबाद 73 रनों की पारी खेलकर जीत को तय कर दिया। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम की 6 मैचों में ये तीसरी जीत है। अफगानिस्तान के खिलाफ इस मुकाबले में श्रीलंका की बल्लेबाजी काफी कमजोर नजर आई। तेज गेंदबाज फजल हक फारूकी की अगुआई में अफगानिस्तान ने श्रीलंका को 241 रन पर ढेर कर दिया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फारूकी ने 34 रन देकर तीन विकेट चटकाए। स्पिनर मुजीब उर रहमान (38 रन पर दो विकेट) ने भी दो विकेट चटकाए जिससे श्रीलंका की टीम 49.3 ओवर में सिमट गई। श्रीलंका के लिए ओपनर बल्लेबाज पाथुम निसांका ने सर्वाधिक 46 रन बनाए। कप्तान कुसाल मेंडिस ने 39 जबकि सदीरा समरविक्रम ने 36 रन की पारी खेली। निचले क्रम में महीश तीक्षणा ने 29 जबकि अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज ने 23 रन की पारी खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे श्रीलंका के लिए निसांका अच्छी लय में दिखे। कुसाल परेरा की जगह एकादश में जगह बनाने वाले ओपनर बल्लेबाज दिमुथ करूणारत्ने को हालांकि अफगानिस्तान के गेंदबाजों की सटीक गेंदबाजी के सामने जूझना पड़ा। फारूकी ने अंततः छठे ओवर में करूणारत्ने को एलबीडबल्यू करके अफगानिस्तान को पहली सफलता दिलाई।

वर्ल्ड कप 2023 पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	नेट रन रेट
भारत	06	06	00	12	+1.405
द. अफ्रीका	06	05	01	10	+2.032
न्यूजीलैंड	06	04	02	08	+1.232
ऑस्ट्रेलिया	06	04	02	08	+0.970
आफगनिस्तान	06	03	03	06	-0.718
श्रीलंका	06	02	04	04	-0.275
पाकिस्तान	06	02	04	04	-0.387
नीदरलैंड्स	06	02	04	04	-1.277
बांग्लादेश	06	01	05	02	-1.338
इंग्लैंड	06	01	05	02	-1.652

बंगाल क्रिकेट संघ का तोहफा : कोहली के जन्मदिन पर बांटेंगे 70 हजार मास्क

कोलकाता। भारतीय टीम 5 नवंबर को आईसीसी क्रिकेट विश्व कप मैच में जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स मैदान पर उतरेगी तो लगभग 70,000 दर्शक दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली का मुखौटा (मास्क) लगाकर उनके 35 वें जन्मदिन को यादगार बनाएंगे। बंगाल क्रिकेट संघ ने कोहली के जन्मदिन (5 नवंबर) के मौके पर दर्शकों को मुफ्त में उनका मास्क बांटने की योजना बनायी है। इस मुकाबले के सभी टिकट काफी पहले ही बिक गए है और स्टेडियम के खचा-खच भर रहने की संभावना है। मास्क बांटने के अलावा सीएबी ने मैच से पहले केक काटने और कोहली को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करने की भी योजना बनाई है। सीएबी के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने कहा कि हमें इस पर आइसीसी से मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

करो या मरो के मुकाबले में आज बांग्लादेश से भिड़ेगा पाकिस्तान

एजेंसी

कोलकाता। सेमीफाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो चुका पाकिस्तान मंगलवार को यहां जब विश्व कप में जूझ रही एक अन्य टीम बांग्लादेश से भिड़ेगा तो करो या मरो के इस मुकाबले में लगातार चार मैच में हार के क्रम को तोड़ने का प्रयास करेगा। पाकिस्तान के चार अंक हैं और वह अब अधिकतम छह अंक और जुटा सकता है जिससे लीग चरण के बाद उसके अधिकतम 10 अंक हो सकते हैं। दो टीम पहले ही 10 या इससे अधिक अंक जुटा चुकी हैं जबकि इनके अलावा तीन और टीम पाकिस्तान से आगे हैं जिससे उसका सेमीफाइनल में जगह बनाना किसी चमत्कार से कम नहीं होगा। सभी टीम से अनुकूल नतीजे मिलने की उम्मीद काफी कम है। साथ ही धीमी शुरूआत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने लय पकड़ ली है जबकि न्यूजीलैंड की टीम भी शानदार फार्म में है। भारत 12 अंक के साथ सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की कर चुका है जबकि दक्षिण अफ्रीका के 10 अंक हैं। पाकिस्तान को न सिर्फ अपने बाकी बचे तीनों मैच जीतने होंगे बल्कि बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी जिससे उसका नेट रन रेट सुधरे जो अभी माइनस 0.205 है। बांग्लादेश के खिलाफ हार 1992 के चैंपियन पाकिस्तान की सभी उम्मीदें खत्म कर देगी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं:

पाकिस्तान : अब्दुल्ला शफीक, इमाम-उल-हक, बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, सऊद शकील, इफ्तिखार अहमद, शादाब खान, शाहीन अफरीदी, मोहम्मद वसीम जूनियर, हसन अली, उसामा मीर।

बांग्लादेश : तंजीद हसन, लिटन दास, नजमुल हुसैन शांतो, शाकिब अल हसन (कप्तान), मुश्फिकुर रहीम, महमूदुल्लाह, मेहदी हसन मिराज, महेदी हसन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम।

इंजमाम ने दिया पीसीबी चीफ सिलेक्टर पद से इस्तीफा

नयी दिल्ली। क्रिकेट विश्व कप 2023 में पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के बाद अनुभवी पाकिस्तानी क्रिकेटर इंजमाम उल हक ने टीम के मुख्य चयनकर्ता के पद से इस्तीफा दे दिया है। इंजमाम उल हक को खिलाड़ी एजेंट तल्हा रहमानी से जुड़ी कंपनी याजो इंटरनेशनल लिमिटेड में उनकी हिस्सेदारी के आरोपों के कारण भी जांच का सामना करना पड़ रहा है। रहमानी बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी सहित कई प्रमुख पाकिस्तानी क्रिकेटरों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इससे हितों के टकराव का मामला बन गया है। इसके अलावा यह भी जांच का विषय बन गया है कि क्या टॉप क्रिकेटरों का प्रतिनिधित्व करने वाली कंपनी में मुख्य चयनकर्ता और शेयरधारक के रूप में इंजमाम की दोहरी भूमिकाएं खिलाड़ी चयन निर्णयों को प्रभावित कर रही हैं या नहीं। उक्त विवाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और खिलाड़ियों के बीच केंद्रीय अनुबंधों को लेकर महत्वपूर्ण असहमति के बाद सामने आया है। बताया जा रहा है कि अगर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इंजमाम को उनके कार्यकाल से पहले ही हटाता है तो उन्हें मोटी रकम पूर्व क्रिकेटर को देनी होगी।

रतन टाटा ने क्रिकेटरों के लिए इनाम की घोषणा के दावों का किया खंडन

एजेंसी

नयी दिल्ली। उद्योगपति रतन टाटा ने इस बात से इनकार किया है कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) या किसी खिलाड़ी को कोई इनाम या सुझाव देने की कोई घोषणा की थी। रतन टाटा ने एक्स पर पोस्ट किया, मैंने आइसीसी या किसी भी क्रिकेट संकाय को किसी भी क्रिकेट सदस्य के बारे में किसी भी खिलाड़ी पर जुमार्ना या इनाम के संबंध में कोई सुझाव नहीं दिया है। मेरा क्रिकेट से कोई भी संबंध नहीं है। कृपया इस तरह के व्हाट्सएप फॉरवर्ड और वीडियो पर तब तक विश्वास न करें जब तक कि मेरे आधिकारिक सोशल प्लेटफॉर्म से घोषणा न की गई हो। बता दें कि व्हाट्सएप पर ऐसे वीडियो फॉरवर्ड हो रहे हैं, जिसमें फर्जी दावा किया गया था कि रतन टाटा ने पाकिस्तान पर जीत के बाद अफगानिस्तान के क्रिकेटर राशिद खान को 10 करोड़ रुपये की इनाम देने की घोषणा की थी, लेकिन प्रसिद्ध उद्योगपति ने ऐसे किसी भी दावे से इनकार किया है। अफगानिस्तान ने सोमवार को विश्व कप में अपनी दूसरी आश्चर्यजनक जीत दर्ज करते हुए 50 ओवर के प्रारूप में पाकिस्तान को पहली बार हराया।

सुना था- मेरा करियर खत्म हो गया है- ट्रोलर्स को बुमराह का करारा जवाब

एजेंसी

नयी दिल्ली। स्टार भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए क्रिकेट विश्व कप से पहले का समय खराब रहा था। पीठ में फ्रैक्चर के कारण वह लंबे समय तक रिहैब में रहे। इस पर लोगों ने तरह-तरह की बयानबाजी की थी। बुमराह ने चोट से वापसी पर एक इंटरव्यू के दौरान महत्वपूर्ण बातें कहीं हैं। मौजूदा विश्व कप में बुमराह का शानदार प्रदर्शन जारी है। उन्होंने 6 मैचों में 14 विकेट लिए हैं। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले में 3 विकेट लिए थे जिससे इंग्लैंड 230 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिर्फ 129 रन पर आउट हो गई थी। बहरहाल, क्रिकेट विश्व कप में इंग्लैंड पर भारत की बड़ी जीत के बाद बुमराह ने कहा कि मेरी पत्नी, संजना गणेशन खेल मीडिया में काम करती हैं। इस दौरान मैंने सुना कि मेरा करियर खत्म हो गया है और मैं क्रिकेट में वापस नहीं लौट पाऊंगा। लेकिन इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे खेल के प्रति अपने प्यार का एहसास है। मैं किसी चीज का पीछा नहीं कर रहा था और चोट के बाद मेरी मानसिकता बहुत अच्छी थी। अब, मैं सकारात्मक चीजों पर ध्यान केंद्रित करता हूं और जितना हो सके आनंद लेता हूं। बता दें कि चोट के कारण बुमराह के कुछ साल चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उनकी चोट बार-बार उभर रही थी जिसके कारण क्रिकेट फैंस निराश हो गए थे। इसी कारण वह एशिया कप 2022 और टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाए थे। उनकी आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में बतौर कप्तान वापसी हुई थी जिसमें टीम इंडिया जीतने में सफल रही थी। अपनी वापसी के तीन महीने बाद बुमराह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने वनडे और टी20 की 13 पारियों में 26 विकेट लिए हैं।

लियोन फुटबॉल टीम की बस पर हमले के बाद फ्रेंच लीग मैच स्थगित

पेरिस। फ्रांस की पुलिस ने लियोन फुटबॉल टीम और प्रशंसकों को लेकर जा रही बसों पर हिंसक हमले के बाद नौ लोगों को हिरासत में लिया है और अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। इस हमले में ल्योन टीम के कोच फैबियो ग्रोसो के सिर में चोट लग गयी जिसके बाद मासेर्ले में फ्रेंच लीग का मैच स्थगित कर दिया गया। फ्रांस के मंत्री गेराल्ड डरमानिन ने कहा कि रविवार को रात हुए इस हमले में पांच पुलिस अधिकारी भी घायल हो गये। यह घटना वेलोड्रोम स्टेडियम के बाहर हुई जिसमें प्रोजेक्टाइल से हमला किया गया और बस की खिड़कियां टूट गईं। कांच के टुकड़ों से कोच ग्रोसो घायल हो गये और उनके चेहरे से खून बहने लगा। क्लब के सहायक कोच राफाएल लोंगो भी इस दौरान घायल हो गए।

खेलो झारखंड में छात्र सुमेर का उत्कृष्ट प्रदर्शन

रांची। राज्य स्तरीय खेलो झारखंड में एलइबीबी उच्च विद्यालय के वर्ग आठ के छात्र सुमेर मुंडा ने लॉन्ग जंप में दूसरा स्थान प्राप्त कर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा से विद्यालय और जिले का नाम रौशन किया है। सुमेर मुंडा के इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए विद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक संजय कुमार महतो ने कहा कि छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा को पहचान कर जीवन के लक्ष्य को निर्धारित करना चाहिये। शिक्षा के साथ साथ खेलकूद में भी अपनी प्रतिभा दिखाना चाहिये। शारीरिक शिक्षा शिक्षक नितेश कुमार ने भी इस मौके पर कहा की खेलकूद और शारीरिक गतिविधि से जीवन में अनुशासन आता है। जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिका, शिक्षाकर्मी व छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

आद्या बनी सब जूनियर में जी-13 की चैंपियन

रांची। इंदौर में चल रहें जूनियर नेशनल स्क्वैश प्रतियोगिता में रांची की आद्या बुधिया ने सब जूनियर-जूनियर नेशनल अंडर-13 की चैंपियन बनीं। यह प्रतियोगिता इंदौर में 24 अक्तूबर से 30 अक्तूबर तक आयोजित की गयी थी। इस प्रतियोगिता में देश भर के 701 खिलाड़ी ने भाग लिया। अंडर-13 में 80 खिलाड़ी ने भाग लिया। आद्या ने फाइनल मैच में फेबिया नफीस को 3-0 से हराया आद्या के कोच पुनीत परीक, निलेशपाल, विजय, उदय ने अहम रोल निभाया। क्रॉस कोर्ट की मेंटर स्वेता बुधिया ने कहा गोवा में हो रहे नेशनल में झारखंड स्क्वैश के खिलाड़ी अच्छा प्रर्दशन करेंगे।

निशानेबाज अनीष ने भारत को 12वां पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया, कांस्य पदक जीता

नयी दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अनीष भानवाला ने सोमवार को कोरिया के चांगवान में चल रही एशियाई चैम्पियनशिप की पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत को निशानेबाजी में 12वां पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया। अनीष भानवाला शूटआउट में जापान के दाई योशिओका से हार गए जिन्होंने रजत पदक जीता। करनाल के 21 साल के निशानेबाज ने फाइनल में 28 निशाने लगाए थे। स्थानीय प्रबल दावेदार निशानेबाज ली गुनहियोक ने स्वर्ण पदक जीता। अनीष भानवाला ने फाइनल में पहुंचते ही पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल कर लिया था क्योंकि चीन, जापान और कोरिया पहले ही इस स्पर्धा में दो दो ओलंपिक कोटे हासिल कर चुके थे। भानवाला के अलावा फाइनल में पहुंचने वाले अन्य निशानेबाज चीन, जापान और कोरिया के थे। भानवाला क्वालीफिकेशन चरण में 588 अंक से तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे थे। एक अन्य भारतीय भावेश शेखावत 584 अंक से क्वालीफिकेशन में शीर्ष आठ में शामिल थे लेकिन फाइनल में नहीं पहुंच सके क्योंकि वह केवल रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे और फाइनल में पहुंचने के लिए योग्य नहीं थे।

न्यूजीलैंड को 6-2 हरा कर भारत जोहोर कप के सेमीफाइनल में

एजेंसी

जोहोर बाहरू (मलेशिया)। अमनदीप लाकड़ा (2, 7, 35) की हैट्रिक और अरुण साहनी (12, 53) के दोहरे प्रहार की मदद से भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने सोमवार को न्यूजीलैंड को 6-2 को हरा कर 11वें सुल्तान जोहोर कप 2023 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत के लिए अमनदीप लाकड़ा और अरुण साहनी के अलावा पूवन्ना चंदूरा बॉबी (52) ने स्कोरशीट पर जगह बनाई, जबकि न्यूजीलैंड के लिए ल्यूक एल्ड्रेड (29, 60) ने दो गोल किए। पिछले मुकाबले में मेजबान मलेशिया को 3-1 से हराने के बाद उत्साह से लबरेल भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सकारात्मक शुरूआत की और मैच के दूसरे मिनट में अमनदीप लाकड़ा ने न्यूजीलैंड के गोलकीपर ल्यूक एल्म्स के पास से जोरदार फ्लिक किया और 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद भी न्यूजीलैंड पर दबाव बढ़ता गया और भारत ने 7वें मिनट में एक और पेनाल्टी कार्नर को गोल में तब्दील कर दिया। खेल के 12 वें मिनट में बाएं विंग से अरुण साहनी ने कीवी गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को गोल में डाल दिया। दूसरे क्वार्टर में न्यूजीलैंड आखिरकार पहला गोल करने में सफल रहा जब ल्यूक एल्ड्रेड ने 29वें मिनट में एक बेहतरीन पीसी को गोल में बदला। अपनी बढ़त को कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध भारत ने तीसरे क्वार्टर में आक्रामक शुरूआत की। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप एक पेनाल्टी कार्नर मिला और लाकड़ा ने शानदार हैट्रिक पूरी करने के लिए अपना तीसरा गोल किया। 35वें मिनट में हुए गोल ने भारत को 4-1 की बढ़त दिला दी। न्यूजीलैंड ने अंतिम क्वार्टर की शुरूआत खेल में वापसी की उम्मीद के साथ की लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति दृढ़ रही। इस बीच, भारतीय हमलावरों ने कई महत्वपूर्ण मौके बनाए। 52वें मिनट में पूवन्ना चंदूरा बॉबी ने पीसी के माध्यम से भारत के लिए 5वां गोल किया, जबकि अरुण साहनी ने 53वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके भारत की बढ़त 6-1 कर दी। खेल में अंतिम क्षणों में ल्यूक एल्ड्रेड ने फ्लिक के साथ गेंद को गोल में डाल दिया। लेकिन यह गोल भारत को तीन नवंबर को खेले जाने वाले सेमीफाइनल में पहुंचने से नहीं रोक पाया।

झारखंड की बेटियों ने राष्ट्रीय खेल में गोल दाग राज्य का मान बढ़ाया

रांची। गोवा में आयोजित 37वें राष्ट्रीय खेल 2023 में हॉकी प्रतियोगिता की शुरूआत के दिन ही झारखंड हॉकी की टीम ने मेजबान गोवा को 4-0 से पराजित कर दिया। झारखंड टीम की ओर से अलबेला रानी टोप्पो, अलका डुंगडुंग, निशा मिंज और दीप्ति टोप्पो ने एक एक गोल किया। झारखंड टीम की पहली जीत पर हॉकी झारखंड, खेल विभाग और झारखंड ओलंपिक संघ के समस्त पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में 14 सदस्यीय टीम ने 18 पदक प्राप्त किया

रांची। खेलो इंडिया विमेंस लीग एमेच्योर किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता में रांची की टीम ने धनबाद के उत्सव भवन में संपन्न हुये दो दिवसीय प्रतियोगिता में उंदा प्रदर्शन करते हुए 18 पदक अपने नाम किया। इस अवसर पर रांची जिला किक बॉक्सिंग एडहॉक कमिटी के चेयरमैन विनय सिन्हा, विमल आनन्द नाग, गुलाम जावेद, नौसाद खान, कमल किशोर कच्छप, गुलाम गौस कुरैशी, कलीम खान, सहजाद कुरैशी, मो मुजीबुद्दीन एवं अन्य प्रशिक्षकों ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दिया। चेयरमैन विनय सिन्हा दीपू ने कहा कि रांची जिला के बच्चों ने 8 स्वर्ण 4 रजत 6 कांस्य पदक पर कब्जा किया। इन खिलाड़ियों को रांची जिला कमिटी सम्मानित करने का कार्य करेगी। पदक प्राप्त खिलाड़ियों कि सूची शारदा होरो 2 स्वर्ण, प्रिया कुमारी 1रजत1कांस्य, राधिका स्वराज 1 स्वर्ण, मोनिका कुमारी 1 स्वर्ण 1रजत,अंशु लकड़ा 1 कांस्य, रिया कुमारी 1रजत 1 कांस्य, बेबी कुमारी 1रजत, साक्षी कुमारी 1 कांस्य, भारती कुमारी 2 कांस्य, प्रिया कुमारी 1 स्वर्ण 1 रजत, रजनी कुमारी 1 स्वर्ण, कोमल सलोनी लकड़ा 1 स्वर्ण, अपेक्षा उरांव 1 स्वर्ण, छोटी कशिश 1कास्य, साथ ही लोहरदगा की टीम भी भाग लेने धनबाद गई जिसमें टीम कोच शिवकुमार,अनन्या कुमारी 1 रजत 1 कांस्य, श्रेयश्री 1 रजत 1 कांस्य, श्रेया उरांव 2 कांस्य शामिल है।

जापान की विजयी हैट्रिक, कोरिया और मलेशिया ने खेला ड्रॉ

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जापान महिला हॉकी टीम ने यहां मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में जारी झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 में अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज कर ली। वहीं, एक अन्य मुकाबले में मलेशिया ने कोरिया को 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया। जापान ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए थाईलैंड को 4-0 से रौंद दिया। जापान के लिए मेइ तोरियामा ने 29वें मिनट में मैदानी गोल करके अपनी टीम का खाता खोला। जापान ने फिर 34वें और 35वें मिनट में लगातार दो गोल करके अपनी बढ़त को 3-0 तक पहुंचा दिया। टीम के लिए दूसरा गोल कप्तान यूरी नगाई ने 34वें मिनट में मैदानी गोल और फिर काना उराता ने 35वें मिनट में मैदानी गोल दागे। मुकाबले में अपनी लगातार पकड़ बनाए रखने के बाद जापान का अटैक चौथे और अंतिम क्वार्टर में भी जारी रहा। वर्ल्ड रैंकिंग में 11वें नंबर पर काबिज जापान ने 50वें मिनट में चिको फुजिबायाशी के पेनाल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल की बदौलत अपनी बढ़त को 4-0 तक करने के बाद आसान जीत दर्ज कर ली। जापान की तीन मैचों में यह लगातार तीसरी जीत है जबकि थाईलैंड की लगातार तीसरी हार है। थाईलैंड की टीम तीन मैचों में ही अब तक 17 गोल खा चुकी है और सिर्फ एक ही गोल कर पाई है। इससे पहले, दिन के पहले मुकाबले में कोरिया और मलेशिया आमने-सामने हुई। कोरिया अपनी दूसरी और मलेशिया की टीम अपना खाता खोलने के लिए मुकाबले में उतरी। लेकिन दोनों टीमों को अंक बांटने के लिए मजबूर होना पड़ा। पहला हाफ गोल रहित रहने के बाद कोरिया ने दूसरे हाफ में अपने आक्रमण और ज्यादा तेज कर दिए और उसे इसका फायदा भी मिला। कोरिया ने 35वें मिनट में सिओ सुयोंग के पेनाल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल की मदद से मुकाबले में 1-0 की बढ़त बना ली। सुयोंग को हालांकि 57वें मिनट में ग्रीन कार्ड का सामना करना पड़ा। इसी बीच, मलेशिया ने मैच में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली। मलेशिया के लिए यह गोल अजहर नूर ने 58वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर पर दागा। मलेशिया को अभी भी तीन मैचों में अपनी पहली जीत की तलाश है। टीम को अपने पहले दोनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। राउंड रॉबिन लीग चरण के आधार पर खेले जा रहे इस टूनार्मेंट में कुल छह टीमें भाग ले रही हैं। लीग चरण के बाद अंकतालिका की टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। मुकाबले की शुरूआत में मंत्री सत्यानंद भोक्ता, एडीजी अनुराग गुप्ता, शैलेंद्र सिन्हा डीआईजी और हॉकी के पदाधिकारी मौजूद रहे। मौके पर मंत्री जोबा मांझी, विकास आयुक्त अरुण कुमार सिंह, एडिशनल सेक्रेटरी एल ख्यांगते भारतीय महिला टीम की पूर्व कैप्टन असुंता लकड़ा और हॉकी इंडिया के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

मैच के दौरान थाईलैंड और जापान टीम की खिलाड़ी।

स्पीड न्यूज

सदाफल योग संस्थान ने लगाया रक्तदान शिविर

बोकारो। स्थानीय जनवृत 05 में सद्गुरु सदाफल योग संस्थान द्वारा संत विज्ञानं देव जी के जन्मदिन के सुअवसर पर बिजीएच के ब्लड बैंक प्रभारी एसीएमओ डॉ श्रवण कुमार तथा डॉ सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में एक रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। डॉ श्रवण कुमार ने शिविर में उपस्थित रक्त दान करने वाले लोगों को रक्त दान से होने वाले फायदे के बारे में बताते हुए कहा कि रक्त दान करके किसी दूसरे ब्यक्ति के जीवन रक्षण के साथ साथ खुद को भी दिल की होने वाले बिमारियों से बचाता है। उन्होंने बताया कि 18 से 60 साल तक की उम्र वाला स्वस्थ ब्यक्ति एक साल में तीन बार रक्त दान कर सकता है। उक्त रक्त दान कार्यक्रम में योग संस्थान के मनीष कुमार कौशल कुमार सुश्री नीता शी सुश्री कविता सुश्री खुशबू तथा सुश्री विभूतिका का विशेष योगदान था।

सीपीएस स्कूल के प्राचार्य का निधन शोक की लहर

कतरास। सोमवार को कतरास बाजार श्याम डी में एक हादसे में कंपटीशन पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर महेश झा के छोटे पुत्र प्रणव झा की मौत हो गई बताते चले कि प्रणव झा अपनी स्कूटी गाड़ी लेकर किसी काम से जा रहे थे और वह सड़क पर गिर पड़े गिरने के कारण उन्हें चोट तो नहीं लगी लेकिन वह बेहोश हो गए हैं। आनन फानन में उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक शादीशुदा थे उन्हें एक लड़का भी है और उनकी पत्नी विद्यालय में ही पढ़ने का काम करती थी। इधर इस घटना के बाद स्कूल के बच्चों की छुट्टी कर दी गई। पहले से बीमार चल रहे मृतक के पिता महेश झा बेसुध हो गए। अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव समस्तीपुर में होगा । परिजन शव लेकर पैतृक गांव के लिए रवाना हो गए हैं। व्हाई इस घटना के बाद कतरास के समाजसेवियों ने गहरा शोक प्रकट किया है।

सेवानिवृत्त अधिकारियों को मिलेगी बामर लॉरी एसएसबीटी की सुविधा

बोकारो। सेल मेडिक्लेम सुविधा का लाभ उठाने वाले सेवानिवृत्त सेल अधिकारियों हेतु अब एयर टिकट बुकिंग के लिए मेसर्स बामर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड . एसएसबीटी एयर टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म की सुविधा प्रदान कर रही है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय यात्रा टिकट बामर लॉरी एसएसबीटी के माध्यम से हवाई टिकट बुक करने के कई लाभ हैं जैसे नाममात्र टिकट कैंसिलेशन शुल्क फ्री कॉर्पोरेट भोजन रियायती किराया सीटों का बेहतर विकल्प आदि। इस सुविधा का लाभ उठाने के इच्छुक बीएसल अधिकारियों को इसके लिए बामर लॉरी के साथ अपना डेटा साझा करने के लिए सहमति देनी होगी। इच्छुक पूर्व सेल बीएसएल अधिकारियों के साथ उनकी यूजर आईडी बनाने पर एक सहायता दस्तावेज भी साझा किया जाएगा।

व्यापारियों के आंदोलन में साथ देगा मायुमो

धनबाद। शुक्रवार 30 अक्टूबर को मार्क्सवादी युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पवन महतो ने बैंक मोड़ स्थित कार सेंटर के मालिक दीपक अग्रवाल पर जानलेवा हमले पर आक्रोश जाहिर करते हुए कहा की व्यवसायियों पर लगातार हमले से पुलिस प्रशासन की पोल खोल कर रख दी है।अपराधियों में भय का माहौल ही नहीं है।खुलेआम दिन-दहाड़े इस तरह की वारदात से व्यवसायियों के साथ-साथ आम नागरिकों की सुरक्षा में सेंधमारी है। मायुमो व्यवसायियों के हर आंदोलन एवं लड़ाई में कदम से कदम मिलाकर चलेंगे। श्री महतो ने केरल में हुए धमाके की निंदा की और कहा कि इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।

रेलवे लोडिंग प्वाइंट पर बमबाजी से ट्रक का शीशा टूटा, दहशत

●बमबाजी के बाद कर्मियों के बीच मची अफरा-तफरी

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। जिले में अपराधियों का मनोबल सातवें आसमान पर है। कोयलांचल में बमबाजी और गोलीबारी की घटना जैसे आम हो गई है। अपराधियों का मनोबल ऐसे बढ़ा हुआ है कि वह कहीं भी बम पटक दे रहे हैं। ताजा मामला जिले के केंदुआडीह थाना क्षेत्र के कुसुंडा रेलवे लोडिंग पॉइंट का है। सोमवार को सुबह कुसुंडा लोडिंग पॉइंट पर खड़ी एक हाईवा पर अपराधियों ने बमबाजी की घटना को अंजाम दिया है । इस घटना के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए । इधर धमाके की आवाज सुनकर वहां काम कर रहे हैं लोगों में अफरा तफरी मच गई। बम फेक जाने के कारण हाईवा का शीशा टूट गया । इस घटना से कर्मियों में दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है कि दहशत फैलाने के उद्देश्य से अपराधियों ने बमबाजी की घटना को अंजाम दिया है। मौके पर काम कर रहे लोडिंग इंचार्ज मुझे बताया कि हर दिन की तरह सभी लोग काम कर रहे थे सुबह में अचानक जोरदार धमाका हुआ इस धमाके की आवाज सुनकर उसे और दौड़े सामने पहुंचने पर मालूम हुआ कि हाईवा के ऊपर बमबाजी की गई है। जिससे ट्रक का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। हाईवा के नीचे बम के अवशेष पाए गए है। इसके बाद लोगों में अपरा तफरी मच गई। उन्होंने बताया कि अपने वरीय अधिकारियों की घटना की जानकारी दी दहशत फैलाने को लेकर बमबाजी की घटना को अंजाम दिया गया है। वही बमबाजी की घटना को लेकर केंदुआडी थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार ने कहा कि पत्थर से मारकर हाईवा का शीशा तोड़ा गया है। हाईवा के नीचे सुतली बम फोड़ा गया है। थाना प्रभारी ने बमबाजी की घटना से इनकार किया है । उन्होंने कहा कि घटना को लेकर अभी तक किसी ने लिखित शिकायत नहीं दी है । फिलहाल मामले की जांच की जा रही है और लोगों से पूछताछ की जा रही है।

महुदा : चरकीटांड़ में कोयले का अवैध भंडारण शुरू

महुदा। महुदा थाना क्षेत्र के चरकीटांड में फिर से एक बार कोयला की अवैध भंडारण एवं बिक्री का खेल शुरू। बताते चले कि इससे पूर्व भी यहाँ अवैध कोयले का भंडारण हो रहा था जिसकी खबर प्रकाशित होते ही कोयला तस्करों से जुड़े चोरो के बीच हड़कंप मच गया था। वहीं बाघमारा सीओ भी उक्त स्थल पर छापेमारी किया था। जाँचउपरान्त उन्होंने भी अवैध कोयला उक्त स्थान पर भंडारण एवं परिवहन की बात को स्वीकार कर करवाई की बात किया था। जानकारी के अनुसार आज से फिर उक्त स्थल पर जेसीबी मशीन से साफ-सफाई किया गया। एवं डेढ़ ट्रक अवैध कोयला का भंडारण भी किया गया हैं, जिसे रात के अँधेरे में उक्त कोयला को ट्रकों में भरकर कोयला पड़ोसी राज्य ओडिशा भेजा जायेगा। जहां के इस्पात और विद्युत संयत्रों में इसका उपयोग किया जायेगा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस अवैध कोयले का भंडारण चांदु महतो नामक व्यक्ति के जमीन पर किया जा रहा हैं। इतना ही नहीं इन कोयला तस्करों द्वारा अन्य कई रैयती जमीन पर भी अपना कब्जा जमा बैठा हैं जिससे स्थानीय ग्रामीणों के बीच काफी आक्रोश हैं, वहीं सूत्र बताते हैं कि इस अवैध कारोबार को लेकर हिंसक झड़प होने की बात सामने आ रही हैं।

एक नजर में

कतरास में मना सतर्कता जागरूकता सप्ताह

कतरास। बीसीसीएल कतरास क्षेत्रीय कार्यालय में सोमवार को सतर्कता जागरूकता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा सतर्कता शपथ लिया गया। जिसके बाद पीआइडीपीआइ के प्रति जागरूकता के प्रचार हेतू कार्मिक विभाग द्वारा बनाया हुआ वीडियो सभी को दिखाया गया। कतरास क्षेत्र के महाप्रबंधक एम एस दूत, अवर महाप्रबंधक सत्येंद्र कुमार, कैलाश कुमार क्षेत्रीय प्रबंधक उत्खनन रामानुज प्रसाद, क्षेत्रीय प्रबंधक कार्मिक सौरभ सिंह, रितेश सिंह, शैलाजानंद, रितेश कुमार, गोविंद, सुहानी सागर, मो फैसल आदि अधिकारी व कर्मचारियों ने सतर्कता की शपथ ली।

धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तारी को रांची पुलिस पहुंची चिरकुंडा, आरोपी धराया

चिरकुंडा। चिरकुंडा थाना क्षेत्र के सरसापहाड़ी स्थित न्यु तालडांगा मेडिकल के संचालक रोहित कुमार के बहनोई शारवेन्दू दत्ता को चिरकुंडा पुलिस के सहयोग से रांची लालपुर थाना की पुलिस 420 धोखाधड़ी के मामले में रविवार की रात्री चिरकुंडा पकड़ने पहुची। रोहित के चिरकुंडा के नेहरु रोड स्थित आवास पर तथा चिरकुंडा के सरसापहाड़ी स्थित मेडिकल दुकान पर पुलिस पहुंची पर शारवेन्दु पुलिस पहुंचने से पहले ही भाग निकला था। पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि रोहित कुमार व बहनोई शारवेन्दु दत्ता चाइबासा निवासी नितेश कुमार दास से 20 लाख रुपए का धोखाधड़ी किया है जिसका मामला नितेश ने लालपुर थाना में दर्ज कराया है ,जिसके बाद पुलिस मामले को लेकर चिरकुंडा पहुंची। जानकारी हो कि कुछ माह पुर्व इस मामले मे रांची के लालपुर थाना की पुलिस रोहित के मेडिकल दुकान पहुंचे जहां रोहित रांची पुलिस को देखते ही भागने का प्रयास किया था तब तक दौड़ा कर पुलिस दल रोहित को पकड़ लिया था। पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि रोहित व इसके बहनोई शारवेन्दु दत्ता पर 420 धोखाधड़ी का मामला लालपुर थाने में दर्ज है जिसके तहत रांची पुलिस रोहित को पहले ही पकड़ कर ले गई थी और अब शारवेन्दु को पुलिस पकड़ने आई थी। टीम का नेतृत्व लालपुर थाना के प्रभारी मनोज सोरेन कर रहे थे साथ मे चिरकुंडा पुलिस के फगुआ उरांव शामिल थे।

गुजराती उवि में रंगोली, निबंध लेखन प्रतियोगिता

झरिया। गुजराती उच्च विद्यालय और मध्य विद्यालय झरिया, में छात्र छात्राओं के बीच रंगोली, पेंटिंग तथा निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। मौके पर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य लक्ष्मी नारायण ने कहा कि स्वतंत्र भारत के नव निर्माण में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अहम भूमिका निभाई। प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर इस अभियान से बच्चों को प्रेरणा लेनी चाहिए। इस प्रतियोगिता में सहायक क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी राजकिशोर पासवान के साथ विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं ने अहम भूमिका निभाई। पेंटिंग के विजेता दसवीं कक्षा के पीयूष कुमार रहे। वहीं रंगोली में नौवीं कक्षा की मुस्कान कुमारी सिंह ने प्रथम स्थान पाया। निबंध प्रतियोगिता में कक्षा नौवीं की शांभवी झा ने प्रथम स्थान पाया। विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा मंगलवार को पुरस्कृत किया जाएगा।

उपायुक्त ने किया मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना की समीक्षा बैठक

बोकारो। बोकारो समाहरणालय सभागार में डीसी कुलदीप चौधरी ने विभिन्न योजनाओं के तहत जिला स्तरीय समिति की बैठक की। मौके पर डीडीसी कीर्ती श्री जी विधायक प्रतिनिधि चंदनकियारी विधायक प्रतिनिधि बेरमो विधायक प्रतिनिधि गोमिया समेत जिला पशुपालन पदाधिकारी डा मनोज कुमार मणि जेएसएलपीएस डीपीएम प्रकाश रंजन एपीआरओ अविनाश कुमार समेत अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मी आदि उपस्थित थे। उपायुक्त श्री चौधरी ने योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023 .24 के लिए आवेदकों के चयन प्रक्रिया एवं राज्य स्तर से प्राप्त लक्ष्य एवं प्रखंड स्तरीय समिति से आवेदकों की प्राप्त अनुशंसा सूची की विस्तृत जानकारी ली। डॉ मणि ने बताया कि विभिन्न योजनाओं के तहत जिले का कुल लक्ष्य 7424 था। जिसमें बकरा विकास योजना के तहत प्रखंड स्तर से 1936 का सुकर विकास योजना के तहत 325 का बैकयार्ड लेयर कुक्कटध्लो इनपुट लेयर कुक्कुट योजना के तहत 146 का ब्रायलर कुक्कुट पालन योजना के तहत 379 का एवं बत्तख चूजा वितरण के तहत 2868 का अनुमोदन प्राप्त हुआ है। विभिन्न योजनाओं में लक्ष्य से कुल 1880 शेष है। डीपीएम प्रकाश रंजन को योजनाओं से महिला स्वयं सहायता समूह को जोड़ने की बात कही।

बोकारो : महाकाली पूजा को लेकर मैथिली कला मंच ने की बैठक

बोकारो। मैथिली कला मंच काली पूजा ट्रस्ट की बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर 2 डी स्थित काली मंदिर में सम्पन्न बैठक में धूमधाम से महाकाली पूजा मनाने का निर्णय लिया गया। इस बाबत गठित उपसमिति के संयोजक अविनाश कुमार सह संयोजक सुदीप कुमार ठाकुर तथा कोष प्रबंधक रविंद्र झा बनाये गये। बैठक में सभी विभागों में कर्मठ भक्तों से योगदान देने का आग्रह किया गया। ट्रस्ट के महामंत्री सुनील मोहन ठाकुर ने बताया कि डॉ उदय चंद्र झा की अध्यक्षता में हुई बैठक में गोविंद कुमार झा रविंद्र झा मिहिर कुमार झा सुशील कुमार झा विश्वनाथ झा अविनाश कुमार झा शिवेश पाठक रामबाबू चौधरी सुदीप कुमार ठाकुर सोनू कुमार सहित दर्जनों भक्तों ने अपने विचार रखे।

खिलाड़ियों का नहीं होता कोई जाति-धर्म : मुकेश

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। गोविंदपुर प्रखंड के गोड़तोपा पंचायत में अख्लाख क्लब के सदस्यों ने पाँच दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट में झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरीय जिलाउपाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह बतौर मुख्य अतिथि ने ग्राउंड में फुटबॉल को किक मार कर टूनार्मेंट की शुरूआत की। मुकेश कुमार सिंह ने अपने सम्बोधन में खिलाड़ियों का हौसला अफजाही करते हुए कहा कि तमाम विपरीत परिस्थितियों के बाद भी मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से झारखंड खेल नीति का लोकार्पण हुआ। यह खेल नीति मुख्य रूप से यहां के खिलाड़ियों के बेहतर भविष्य, झारखंड में खेल गतिविधियों का प्रसार, युवाओं को रोजगार, आमजनों में आत्मविश्वास एवं झारखंड को राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय पटल पर स्थापित करने के उद्देश्य से बनाई गई है। खेल नीति में खिलाड़ियों को नौकरी एवं शिक्षण संस्थाओं में आरक्षण की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि खेल मैदान में खिलाड़ियों की कोई जाति, कोई मजहब, कोई धर्म नहीं होता है। खिलाड़ी केवल खेल भावना एवं राष्ट्रीय भावना से खेलता है और यह दिलों से दिल को जोड़ने का स्थान होता है। उन्होंने कहा कि यह खेल नीति प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को चयनित खेल विद्या में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाएगा। उन्होंने कहा कि खेलेगा झारखंड तो बढ़ेगा झारखंड। अख्लाख क्लब के सदस्यों में झामुमो युवा नेता इमरान अंसारी,उमेश कुमार, कोलियरी श्रमिक संग प्रखंड अध्यक्ष गोविंदपुर के नईम राजा, गोड़तोपा पंचायत के सरपंच नासिर अंसारी रफीक आलम उर्फ पप्पू, अरमान अंसारी आदि लोगो उपस्थित थे।

बच्चों के बीच पोशाक का वितरण

बेरमो। नावाडीह प्रखंड के पलामू पंचायत स्थित छोटकी कुडी उत्क्रमित मध्य विद्यालय में कल्याण विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये स्कूल ड्रेसए जुता व स्वेटर का वितरण उक्त पंचायत कि पंचायत समिति सदस्य पार्वती देवी के द्वारा किया गया। मौके पर विद्यालय के तमाम शिक्षक शिक्षिकाओं सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मवि एगयारकुंड में स्वास्थ्य प्रशिक्षण का कार्यक्रम

कुमारधुबी। जिला स्वास्थ्य समिति धनबाद के आदेशानुसार राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तत्वाधान में सोमवार को मध्य विद्यालय एगयाकुंड निरसा-3 के कक्षा छठी,सप्तम एवं अष्टम के छात्र छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण विद्यालय परिसर में डॉक्टर सार्थक दास एवं डॉ जयंत कुमार टुडू के नेतृत्व में किया गया।डॉक्टर सार्थक दास ने बताया की राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का लक्ष्य बच्चों के जन्म से लेकर 18 साल तक उनके जन्म दोष, कमियां, बीमारियां, विकास में होने वाले विलंब के साथ आज तक समय से पहले पहचान तथा हस्तक्षेप करना

तेनुघाट डैम का खोला गया दो रेडियल गेट

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो/तेनुघाट कोर्ट। शनिवार को तेनुघाट डैम के दो रेडियाल गेट को खोला गया है। डैम मे अत्यधिक पानी आने के करण दो रेडियल फाटक खोला गया। विभाग के द्वारा पत्राचार के द्वारा बताया गया की दामोदर नदी पर स्थित तेनुघाट जलशय का पानी लगभग 856ण्35 फीट बढ़ने की संभावना है जिसको देखते हुऐ जलशय का दो रेडियल गेट खोला गया हैण जबकि जलाशय मे 865फीट पानी रखने की क्षमता है जबकि वर्तमान समय मे 852 फीट ही पानी को रखा जाता है वहीं 882 फीट खतरे की निशानी बताई गई है। वहीं दो गेट खोले जाने के बाद नदी मे पानी का बहाव हो रहा है। वहीं नदी नहीं जाने की हिदायत दी गई हैण अपने जानवरों सहित कोई भी व्यक्ति नदी मे न जाये जिससे कोई नुकशान होण वहीं सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुजूर ने बताया कि डैम के पिछले भाग से अधिक पानी

दामोदर का जल स्तर बढ़ा

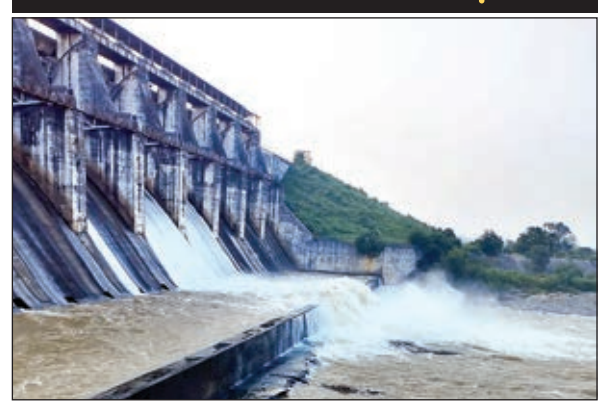

आने के कारण सुरक्षा को देखते हुए तत्काल दो गेट खोला गया है जरूरत पड़ने पर और भी गेट खोले जा सकते हैण नदी किनारे रहने वाले स्थानीय लोगों को इस बात की सूचना पहले से ही दे दी गई है लोगों से अपील है कि लोग नदी किनारे से दूर रहेंण वहीं दूरदराज से आये लोग खुले फाटक का खूब आनंद उठा रहे है।

संविधान बचाओ-लोकतंत्र बचाओ सेमिनार को लेकर एससी-एसटी संघ कार्यालय में बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। सोमवार को धनबाद एससी-एसटी कर्मचारी संघ के कार्यालय में मिथिलेश प्रसाद की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक में दिनांक 19 नवंबर 2023 को दलित शोषण मुक्ति मंच एंव नेशनल फेडरेशन ऑफ अंबेडकर मिशन और अन्य सामाजिक संगठनों का एक दिवसीय सेमिनार संविधान बचाओ- लोकतंत्र बचाओ और सामाजिक न्याय के लिए जेलगोरा गेस्ट हाउस (डिगवाडीह)के हाल में आयोजन की जाएगी। सेमिनार मुख्य रूप से दलितों पर हमला, संविधान बचाओ, और सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष तेज करने एंव वर्तमान स्थिति में जिसमें सांप्रदायिकता और मनुवादी तक के हावी है। संविधान बदलना चाहते हैं और दलित और उन कमजोर वर्गों पर हमले और अत्याचार चिंताजनक के रूप से बढ़ गए हैं। लोगों की एकता को तोड़ने के लिए आंतरिक संघर्षों को भी जानबूझकर भड़काया और बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके साथ वंचित तत्वों के लोगों के जीवन और आजीविका के लिए कुछ राहत प्रदान करने के उद्देश्य से बनाई गई नीतियों और कल्याणकारी उपायों को तबाह किया जा रहा है। नौकरियों और और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के वैधानिक प्रावधानों को भी कमजोर किया जा रहा है।अक्सर उन्हें नजअंदाज कर दिया जाता है हमारे संविधान की मूल नींव- धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय,लोकतंत्र और संघवाद पर जबरदस्त हमला हो रहा है। बैठक में सर्व समिति से एक तैयारी कमेटी का गठन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से शशि भूषण कुमार, मिथिलेश प्रसाद, एस एन तॉती ,दिलीप राम, विजय कुमार पासवान, लालचन्द्र रजक,रामवृक्ष धारी, रामबालक धारी आदि मौजूद थे।

बोकारो : मुखिया ने किया महिला स्वावलंबन कार्यशाला का उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो/कसमार। कसमार प्रखंड के मधुकरपुर आजीविका महिला संकुल संगठन अंतर्गत क्लस्टर कोर्डिनेटर कविता कुमारी की अध्यक्षता में आयोजित का उदघाटन मधुकरपुर मुखिया राजेन्द्र महतो एवं दुगार्पुर मुखिया अमरेश कुमार महतो ने किया। कार्यशाला में विभिन्न आजीविका संबधी गतिविधियों पर चर्चा की गई। मुखिया द्वय ने ग्राम संगठन की दीदीयों के आजीविका एवं स्वावलंबन की कार्य योजनाओं हेतु हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। सीसी कविता कुमारी ने बताया कि मधुकरपुर आजीविका संकुल संगठन का निबंधन सहकारिता विभाग से हो गया है। स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड के नाम से निबंधित संगठन के माध्यम से कृषि एवं बागवानी कार्य के अलावा पशुपालन बतक पालन और मुर्गी पालन बकरी पालन मत्स्य पालन की योजनाएं चलाई जाती है। मौके पर कुंती देवी किरण देवी सोनम देवी कविता देवी पांवों देवी सविता देवी पिंकी देवी आसमा देवी बीबी देवी सुनिता देवी बेबी देवी बिनू देवी दीपिका देवी संयोती देवी बसंती देवी नूनीबाला देवी संजू देवी आदि मौजूद थी।

झरिया विधायक पूर्णिमा सिंह ने उठाये जन समस्या के मुद्दे

●डीएमएफटी बोर्ड की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

झरिया। धनबाद के न्यू टाउन हॉल में आयोजित जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएम एफटी) न्यास परिषद की बैठक में माननीय झरिया विधायक श्रीमती पूर्णिमा नीरज सिंह ने अध्यक्ष सह उपायुक्त के समक्ष निम्नलिखित जनहित के मुद्दों पर समाधान हेतु ध्यान आकृष्ट कराया। ये मांगे उठीः झरिया अंतर्गत जर्जर सरकारी विद्यालय भवनों के निर्माण तथा मूलभूत सुविधाओं के विकास के संबंध में। कार्यकारी एजेंसी द्वारा माननीय द्वारा अनुशंसित योजनाओं का समय पर प्राकलन तैयार कर स्वीकृति उपरांत कार्य को धरातल पर जनहित में उतारने के संबंध में। दव्यांग जनों को डीएम एफटी से कृत्रिम अंग उपलब्ध करवाने के संबंध में। गरीब इंदिरा आवास लाभुकों को आवास की मरम्मती/जीणोधार के लिए डीएम एफटी से आवश्यक पहल करने के संबंध में। धनबाद में यातायात व्यवस्था सुगम करने हेतु कार्य योजना निर्माण करने के संबंध में । झरिया में पीट वाटर को पीने योग्य बनाने हेतु सर्वे करवा कर फिल्टर प्लांट लगाने के संबंध में। डीएम एफटी गाइडलाइन के अनुरूप प्रत्येक 06 माह में न्यास परिषद की बैठक आहूत की जाय, जिससे योजनाओं को धरातल पर उतारने में सहूलियत हो। अध्यक्ष सह उपायुत्त ने माननीय विधायक जी की बातों पर गंभीरता पूर्वक सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

पेज 3 का शेष

राज्य में कृषि, पर्यटन, शिक्षा...

युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। **...आपके द्वार का तीसरा चरण शीघ्र :** सीएम ने कहा, आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का तीसरा चरण शुरू होने जा रहा है। अधिकारी आपके दरवाजे पर आयेंगे। पंचायत में शिविर लगेंगे। यहां आपकी समस्याओं का समाधान भी होगा और सरकार की योजनाओं का लाभ भी दिया जायेगा। इस मौके पर सीएम ने 3 अरब 91 करोड 41 लाख 83 हजार 896 रुपए की लागत से 11 सड़कों का उदघाटन और 1 अरब 43 करोड़ 26 लाख 5 हजार 500 रुपए की लागत से 12 सड़कों का शिलान्यास किया। **कोई बुजुर्ग, दिव्यांग बिना पेंशन के नहीं रहेगा :** मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी गरीबों और जरूरतमंदों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए सरकार वचनबद्ध है। इसी कड़ी में सरकार में यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लागू किया है। इस योजना के तहत सभी बुजुर्गए विधवाए परित्यक्ता और दिव्यांगों को पेंशन दिया रहा है। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दे दिए गए हैं कि कोई भी योग्य पात्र इस योजना से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि राज्य में कोई परिवार बेघर नहीं रहेगा। सभी बेघरों के अपने आशियाना का सपना पूरा होगा। इसके लिए अबुआ आवास योजना की शुरूआत हो रही है। इस योजना के तहत आठ लाख परिवारों को आवास उपलब्ध कराया जायेगा। **रोजगार और स्वरोजगार पर विशेष फोकस :** मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। इस कड़ी में सरकारी विभागों के खाली पदों पर बड़े पैमाने पर नियुक्तियां हो रही हैं। रोजगार मेला के जरिये हजारों युवाओं को निजी कंपनियों और संस्थानों में जॉब दिलाने का काम कर रहे हैं। जो भी व्यक्ति स्वरोजगार करना चाहता है उसे मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के माध्यम से सरकार मदद कर रही है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि वे अपने बच्चे बच्चियों को अच्छे से पढ़ायें। उनका भविष्य संवारें। पढ़ाई पर होने वाले खर्च की चिंता नहीं करें। सरकार इस खर्च को वहन करेगी। इस क्रम में मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में चलाई जा रही योजनाओं से लोगों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी से लेकर मेडिकल, इंजीनियरिंग और लॉ जैसे कोर्सेज करने के लिए सरकार आर्थिक मदद दे रही है। वहीं, विदेश में पढ़ाई के लिए शत प्रतिशत स्कॉलरशिप दे रही है। बच्चियां पढ़ाई से जुड़ी रहें, इसके लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी सावित्री योजना चलायी जा रही है। इस मौके पर सीएम ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी लोगों को दी और उसका लाभ लेने को कहा।

स्थिर सरकार से ही देश का विकास संभव : पीएम मोदी

● विकास परियोजनाओं में भारतीय रेल, गुजरात रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, जल संसाधन विभाग, जलापूर्ति विभाग, सड़क एवं आवास विभाग तथा शहरी विकास विभाग शामिल

एजेंसी

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को गुजरात के मेहसाणा जिले के डाभोड़ा गांव में 5950 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गुजरात ने अनुभव किया है कि कैसे लंबे समय तक स्थिर सरकार बने रहने से एक के बाद एक फैसले लेने में मदद मिली है, जिससे राज्य को फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि देश में तेजी से हो रहे विकास और दुनिया में तेज विकास के लिए भारत की प्रशंसा की जड़ में जनता की वह शक्ति है जिसने देश में स्थिर सरकार दी है।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किये गये विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास में भारतीय रेल, गुजरात रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (जीआरआईडीई), जल संसाधन विभाग, जलापूर्ति विभाग, सड़क एवं आवास विभाग तथा शहरी विकास विभाग के विकास कार्य शामिल हैं।

रेलवे विभाग और जीआरआईडीई के प्रकल्प मेहसाणा और अहमदाबाद में रेलवे विभाग के दो प्रकल्प लोकार्पण के लिए तैयार थे। मेहसाणा में न्यू भांडू से न्यू साणंद तक पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई गलियारा अनुभाग, 77 किलोमीटर की इलेक्ट्रिफाइड डबल लाइन के साथ ही 24 किमी लंबी कनेक्टिंग लाइनों का लोकार्पण किया गया।

इसके अलावा प्रधानमंत्री ने वीरमगाम से सामखियाली तक की 182 किमी लंबी रेल लाइन के दोहरीकरण कार्य का लोकार्पण किया। इसके अतिरिक्त, गुजरात रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की ओर से मेहसाणा कटोसण-बेचराजी के बीच 29.65 किमी के रेलवे प्रोजेक्ट का भी लोकार्पण किया गया।

मेहसाणा जिले में विजापुर और माणसा तहसील के डेल्टा क्षेत्र में विभिन्न तालाबों के रिचार्ज के कार्य और साबरमती नदी पर वालासणा बैराज के निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया।

बनासकांठा में जलापूर्ति विभाग की तीन विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया, जबकि मेहसाणा में एक परियोजना का शिलान्यास किया गया।

धरोई बांध आधारित 80 एमएलडी क्षमता के जल शुद्धिकरण संयंत्र का लोकार्पण तथा मेहसाणा में धरोई ऑग्मेंटेशन पार्ट-2 के कार्य का शिलान्यास किया गया।

इजराइल ने सीरिया के सैन्य ठिकानों पर की बमबारी

एजेंसी

तेल अवीव/ दमास्कस/ मॉस्को। फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास के इस महीने की सात तारीख को इजराइल पर किए गए बर्बर आक्रमण के बाद उठ रही युद्ध की लपटों में गाजा पट्टी समेत कई देश झुलस रहे हैं। रविवार को गोलान हाइट्स की ओर किए गये रॉकेट हमले के जवाब में इजराइली वायुसेना ने दक्षिणी सीरिया के सैन्य ठिकानों पर रातभर ताबड़तोड़ हमला किया है। साथ ही उत्तरी गाजा में इजराइल की थल और नभ सेना का कहर जारी है। उत्तरी गाजा में आज (सोमवार) तड़के कई स्थानों पर मिसाइल और रॉकेट दागे गए। इस बीच रूस ने अपने एक हवाई अड्डे को छह नवंबर तक के लिए बंद कर दिया है।

कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सीरिया की राजधानी दमास्कस में इजराइल के ताजा हमलों से

निपटने की रणनीति तय की जा रही है। इसके अलावा इजराइल ने गाजा पट्टी पर जमीनी हमला न करने की वैश्विक अपील को ठुकरा दिया है। इजराइल की सेना लगातार गाजा पट्टी पर मौजूद हमास के आतंकी ठिकानों को जमींदोज कर रही है। हमास नियंत्रित गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि सात अक्टूबर से आज तक गाजा में मरने वालों की संख्या 8,000 से अधिक हो गई है। इसमें 3,342 बच्चे शामिल हैं।

रूस ने दागेस्तान एयरपोर्ट बंद किया: एक रिपोर्ट्स में कहा गया है कि रविवार को रूस के काकेशस गणराज्य के दागेस्तान में इजराइल के नागरिकों और यहूदियों की तलाश कर रही भीड़ ने मुख्य एयरपोर्ट पर कब्जा कर लिया। भीड़ को आशंका थी कि इजराइल से एक उड़ान आ रही है। इस घटना के बाद रूस की विमानन एजेंसी ने कहा है कि भीड़ के हमले के बाद दागेस्तान का मुख्य हवाई अड्डा 6 नवंबर तक बंद रहेगा। इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने कहा कि सीरिया से दागे गए रॉकेट और मिसाइल खुले इलाकों में गिरे हैं। इससे कोई नुकसान नहीं हुआ है।

स्पीड न्यूज

हमास के नौ नेताओं की संपत्ति जब्त करेगा जापान

टोक्यो। जापान ने अपने देश के समूह की फंडिंग में बाधा डालने के मामले में हमास के नौ नेताओं और वित्तीय मामलों का प्रबंधन करने वाले उसके सदस्यों की संपत्ति जब्त करने की योजना बनायी है। जापानी प्रसारक एनएचके ने सोमवार को सरकारी सूत्रों का हवाला देते हुए अपनी रिपोर्ट में बताया कि जापानी सरकार संपत्ति के अलावा गाजा पट्टी से जुड़े क्रिप्टोकोर्रेसी फंड और एक्सचेंजों को भी फ्रीज करने की योजना है।

रुपया दो पैसे फिसला

मुंबई। आयातकों एवं बैंकरों की लिवाली के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया दो पैसे फिसलकर 83.27 रुपये प्रति डॉलर रहा। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 83.25 रुपये प्रति डॉलर रहा था।

मेक्सिको में ओटिस तूफान का कहर , मृतकों की संख्या बढ़कर 48 हुई

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के गुएरेरो प्रांत में शक्तिशाली तूफान ओटिस की चपेट में आकर मरने वालों की संख्या बढ़कर 48 हो गई है और 36 लोग अभी भी लापता हैं। प्रांतीय गवर्नर एवलिन सालगाडो ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ओटिस तूफान बुधवार को गुएरेरो के प्रशांत तट से टकराया था, जिससे मैक्सिको के मुख्य पर्यटन स्थलों में से एक अकापुल्को के समुद्र तटीय रिसॉर्ट को गंभीर नुकसान पहुंचा है।

यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ खड़े होने वाले भारतीय चिकित्सक सम्मानित

शिकागो (अमेरिका)। अमेरिका में एक प्रभावशाली यहूदी समूह ने भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक डॉ. भरत बरई को भारत, अमेरिका और इजराइल के बीच संबंधों को मजबूत करने के उनके अथक प्रयासों और यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ खड़े होने के लिए सम्मानित किया। डॉ. बरई भारत-इजराइल संबंध के बड़े समर्थक रहे हैं। उन्होंने कहा, हम आपके, अपने यहूदी भाइयों और बहनों के साथ हैं। डॉ. बरई ने कहा कि हिंदू और यहूदी समुदाय के बीच सहयोगात्मक संबंधों से दोनों को लाभ हुआ है।

इसरायल-हमास संघर्ष पर सोनिया गांधी के लेख पर भाजपा का तीखा हमला

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर इसरायल-हमास संघर्ष को लेकर भारत में ओछी और वोट बैंक की राजनीति करने का सोमवार को आरोप लगाया। भाजपा ने कहा है कि आतंकवाद का परोक्ष समर्थन करना मानवता और भारत के हितों के खिलाफ है। पार्टी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने इसरायल-हमास संघर्ष पर संयुक्त राष्ट्र में रखे गये हाल के प्रस्ताव पर मतदान में भारत की अनुपस्थिति को लेकर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की सरकार की आलोचना भरे एक लेख की आलोचना की। श्रीमती गांधी ने एक अखबार में अपने लेख में कहा है कि उनकी पार्टी संयुक्त राष्ट्र में गाजा पट्टी में मानवता के लिए संघर्षविराम की मांग वाले प्रस्ताव पर वोट में भारत की गैरहाजिरी के बहुत खिलाफ हैं।

टाटा मोटर्स को सिंगुर संयंत्र में हुए नुकसान पर मिलेगा मुआवजा

नयी दिल्ली। घरेलू वाहन विनिमार्ता टाटा मोटर्स ने सोमवार को कहा कि सिंगूर संयंत्र में हुए नुकसान की भरपाई के लिए उसे 766 करोड़ रुपये का मुआवजा मिलेगा। एक मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने सोमवार को यह मुआवजा देने का निर्देश पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम को दिया। टाटा मोटर्स को भूमि विवाद होने से अक्टूबर, 2008 में अपने संयंत्र को पश्चिम बंगाल के सिंगूर से स्थानांतरित कर गुजरात के साणंद ले जाना पड़ा था। उस समय तक टाटा मोटर्स सिंगूर में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश कर चुकी थी। इस संयंत्र में उसकी छोटी कार नैनो का उत्पादन होना था।

सिसोदिया की जमानत खारिज होने का फैसला सुनवाई के बिल्कुल विपरीत : आतिशी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत खारिज होने का फैसला उच्चतम न्यायालय में हुई सुनवाई के बिलकुल विपरीत है।

सुश्री आतिशी ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शीर्ष अदालत में जब मनीष सिसोदिया की जमानत का केस सुना जा रहा था, तब अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर काफी तीखे सवाल और टिप्पणियाँ की। शीर्ष अदालत ने ईडी से बार-बार यह सवाल पूछा कि, आपके पास मनीष सिसोदिया से जुड़ी हुई मनी ट्रेल कहा है?

आप नेता के अनुसार शीर्ष अदालत ने बार-बार यह कहा कि, अगर ईडी मनीष सिसोदिया के पास पैसे पहुँचते हुए नहीं दिखा सकती तो मनी लौंड्रिंग और पीएमएलए लगने का सवाल कैसे पैदा होता है। शीर्ष अदालत ने सवाल भी पूछा कि ईडी का पूरा केस सिर्फ. और सिर्फ. दिनेश अरोड़ा के बयान के आधार पर है।

सुश्री आतिशी ने कहा कि तीखी टिप्पणियों के बावजूद कोर्ट ने आज विपरीत ऑर्डर दिया है और मनीष सिसोदिया को बेल नहीं दी। हम इस बाबत कोर्ट द्वारा जारी ऑर्डर का अध्ययन करेंगे, उसमे उठाए गए सारे कानूनी मुद्दे को गहराई से देखेंगे और उसके बाद हमारे पास जो भी कानूनी विकल्प होंगे उनके आधार पर अगला कदम उठायेंगे।

हिंद महासागर में चुनौतियों के समाधान के लिए सहयोग ढांचा जरूरी: राजनाथ

● कार्बन उत्सर्जन को कम करने और टिकाऊ तरीकों में बदलाव के लिए देशों को मिलकर काम करने पर जोर

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जलवायु परिवर्तन, समुद्री डकैती, आतंकवाद, मादक पदार्थ तस्करी, अत्यधिक मछली पकड़ने और खुले समुद्र में वाणिज्य की स्वतंत्रता जैसी आम समुद्री चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए हिन्द महासागर क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग ढांचे की स्थापना का आह्वान किया है। रक्षा मंत्री जनाथ सिंह ने सोमवार को गोवा समुद्री सम्मेलन के चौथे संस्करण में इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्र को असुरक्षित बनाने वाले स्वार्थी हितों से बचते हुए सामान्य समुद्री प्राथमिकताओं को पूरा करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, स्वतंत्र, खुली और नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था हम सभी के लिए प्राथमिकता है। ऐसी समुद्री व्यवस्था में 'शायद सही है' का कोई स्थान नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों और समझौतों का पालन हमारा आदर्श होना चाहिए।

जलवायु परिवर्तन पर रक्षा मंत्री ने कहा कि परस्पर सहयोग पर आधारित ढांचे में कार्बन उत्सर्जन को कम करने और टिकाऊ तरीकों में बदलाव के लिए देशों को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि सभी देश हरित अर्थव्यवस्था में निवेश करके उत्सर्जन में कटौती करने की जिम्मेदारी स्वीकार करें और जरूरतमंद देशों के साथ प्रौद्योगिकी और पूंजी साझा करे तो दुनिया इस समस्या से उबर सकती है। सहयोग पर आधारित ढाँचों को स्थापित करने के बारे में रक्षा मंत्री ने देशों के बीच सहयोग और संसाधनों तथा विशेषज्ञता को साझा करने का आह्वान किया।

विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने क्षेत्र में शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए हिन्द महासागरीय देशों के बीच सहयोग की वकालत की।

हिन्द महासागर के महत्व को रेखांकित करते हुए, उन्होंने देश के समुद्री हितों की रक्षा करने और संकट के समय क्षेत्र में सबसे पहले कदम उठाने के लिए भारतीय नौसेना की सराहना की।

रविवार को शुरू हुए तीन दिवसीय सम्मेलन में कोमोरोस के रक्षा प्रभारी प्रतिनिधि मोहम्मद अली यूसुफा और बांग्लादेश , इंडोनेशिया, मेडागास्कर, मलेशिया, मालदीव, मॉरीशस, म्यांमार, सेशेल्स, सिंगापुर, श्रीलंका और थाईलैंड की नौसेनाओं के प्रमुख अथवा वरिष्ठ अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं।

एक नजर में

पाकिस्तान के प्रख्यात धार्मिक विद्वान मौलाना तारिक जमील के बेटे ने आत्महत्या की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रसिद्ध धार्मिक विद्वान मौलाना तारिक जमील के बेटे आसिम जमील ने पंजाब प्रांत के अपने पैतृक शहर तलंबा में अपने घर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रविवार को घटना की प्रारंभिक जांच के बाद यह दावा किया। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। मुल्तान के क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी सोहेल चौधरी के अनुसार, आसिम जमील अपने सीने में पिस्तौल से गोली दागी। वह मानसिक अवसाद में था। घर के सभी सीसीटीवी फुटेज को फॉरेंसिक विश्लेषण के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि उसने अपनी पसंद की लड़की से शादी की लेकिन बाद में उनका तलाक हो गया। मौलाना तारिक जमील ने अपने बेटे की मृत्यु की पुष्टि की है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सुनक ने इजराइल-गाजा संघर्ष के बीच घरेलू सुरक्षा बैठक बुलायी

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक इजराइल-गाजा संघर्ष के बीच और देश की सड़कों पर व्यापक प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में ब्रिटेन के लिए घरेलू सुरक्षा मुद्दों का विश्लेषण करने के लिए सोमवार को लंदन में 10 डाउनिंग स्ट्रीट में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। कैबिनेट ऑफिस ब्रीफिंग रूम्स ए (कोबरा) बैठक ऐसे समय में हो रही है जब एक और सप्ताहांत में हजारों लोगों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के खिलाफ प्रदर्शन किए। प्रदर्शन के दौरान नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया और पांच पर सार्वजनिक व्यवस्था संबंधी अपराधों के आरोप लगाए गए हैं।

कतर में मौत की सजा पाने वाले आठ भारतीयों के परिजनों से मिले जयशंकर

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को भारतीय नौसेना के उन आठ पूर्व कर्मचारियों के परिवारों से मुलाकात की, जिन्हें कतर की एक अदालत ने मौत की सजा सुनाई है। इस मौके पर उन्होंने भरोसा दिया कि सरकार उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

नीता अंबानी को ग्लोबल लीडरशिप अवॉर्ड

नयी दिल्ली। रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर एवं चेयरपर्सन नीता अंबानी को ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) द्वारा दिल्ली में आयोजित एक समारोह में फोरम के अध्यक्ष जॉन चैंबर्स ने नीता अंबानी को अवार्ड दिया। कार्यक्रम में भारत सरकार के शीर्ष अधिकारी और बिजनेस लीडर्स शामिल थे। श्रीमती अंबानी ने कहा, मैं पुरस्कार पाकर बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं रिलायंस फाउंडेशन का प्रतिनिधित्व करती हूं, जिसके जरिए हमने 7 करोड़ 10 लाख से अधिक लोगों के जीवन को छुआ है। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के मानक बनने से बहुत पहले, रिलायंस ह्यकॉर्पोरेट मोरल रिस्पॉन्सिबिलिटी को पूरा करती आ रही है।

यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम ने वक्तव्य जारी कर बताया कि नीता अंबानी सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने वाली एक बिजनेस लीडर हैं, जिनके नेतृत्व में रिलायंस फाउंडेशन ने शिक्षा, कला, खेल और स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से लाखों भारतीयों के जीवन को प्रभावित किया है।

शिवसेना विधायकों पर अयोग्यता याचिकाओं का 31 दिसंबर तक फैसला

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से कहा कि वह अपने समक्ष लंबित मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित शिवसेना विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता संबंधी याचिकाओं पर 31 दिसंबर 2023 से पहले अंतिम आदेश पारित करें।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने विधानसभा अध्यक्ष को और समय देने से इनकार करते हुए कहा कि दसवीं अनुसूची (दल-बदल विरोधी कानून) के तहत कार्यवाही में देरी के लिए प्रक्रियात्मक उलझनों की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

पीठ ने उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और आठ अन्य सहित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से संबंधित लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर भी निर्णय लेने के लिए 31 जनवरी 2024 की समय सीमा तय की।

शीर्ष अदालत ने कहा कि वह उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) द्वारा अलग अलग दायर याचिकाओं पर अगली सुनवाई जनवरी के पहले सप्ताह में करेगी।

पीठ ने 17 अक्टूबर की सुनवाई के दौरान विधानसभा अध्यक्ष से शिवसेना के कुछ विधायकों की अयोग्यता संबंधित याचिकाओं पर निर्णय लेने के लिए एक यथार्थवादी समय-सारणी तय करने को कहा था।

कांग्रेस की केन्द्रीय चुनाव समिति की राजस्थान पर महत्वपूर्ण बैठक

नयी दिल्ली। राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की केन्द्रीय चुनाव समिति की सोमवार को महत्वपूर्ण बैठक हो रही है। कांग्रेस मुख्यालय में हो रही बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, अंबिका सोनी और अन्य वरिष्ठ नेता हिस्सा ले रहे हैं। कांग्रेस के अनुसार बैठक में राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों को लेकर विचार विमर्श किया जायेगा। पार्टी अब तक विधानसभा चुनाव के लिए 95 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है।

शेयर बाजार में दूसरे दिन भी रही तेजी

मुंबई। दुनिया के प्रमुख केंद्रीय बैंकों की इस सप्ताह होने वाली बैठक में ब्याज दर को लेकर होने वाले निर्णय से पहले निवेशकों की मजबूत धारणा की बदौलत विश्व बाजार के चढ़ने से स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, दूरसंचार, तेल एवं गैस और रियल्टी समेत पंद्रह समूहों में हुई लिवाली से आज शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन तेजी पर रहा।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 329.85 अंक अर्थात 0.52 प्रतिशत की छलांग लगाकर 64112.65 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 93.65 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 19140.90 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.13 प्रतिशत बढ़कर 31,153.57 अंक और स्मॉलकैप 0.06 प्रतिशत उठकर 36,911.46 अंक पर रहा।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 103 अंक की तेजी के साथ 63,885.56 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 63,431.45 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, इसके बाद शुरू हुई लिवाली की बदौलत यह लगातार बढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 64,184.58 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 63,782.80 अंक के मुकाबले 0.52 प्रतिशत उछलकर 64,112.65 अंक पर रहा।

निफ्टी छह अंक बढ़कर 19,053.40 अंक पर सपाट खुला और सत्र के दौरान 18,940.00 अंक के निचले जबकि 19,158.50 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,047.25 अंक की तुलना में 0.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,140.90 अंक पर पहुंच गया।

सिंघम अगेन से रणवीर सिंह का फर्स्ट लुक रिलीज

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म सिंघम अगेन से उनका फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है।

रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही थी। इस फिल्म के दूसरे पार्ट सिंघम-2 को भी दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। अब इस फिल्म का तीसरा भाग सिंघम अगेन जल्द ही दर्शकों के सामने आएगा। इसी बीच, इस फिल्म से रणवीर सिंह का फर्स्ट लुक दर्शकों के सामने आ गया है। रणवीर का लुक देखने के बाद फैंस फिल्म को लेकर और भी उत्सुक हो गए हैं।

अजय देवगन ने रणवीर का ये लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया है। सिंघम अगेन में रणवीर संग्राम भालेराव (सिम्बा) का किरदार निभाएंगे। कुछ दिनों पहले सिंघम अगेन से दीपिका और टाइगर श्रॉफ का लुक जारी किया गया था। फिल्म में दोनों एक पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाएंगे। दीपिका और टाइगर का राउडी लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

सिंघम अगेन में अजय देवगन के साथ अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ हैं। इस फिल्म की शूटिंग कुछ दिनों पहले ही शुरू हुई थी। इस शूटिंग की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी वायरल हुईं। इससे पहले भी रोहित शेट्टी ने सिंघम अगेन के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। 15 अगस्त को सिंघम एक बार फिर सिनेमाघरों में दस्तक देगी।